रांची एक्सप्रेस
61
साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज
नया मिजाज

रांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-314 | कोलकाता, गुरुवार 23 जनवरी 2025, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

डॉलर की बादशाहत को चुनौती देने की तैयारी

ब्रिक्स में बज रहा भारत का डंका चीन को भी चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में अपनी आर्थिक ताकत और कूटनीति के दम पर भारत अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर पर निर्भरता कम करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के बीच वित्तीय सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की पहल ने वैश्विक स्तर पर नई चर्चा छेड़ दी है। 2022 में भारतीय रिजर्व बैंक ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भारतीय रुपये में

भुगतान की अनुमति दी। यह फैसला रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद लिया गया। इस कदम का उद्देश्य केवल भारत के व्यापार को सुरक्षित करना था, न कि डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देना। हालांकि, 2024 के कजान ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमापार भुगतान को आसान बनाना ब्रिक्स देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करेगा। जहां एक ओर चीन ब्रिक्स मंच का उपयोग अमेरिका के खिलाफ अपनी ताकत बढ़ाने के लिए करना चाहता है, वहीं भारत संतुलन बनाए रखने में विश्वास रखता है।

राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप ने दिया भारत को 'खास' सम्मान

अमेरिका ने एस जयशंकर के साथ की पहली बड़ी बैठक

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेते ही ऐक्शन में दिख रहे हैं। भारत को प्राथमिकता देते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ज ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अपनी पहली द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय बैठकें कीं। आपको बता दें कि एस जयशंकर वाशिंगटन में ट्रंप के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। दोनों देशों के नेताओं की यह बैठक फॉगी बॉटम मुख्यालय में हुई। इस द्विपक्षीय बैठक के बाद क्वाड मंत्रिस्तरीय बैठक भी

आयोजित की गई, जिसमें चार देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया। मार्को रुबियो ने एस. जयशंकर के साथ अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी पर विस्तृत से चर्चा हुई। यह बैठक रुबियो के पदभार संभालने के कुछ ही समय बाद हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इस बैठक में भारत के अमेरिकी राजदूत विनय क्वात्रा भी शामिल थे। बैठक के बाद रुबियो और जयशंकर ने मीडिया के सामने हाथ मिलाया।

योगी कैबिनेट की गंगा एक्सप्रेसवे के एक्सटेंशन को मंजूरी, बड़ा फायदा

एनसीआर से बिहार को मिल जाएगा एक और रूट, होगी बल्ले-बल्ले

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में आयोजित यूपी की योगी कैबिनेट ने गंगा एक्सप्रेसवे के एक्सटेंशन को मंजूरी दे दी है। मेरठ से प्रयागराज तक बन रहा गंगा एक्सप्रेसवे अब मिर्जापुर, भदोही, वाराणसी और चंदौली से होते हुए गाजीपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा। इसके बनने से पश्चिमी यूपी और एनसीआर से बिहार के लिए नया रूट भी मिल जाएगा। गाजीपुर का बड़ा इलाका बिहार से जुड़ा है। गंगा एक्सप्रेसवे को मंजूरी भी 2019 के कुंभ में आयोजित

योगी कैबिनेट की बैठक में मिली थी। लखनऊ के पांच जिलों को मिलाकर बन रहे स्टेट कैपिटल रिजन की तर्ज पर प्रयागराज-चित्रकूट डेवलेपमेंट रीजन का प्रस्ताव योगी कैबिनेट में रखा गया था। इसी को आज स्वीकृति मिल गई है। प्रस्ताव के तहत गंगा एक्सप्रेस वे एक्सटेंशन प्रयागराज से मिर्जापुर, भदोही, वाराणसी, चंदौली होते हुए गाजीपुर तक बनेगा। गाजीपुर में ही लखनऊ से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे भी आया है। ऐसे में गंगा एक्सप्रेसवे गाजीपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा।

अंतरिक्ष के क्षेत्र में इसरो को मिली बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम्स सेंटर ने गगनयान परियोजना के तहत पहले मानव रहित मिशन (एल1) के लिए क्रू मॉड्यूल का सफलतापूर्वक लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम के साथ एकीकरण पूरा कर लिया है।

21 जनवरी 2025 को इसे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से रवाना किया गया। गगनयान अंतरिक्ष में मानव मिशन भेजने की क्षमता हासिल करने की दिशा में इसरो का पहला प्रयास है। इसरो गगनयान परियोजना के तहत मानवयुक्त चालक दल को रवाना करने से पहले अंतरिक्ष में एक मानवरहित मिशन भेजने की योजना बना रहा है। इसरो ने एक बयान में कहा, 21 जनवरी 2025 को इसरो के लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी) ने लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम के एकीकरण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद गगनयान के पहले मानवरहित मिशन के लिए क्रू मॉड्यूल को अंतरिक्ष रवाना किया।

● मिशन गगनयान के लिए अंतरिक्ष में भेजा क्रू मॉड्यूल

इसरो के अनुसार, क्रू मॉड्यूल प्रपल्शन सिस्टम एक बाई-प्रोपेलेंट आधारित रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम है, जिसे क्रू मॉड्यूल के तीन अक्षों - पिच, यॉ और रोल - के सटीक नियंत्रण के लिए डिजाइन किया गया है। यह नियंत्रण सेवा मॉड्यूल के पृथक्करण के बाद से लेकर वायुमंडल में पुनः प्रवेश और पैराशूट आधारित धीमी गति प्रणाली के सक्रिय होने तक जारी रहेगा। इस सिस्टम में 12 थ्रस्टर्स, उच्च दबाव गैस बॉटल्स के साथ प्रेशराइजेशन सिस्टम और प्रोपेलेंट फीड सिस्टम शामिल है।

इसरो के अधिकारियों ने बताया कि 100 थ्रस्टर्स छोटे रॉकेट मोटर्स होते हैं, जो अंतरिक्ष यान को प्रपल्शन प्रदान करते हैं। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र द्वारा डिजाइन किया गया क्रू मॉड्यूल अपराइटिंग सिस्टम भी इसरो में क्रू मॉड्यूल में एकीकृत किया गया है।

वे कहते हैं फिर आएंगे, जनता कहती है फिर खाएंगे: पीएम

● मोदी बोले-हार के डर से आपदा वाले कर रहे हैं नई घोषणाएं

कार्यकर्ताओं से कहा-आपदा का खेल जान गई है दिल्ली की जनता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ताओं से कहा- दिल्ली की जनता आपदा का का खेल जान गई है। उनकी पोल खुल गई है। भाजपा की जीत पक्की करने के लिए दिल्ली की जनता निकल पड़ी है। हार के डर से आपदा वाले रोज-रोज नई-नई घोषणा करते हैं। वे नारे लगाते हुए कहते हैं कि फिर आएंगे, फिर आएंगे, लेकिन जनता कहती है कि फिर खाएंगे, फिर खाएंगे। उन्होंने नमो ऐप के जरिए कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कहा- 5 फरवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को पोलिंग बूथ तक पहुंचाना है। ठंड कितनी भी हो, हमें सुबह से ही मतदान की तीव्रता को पहुंचाना है। दिल्ली को आम आदमी पार्टी ने संकट में डाला हुआ है। दिल्ली को आपदा से मुक्त कराना है। ऐसा होगा, तभी दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने का संकल्प सिद्ध होगा। मोदी ने कहा कि आप भी जानते हैं कि जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है। बीते 10 वर्षों में गरीब से गरीब को भी पक्का घर,मुफ्त अनाज, मुफ्त इलाज जैसी सुविधाएं पहली बार मिली।

झुग्गी में रहने वाले साथियों को भाजपा सरकार बड़ी संख्या में पक्के घर दे रही है। आप टीम लीडर हैं, मेहनती हैं तो जरूर लोगों से बातचीत होती होगी। क्या अनुभव रहा। पीएम मोदी ने 3 जनवरी को कहा था कि बीते 10 साल में दिल्ली एक बड़ी आपदा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आपदा में धकेल दिया। शराब ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, प्रदूषण से लड़ने के नाम पर घोटाला। पीएम ने कहा था- दिल्ली वालों ने आपदा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है।

कोरोना महामारी के दौरान केरल में 'पीपी' किट घोटाला

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। कोरोना महामारी के दौरान वैक्सीन के साथ पीपी किट ने भी लोगों की जान बचाने के अहम भूमिका निभाई थी। अब केरल में पीपी किट को लेकर हंगामा छिड़ गया है। दरअसल भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग ने मंगलवार को केरल में पीपी किट खरीदने में हुए

घोटाले को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य में महामारी के दौरान मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार ने पीपी किट खरीदने में अनियमितता बरती और करोड़ों का घोटाला भी हुआ। इसकी बाद विपक्षी पार्टियों ने जमकर निशाना साधा है। कैग की रिपोर्ट के मुताबिक किट खरीदने में अतिरिक्त 10.23 करोड़ खर्च किए गए। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि सैन फार्मा को टेंडर दिया।

महाराष्ट्र के जलगांव में बड़ा रेल हादसा, 11 की मौत

● पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह से ट्रेन से कूद गए पैसेंजर्स ● दूसरे ट्रैक से आ रही कर्नाटक संपर्क क्रांति ने कुचला, 40 घायल

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार को बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। यहां परधाड़े रेलवे स्टेशन पर पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैल गई। घबराए यात्री ट्रेन से कूद गए। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ने कई यात्रियों को कुचल दिया। न्यूज एजेंसी ने बताया कि ट्रेन से कुचलकर 11 लोगों की मौत हुई है। करीब 40 लोग घायल हैं। सेंट्रल रेलवे के भुसावल डिवीजन के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जहां घटना हुई, उस जगह पर शार्प टर्न था। इस वजह से दूसरे ट्रैक पर बैठे पैसेंजर्स को ट्रेन के आने का अंदाजा नहीं लगा। यही वजह रही कि स्पीड से आ रही कर्नाटक संपर्क क्रांति से इतनी बड़ी संख्या में लोग कुचले गए। ब्रेक लगने पर ट्रेन के पहिए से निकला था धुआं: जानकारी के मुताबिक गाड़ी नंबर 12629 कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस यशवंतपुर से हजरत

निजामुद्दीन जा रही थी। जबकि पुष्पक एक्सप्रेस (12533) लखनऊ से मुंबई जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रेक लगाने पर पुष्पक एक्सप्रेस के पहियों से धुआं निकला था।

नीतिश ने मणिपुर के जेडीयू अध्यक्ष को किया बर्खास्त

पटना (एजेंसी)। नीतिश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने मणिपुर के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन सिंह को पट से हटा दिया है। वीरेन सिंह ने मणिपुर सरकार में बीजेपी से जेडीयू का समर्थन वापस लेने का पत्र जारी किया था। इसी संबंध में पार्टी की ओर से यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि समर्थन वापसी के पत्र में जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा कि मणिपुर में पार्टी के 5 विधायक पहले ही बीजेपी में जा चुके थे। अभी जेडीयू का सिर्फ एक ही विधायक है, जो बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा नहीं है। वीरेन सिंह ने मणिपुर के राज्यपाल को समर्थन वापसी का पत्र भेजा। इसमें आगे कहा गया कि राज्य में फिलहाल जेडीयू के एकमात्र विधायक अब्दुल नासिर हैं, उन्हें सदन के अंदर विपक्षी सदस्य के तौर पर माना जाए। दूसरी ओर, मणिपुर प्रदेश अध्यक्ष को पद से हटाकर, नीतिश की ओर से अपने सहयोगी दल बीजेपी को यह संकेत देने की कोशिश की गई है कि मणिपुर में समर्थन वापसी का निर्णय उनके या पार्टी के आला नेताओं द्वारा नहीं लिया गया था। यह पूरी तरह प्रदेश नेतृत्व का फैसला था। जेडीयू के प्रवक्ता राजीव रंजन ने मंगलवार शाम में मीडिया से बातचीत में कहा कि मणिपुर में पार्टी को लेकर कुछ भ्रामक खबरें आई हैं। जेडीयू के मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को अनुशासनहीनता के आरोप में पद से मुक्त किया जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मणिपुर में पूर्व की तरह जेडीयू का एनडीए को समर्थन जारी रहेगा। राज्य की मजबूती के लिए जेडीयू ने जो पहले काम किया है, उसी तत्परता के साथ आगे भी काम करते रहेंगे। 60 विधानसभा सीटों वाले पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में साल 2022 में चुनाव हुए थे। उस दौरान जेडीयू ने 6 सीटें जीतकर सभी को चौंका दिया था। जब नीतिश कुमार 2022 में एनडीए छोड़कर गए थे, तब पांच विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे।

कहा-हम एनडीए के साथ, बीजेपी सरकार से वापस लिया था समर्थन

चार बदमाशों का एनकाउंटर करने वाले इंस्पेक्टर खुद हो गए शहीद

● शामली में गोली लगने से छलनी हो गया था लिवर, मेदांता में ली अंतिम सांस

मेरठ (एजेंसी)। यूपी एसटीएफ के इंस्पेक्टर सुनील कुमार बुधवार को शहीद हो गए। सोमवार (20 जनवरी) की रात सुनील कुमार और उनकी टीम ने शामली में कग्गा गैंग के 4 बदमाशों का एनकाउंटर किया था। मुठभेड़ में इंस्पेक्टर के पेट में दो गोली लगी थी। सुनील कुमार को गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में ले जाया गया, जहां सर्जरी की गई। दोनों गोलियां बाहर निकाल ली गईं। लेकिन गोली से उनका लिवर छलनी हो गया था। डॉक्टरों ने कहा था- गोली से लिवर डैमेज हो गया है। अगले 24 घंटे इंस्पेक्टर सुनील के लिए बेहद अहम हैं। कुछ भी हो सकता है। आखिरकार 36 घंटे जिंदगी-मौत से लड़ने के बाद इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने अंतिम सांस ली। एसपी शामली रामसेवक गौतम ने कहा कि इंस्पेक्टर की मौत की सूचना के

बाद एक टीम को गुरुग्राम भेजा गया है। इंस्पेक्टर सुनील मेरठ में इंचौली के मसूरी गांव के रहने वाले थे। 1 सितंबर, 1990 को यूपी पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती हुए थे। स्पेशल टास्क फोर्स का गठन होने के बाद उन्होंने 1997 में मानेसर, हरियाणा में कमांडो कोर्स किया। 1 जनवरी, 2009 को सुनील ने एसटीएफ जॉइन किया। 16 साल से वह एसटीएफ में ही थे।

पंजाब में बनने जा रहा है एक और अकाली दल

अमृतपाल की पार्टी के बाद अकाली दल के बागी नेता करेंगे खेला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। माघ मेले के दौरान खालिस्तानी विचारधारा वाले अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने नए दल का गठन किया था। अब राज्य में एक और नई पार्टी का गठन होने वाला है। यह नया दल शिरोमणि अकाली दल के बागी लीडर गुरपतवंत सिंह वडाला और उनके समर्थक

बनाने की तैयारी में हैं। वडाला ने कहा कि अकाली दल के बागी नेता जल्दी ही एक मीटिंग करेंगे और नए दल के गठन पर मंथन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम जल्दी ही सदस्यता अभियान भी शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि अकाली दल की ओर से अकाल तख्त की सलाह को भी माना नहीं जा रहा है। वडाला ने कहा कि हमें हैरानी है कि आखिर अकाल तख्त के जत्थेदार इस मसले पर क्यों चुप हैं। उन्होंने कहा कि हमें बहुत हैरानी है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस की सुप्रीम सुनवाई 29 को

● विक्टिम के माता-पिता ने याचिका में कहा-हम सीबीआई जांच से सहमत नहीं, दोबारा जांच कराएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 29 जनवरी तक के लिए टाल दी गई है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले को सुनेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को लेकर खुद संज्ञान लिया था। सुप्रीम कोर्ट ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता की याचिका पर भी सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे सीबीआई की जांच से सहमत नहीं है। उन्होंने केस की फिर से जांच कराने की मांग की थी। 2 दिन पहले पहले सेशंस कोर्ट ने संजय रॉय को दोषी करार देते हुए

उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने कहा कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं है, इसलिए फांसी की सजा नहीं दे सकते। सियालदह कोर्ट के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार हाईकोर्ट पहुंची। सरकार ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर फांसी की मांग की है।

बंगाल

E-paper : https://epaper.shamkijhalak.in
Website : shamkijhalak.in
हावड़ा, गुरूवार
23 जनवरी , 2025
शाम की झलक
02

पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉन बारला तृणमूल में होंगे शामिल

अलीपुरद्वार। अलीपुरद्वार से पूर्व भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉन बारला तृणमूल में शामिल हो रहे हैं। दिल्ली से बागडोगरा हवाईअड्डे पर बुधवार को उतरने के बाद जॉन बारला ने संकेतजनक टिप्पणी की है। जॉन बारला ने कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निमंत्रण पर सरकारी सेवा समारोह में उपस्थित रहूंगा। इसलिए अलीपुरद्वार लौट रहा हूं। वह राज्य के अभिभावक हैं, चाय बागानों सहित क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कर सकती हैं। जॉन बारला ने कहा कि कालचीनी की सुभाषिनी चाय बागान में गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मौजूदगी में आधिकारिक समारोह है। जिसमें में भी शामिल रहूंगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का आशीर्वाद मिला तो विकास कार्य करूंगा।

वहीं, बारला ने भाजपा छोड़ने के सवाल पर कहा कि जहां मुझे सम्मान नहीं मिलता, वहां रह कर क्या फायदा है। हमें धोखा दिया गया है, मेरे साथ विश्वासघात हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने तराई और डुआर्स के चाय बागानों के लिए कोई काम नहीं किया है।

बकाया वेतन की मांग में श्रमिकों का प्रदर्शन

अलीपुरद्वार। बकाया वेतन की मांग में बीरपाड़ा चाय बागान के श्रमिकों और कर्मचारियों ने बुधवार से काम करना बंद कर प्रदर्शन किया। जिले में मुख्यमंत्री की मौजूदगी से इस घटना से श्रम विभाग, प्रशासन और सत्ता पक्ष चिंतित हो गए है। सुबह मजदूरों और कर्मचारियों ने बीरपाड़ा के सहायक श्रमायुक्त कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

बागान सूत्रों के अनुसार, लगभग 1300 श्रमिकों का तीन माह से वेतन बकाया है। स्टाफ और सब-स्टाफ का दो माह का वेतन बकाया है। जिससे उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। श्रमिकों का आरोप है कि दो दिनों तक धरना देने के बाद भी सांसद, विधायक और मजदूर संगठन के बड़े नेताओं ने उनका कोई सुध नहीं लिया। बीरपाड़ा चाय बागान का स्वामित्व मैरिको टी कंपनी के पास है। बागान प्रबंधक अजय सिंह का कहना है कि पिछले साल के घाटे का कारण वेतन बकाया है। वहीं, बीरपाड़ा के सहायक श्रम आयुक्त अमित दास ने कहा कि श्रम विभाग बागान अधिकारियों के संपर्क में है।

प्रेमी ने प्रेमिका का हत्या कर झाड़ी में फेंका

अलीपुरद्वार। प्रेमी पर प्रेमिका का हत्या कर झाड़ी में फेंकने का आरोप लगा है। घटना से बुधवार को जिले के बंद दलसिंगपाड़ा चाय बागान में तनाव देखा गया। दोषी को सजा देने की मांग को लेकर स्थानीय निवासियों ने एशियन हाईवे-48 को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालांकि पुलिस व प्रशासन के आश्वासन पर तीन घंटे बाद प्रदर्शन शांत कर सड़क को जाममुक्त करा दिया गया। दरअसल, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मलंगी इलाके में हैं। मलंगी से 10 किमी दूर दलसिंगपाड़ा में ऐसी घटनाओं को लेकर हंगामा मचा हुआ है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, दलसिंगपाड़ा बागान की युवती का स्थानीय युवक के साथ प्रेम संबंध था। अचानक दोनों के रिश्ते में तनाव आ गया। आरोप है कि मंगलवार सुबह प्रेमी के बुलाने पर युवती घर से निकली थी, लेकिन फिर घर नहीं लौटी। युवती का कोई पता नहीं चलने पर परिवार के सदस्यों ने जयगांव पुलिस थाने से संपर्क किया। जिसके बाद पुलिस ने युवक को पकड़कर थाने ले आई। युवक से पूछताछ के बाद पुलिस ने देर रात चाय बागान की झाड़ी से युवती का शव बरामद कर लिया। परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी की हत्या उसके प्रेमी ने की है। पुलिस घटना की जांच शुरू कर दी है।

ममता बनर्जी की सख्ती के बाद तृणमूल नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप

मुर्शिदाबाद में थाने में शिकायत दर्ज

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सख्त चेतावनी के बाद मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस के दो पंचायत नेताओं के खिलाफ कटमनी लेने के आरोप में थाने में शिकायत दर्ज की गई। सोमवार को लालबाग में आयोजित प्रशासनिक बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की घोषणा के बाद, मंगलवार को दो ग्रामीणों ने रेजिनगर थाने में शिकायत दी।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि रेजिनगर के अंदुलबेड़िया-1 पंचायत क्षेत्र के निवासी महादेव दे ने शिकायत में आरोप लगाया कि बांग्ला आवास योजना के तहत मिले 60 हजार रुपये की पहली किश्त के बाद पंचायत प्रधान रबीन घोष ने उनसे 10 हजार रुपये की मांग की। महादेव के मुताबिक, उन्होंने जब पंचायत कार्यालय में प्रधान से मुलाकात की, तो उनसे यह रकम

मांगी गई। इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र के अन्य लोगों ने भी पंचायत पर कटमनी लेने का आरोप लगाया। महादेव ने कहा कि मुख्यमंत्री के सोमवार को दिए गए बयान से हमें हिम्मत मिली, और मैंने थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसी तरह, रांपाड़ा-1 पंचायत की मंगनपाड़ा क्षेत्र की निवासी आरती दास ने भी पंचायत सदस्य पर पहली किश्त के बाद 14 हजार 500 रुपये लेने और अगली किश्त में 15 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया।

आरती ने कहा कि हम गरीब लोग हैं। जो थोड़े पैसे सरकार से मिले, वे भी पंचायत के सदस्य मांग रहे हैं। इससे घर बनाना मुश्किल हो जाएगा। मैंने पुलिस से शिकायत की है, ताकि हमारा पैसा वापस मिले। पंचायत प्रधान रबीन घोष ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे भाजपा की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। एक भाजपा नेता ने महादेव से मेरे खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने अभी तक मुझसे कोई पूछताछ नहीं की है। रेजिनगर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों शिकायतें मिली हैं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कई मेट्रो सेवाएं रद्द होने से स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़, दमदम में महिला घायल

कोलकाता। कोलकाता मेट्रो सेवाएं बुधवार को बुरी तरह बाधित रहीं। कई मेट्रो रद्द होने के कारण स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। दमदम स्टेशन पर धक्का-मुक्की के दौरान एक महिला घायल हो गई।

दमदम स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने बताया कि दोपहर लगभग 12:45 बजे से कवि सुभाष से दमदम जाने वाली मेट्रो सेवाएं बाधित हो गईं। लगातार तीन मेट्रो स्टेशन पर नहीं पहुंचीं। हालांकि, मेट्रो प्रबंधन की ओर से इस समस्या को लेकर न तो कोई स्पष्ट जानकारी दी गई और न ही स्टेशनों पर कोई घोषणा हुई।

मेट्रो अधिकारियों ने दावा किया कि सेवाएं पूरी तरह बंद नहीं हुईं। मेट्रो के प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिणेश्वर स्टेशन से 12:40 बजे एक मेट्रो रेक रवाना होने वाली थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण वह स्टेशन से बाहर नहीं जा सकी। इसके बाद यात्रियों को दूसरी मेट्रो से 12:50 बजे रवाना किया गया। तकनीकी खराबी वाले रेक को मरम्मत के बाद सेवाओं में फिर से शामिल कर लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी तरह की हड़बड़ी या अफरा-तफरी नहीं हुई और सभी सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही थी।

हालांकि, यात्रियों का अनुभव इससे बिल्कुल अलग था। उन्होंने बताया कि तीन मेट्रो रद्द होने के बाद जब दमदम स्टेशन पर एक मेट्रो पहुंची, तो भीड़ इतनी ज्यादा थी कि कई लोग उसमें चढ़ ही नहीं सके।

आरजी करः

सीबीआई ने बंगाल सरकार की याचिका को दी चुनौती

कोलकाता। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले में फांसी की मांग वाली बंगाल सरकार की याचिका को सीबीआई ने कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

सीबीआई ने बुधवार को डिवीजन बेंच के सामने तर्क दिया कि इस मामले में राज्य सरकार अपील नहीं कर सकती। सीबीआई के वकील राजदीप मजूमदार ने कहा कि केवल सीबीआई या पीड़िता के परिवार को अपील करने का अधिकार है। यह मामला नौ अगस्त 2024 को सामने आया था, जब डॉक्टर का शव कॉलेज के सेमिनार हॉल से मिला था।

शुरुआती जांच कोलकाता पुलिस ने की थी। पांच दिन बाद हाई कोर्ट के आदेश पर जांच सीबीआई को सौंपी गई। 20 जनवरी को विशेष अदालत ने आरोपित संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि यह मामला सबसे दुर्लभ अपराध की श्रेणी में नहीं आता। राज्य सरकार ने इस फैसले को चुनौती देते हुए फांसी की सजा की मांग की है। सरकार के वकील किशोर दत्ता ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 377 और 378 के तहत अपील का अधिकार सरकार के पास है। डिवीजन बेंच इस याचिका की स्वीकार्यता पर 27 जनवरी को सुनवाई करेगा।

मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त, सलाइन विवाद में हाई कोर्ट पहुंचे डॉक्टर

कोलकाता। मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में सलाइन विवाद के चलते जूनियर डॉक्टरों द्वारा की गई आंशिक हड़ताल बुधवार को समाप्त हो गई। डॉक्टरों ने काम पर लौटने का निर्णय लिया, जबकि इसी विवाद को लेकर एक डॉक्टर ने कानूनी सुरक्षा की मांग करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में हाल ही में एक प्रसूता की मृत्यु और चार अन्य प्रसूताओं के बीमार पड़ने की घटना सामने आई थी। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू की और 13 डॉक्टरों को निलंबित कर दिया, जिनमें सात जूनियर डॉक्टर शामिल हैं। निलंबित डॉक्टरों में से एक, पल्लवी चटर्जी, जो सर्जरी विभाग की वरिष्ठ रेजिडेंट हैं, ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने दावा किया कि सलाइन की गुणवत्ता पर कोई जांच किए बिना डॉक्टरों पर दोष मढ़ा जा रहा है।

पल्लवी ने अपने बयान में कहा कि जहां सलाइन की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जा रहे हैं, वहां उसकी जांच के बिना डॉक्टरों को गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। यह पुलिस द्वारा जानबूझकर किया जा रहा है। इस मामले की सुनवाई सोमवार

को न्यायमूर्ति तीरथंकर घोष की अदालत में होने की संभावना है। निलंबन के खिलाफ डॉक्टरों के एक वर्ग ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी पत्र लिखा था। इसके अलावा, उन्होंने अस्पताल प्रशासन के माध्यम से स्वास्थ्य भवन को पत्र भेजा, जिसमें निष्पक्ष जांच की मांग की गई थी। बुधवार को जूनियर डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें प्रशासन से सकारात्मक आश्वासन मिला है, जिसके बाद उन्होंने अपना विरोध समाप्त कर दिया। डॉक्टर अब अपनी ड्यूटी पर वापस लौट चुके हैं।

इस मामले में सीआईडी जांच कर रही है। प्रसूता की मौत और चार अन्य के बीमार होने के पीछे सलाइन का संदिग्ध उपयोग मुख्य कारण बताया जा रहा है। इस मुद्दे ने स्वास्थ्य विभाग और डॉक्टरों के बीच तनाव का माहौल पैदा कर दिया है।

कोलकाता में फिर झुकी निर्माणाधीन बहुमंजिली इमारत

निवासियों में दहशत

कोलकाता। कोलकाता में बाघाजतिन के बाद अब टेंगरा इलाके में एक निर्माणाधीन बहुमंजिली इमारत झुक गई, जिससे आसपास के निवासियों में हड़कंप मच गया। घटना क्रिस्टोफर रोड की है, जहां कोलकाता नगर निगम के 58 नंबर वार्ड में यह निर्माणाधीन इमारत झुककर पास के मकान पर गिर गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पांच मंजिला यह इमारत पिछले साल एक प्रमोटिंग कंपनी ने बनाना शुरू किया था और अब लगभग पूरी हो चुकी थी। हालांकि, निर्माण कार्य के दौरान ही यह इमारत झुक गई। गनीमत यह रही कि इमारत में कोई निवासी नहीं था, केवल मजदूर ही काम कर रहे थे, जो सुरक्षित बताए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान नगर निगम के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया। इमारत को पड़ोसी मकानों से पर्याप्त दूरी पर बनाया

जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा, इलाके की मिट्टी का परीक्षण किए बिना इमारत निर्माण की अनुमति देना नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। नगर निगम के अधिकारियों ने घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत इंजीनियरों को मौके पर भेजा।

इंजीनियरों ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट बिल्डिंग विभाग को सौंपी। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद से हमने स्थिति पर नजर बनाए रखी है। रिपोर्ट में कुछ चिंताजनक बात सामने नहीं आई है, लेकिन इंजीनियर लगातार नजर रख रहे हैं।

राजाभातखावा जंगल में पर्यटकों से एंट्री शुल्क वसूलने पर ममता का सख्त निर्देशः कोई अतिरिक्त पैसा न लिया जाए

कोलकाता। डूआर्स के संरक्षित जंगलों में पर्यटकों से गाड़ी और व्यक्ति के आधार पर वसूले जा रहे शुल्क को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई है। बुधवार को अलीपुरद्वार में हुई प्रशासनिक बैठक में ममता ने स्पष्ट आदेश दिया कि राजाभातखावा जंगल समेत अन्य संरक्षित क्षेत्रों में पर्यटकों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। राजाभातखावा के जंगलों में प्रवेश के लिए पर्यटकों से प्रति गाड़ी और प्रति व्यक्ति 2500 रुपये तक की एंट्री फीस वसूली जा रही थी। इस मुद्दे को बैठक में विधायक सुमन कांजीलाल ने मुख्यमंत्री के सामने उठाया। उन्होंने बताया कि पर्यटकों को जंगल में गाड़ी लेकर प्रवेश करने के लिए मोटी रकम चुकानी पड़ती है। इस पर ममता बनर्जी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए पूछा, किसके आदेश पर यह पैसा लिया जा रहा है? यह फैसला किसने किया? वन विभाग के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि यह शुल्क मुख्य वन्यजीव वार्डन के निर्देश पर लिया जा रहा है और इसके लिए एक सूची भी तैयार की गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि पर्यटकों से अतिरिक्त पैसा क्यों लिया जा रहा है? क्या वन विभाग सरकार से अलग है? ममता बनर्जी ने तुरंत निर्देश देते हुए कहा, मैं अभी साफ कर रही हूं कि पर्यटकों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। उनके इस आदेश के बाद डूआर्स के संरक्षित जंगलों में पर्यटकों के लिए एंट्री मुफ्त कर दी गई है। डूआर्स क्षेत्र पश्चिम बंगाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। इस फैसले से पर्यटकों का आर्थिक बोझ कम होगा और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री का यह कदम पर्यटकों और स्थानीय पर्यटन व्यवसायियों के लिए राहत भरा साबित हो सकता है।

राशन घोटाला मामलाः

जमानत पर रिहा हुए देगंगा के तृणमूल नेता अनिसुर रहमान, अदालत ने लगाई शर्तें

कोलकाता। राशन घोटाला मामले में देगंगा के तृणमूल नेता अनिसुर रहमान को बुधवार को जमानत मिल गई। पिछले साल अगस्त में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिसुर और उनके भाई मुकुल रहमान उर्फ अलिफ नूर को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, इसी मामले में राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को भी जमानत दी गई थी। अनिसुर की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कुछ शर्तें लगाई हैं। अनिसुर को अपना पासपोर्ट अदालत में जमा करना होगा और जांच अधिकारी (आईओ) के बुलावे पर हर बार पेश होना पड़ेगा। इसके अलावा, वह बिना अनुमति के देश छोड़कर नहीं जा सकते और जांच से संबंधित किसी भी साक्ष्य को नष्ट नहीं कर सकते। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि अनिसुर को मामले की आगामी सुनवाइयों में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

2024 के अगस्त महीने में राशन घोटाले से जुड़े मामलों की जांच के दौरान ईडी ने उत्तर और दक्षिण 24 परगना के कई स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान देगंगा में अनिसुर के भाई अलिफ के घर और चावल मिलों पर भी कार्रवाई हुई थी। ईडी ने वहां से दो मोबाइल फोन, कई दस्तावेज और 13 लाख रुपये नकद जब्त किए थे। इसके बाद अनिसुर और अलिफ को पूछताछ के लिए सिजीओ कॉम्प्लेक्स बुलाया गया था, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। ईडी ने अदालत में दावा किया था कि अनिसुर और अलिफ, राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की संस्था को 10 लाख रुपये की राशि देते थे। ईडी ने ज्योतिप्रिय के अस्पताल में भर्ती होने के दौरान उनसे बरामद एक चिट्ठी को भी सबूत के तौर पर पेश किया था।

इस चिट्ठी में मुकुल नाम का उल्लेख था, जो अलिफ का दूसरा नाम है। हालांकि अनिसुर को जमानत मिल गई है, लेकिन उनके भाई मुकुल अभी भी जेल में हैं।

कूड़े के ढेर से लापता किशोर का रक्तरंजित शव बरामद

कोलकाता। चार दिनों से लापता एक किशोर का शव बुधवार सुबह टीटागढ़ के एक कूड़े के ढेर से बरामद किया गया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फ़ैल गई है। पुलिस ने इस घटना में संलिप्तता के संदेह में विनोद नामक एक व्यक्ति को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, रहड़ा थाना के बन्दीपुर लाल इटखोला निवासी अभय दास (10) शनिवार को रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। उसकी मां पूनम दास ने उसी रात पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज में किशोर को दो महिलाओं के साथ देखा गया। हालांकि, उन महिलाओं के चेहरे स्पष्ट नहीं थे। परिणामस्वरूप, उनकी पहचान नहीं हो सकी। अभय के ठिकाने की जांच जारी है। बुधवार सुबह रहड़ा थाना क्षेत्र के टीटागढ़ कूड़े के ढेर से एक किशोर का रक्तरंजित शव बरामद हुआ।

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन संपन्न

राज्यपाल ने समझाया...त्याग, ज्ञान, चरित्र, संस्कार और बड़ा दिल रखना ही राजनीति

पटना, एजेंसी। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने 85वें अखिल भारतीय पीठासीन पदाधिकारी सम्मेलन के समापन भाषण में पीठासीन अधिकारियों को ऋगवेद.., गीता.., राम.., आदि शंकराचार्य..., वैशाली.. का मर्म विस्तार से समझाया। अपने 27 मिनट के संबोधन में सतयुग से लेकर कलियुग तक के कई उद्धरणों, श्लोकों, मुहावरों से देश की सांस्कृतिक-राजनीतिक विरासतों की याद दिलाई। कहा- राजनीति का मतलब त्याग की क्षमता, ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा, उच्च संस्कार, उत्तम चरित्र के साथ-साथ सभी लोगों को समाने वाला दिल होना चाहिए। तभी आम आदमी का कल्याण होगा। धर्म व संविधान की व्याख्या की। कहा-स्वार्थ और आत्मसंग्रह के नहीं, लोक कल्याण और लोक संग्रह के लिए काम करना ही राजनीति है। स्वार्थ की पूर्ति के लिए मेहनत अज्ञानता है। भगवान राम ने लोक आराधना के लिए माता सीता के त्याग का अनुपम उदाहरण रखा है जो भारत का आदर्श है। राज्यपाल ने बताया कि प्राचीन 5 सभ्यताओं में ईरान वैभव, चीन विकास, तुर्की बहादुरी, रोम सौंदर्य से संबंधित है तो ज्ञान व प्रज्ञा संवर्द्धन भारत की संस्कृति है। लोकतांत्रिक गणराज्यों की उत्पत्ति वैशाली से हुई, जहां शासकों को जनता चुनती थी। आदि शंकराचार्य ने देश के चार भागों में चार मठों की स्थापना कर चारों वेदों से महावाक्य दिया, वह है...मानव की एकता।

संविधान निर्माण में बिहार की बड़ी भूमिका : देश की आजादी के बाद संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा, स्थायी अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, श्रीकृष्ण सिन्हा, दरभंगा महाराजा कामेश्वर सिंह, जगत नारायण लाल, जयपाल सिंह, बाबू जगजीवन राम, राम नारायण सिंह और ब्रजेश्वर प्रसाद ने संविधान निर्माण में बहुमूल्य योगदान दिया। सभी बिहार से थे। आज के पीठासीन पदाधिकारी लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा के संरक्षक हैं और उन पर महती जिम्मेदारी है।

हिंदी-अंग्रेजी में अनुवाद के बाद एक प्लेटफार्म पर लाए जाएंगे डिबेट: बिरला : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राज्य की विधानसभाओं के डिबेट हिंदी-इंग्लिश में अनुवाद करने के बाद एक प्लेटफार्म पर लाए जाएंगे। 1947 से लेकर अब तक संसद की सारी डिबेट देश की 22 मान्य भाषाओं में अनुवाद होंगे। राज्यों की विधानसभाओं के अंदर हम वन नेशन वन लेजिस्लेटिव प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ रहे हैं। पटना में लिए गए संकल्प आने वाले समय में संवैधानिक मूल्यों को सशक्त करेंगे। नई टेक्नोलॉजी का उपयोग करना, जनता की भागीदारी बढाना, विधायी संस्थाओं की उत्पादकता को बढ़ाने के संकल्प के साथ हम यहां से जा रहे हैं। प्रश्नकाल बाधित न हो इसके लिए क्या कड़े नियम बनेंगे? इसके उत्तर में बिरला ने कहा- नियोजित गतिरोध नहीं होना चाहिए। ये अच्छा नहीं है। सदन की बैठकों की घटती संख्या को रोकने की कार्ययोजना बनेगी। रिसर्च एंड रेफरेंस विंग का गठन होगा। हमने स्थानीय व शहरी निकायों, सहकारी व शिक्षण संस्थाओं तक संवैधानिक मूल्यों को पहुंचाने का अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

राज्यपाल ने 27 मिनट के धारा प्रवाह संबोधन में ऋग्वेद, गीता, राम, आदि शंकराचार्य..., के उदाहरणों से पॉलिटिकल कर्तव्यबोध का मर्म पीठासीन अधिकारियों को समझाया।

कहा- ।। यदि ह्यहं न वर्तेयं जातु कर्मण्यतन्द्रितः 7 मम वर्त्मानुवर्तन्ते मनुष्याः पार्थ सर्वशः।। धर्म : लोक में सभ्य जीवन जीने के लिए बनाए गए नियमों का पालन ही धर्म है।

त्याग : लोक आराधना के लिए भगवान राम ने माता सीता का त्याग किया, यही भारत का आदर्श।

संस्कृति : ज्ञान व प्रज्ञा संवर्द्धन भारत की संस्कृति है, गणराज्यों की उत्पत्ति वैशाली है।

संविधानः भारतीय संविधान कानूनी दस्तावेज नहीं, देश के आदर्शों और उद्देश्यों का प्रतीक है।

दायित्वः पीठासीन पदाधिकारियों पर लोकतांत्रित संस्थाओं की प्रतिष्ठा रखने की जिम्मेदारी है।

अर्थात... भगवान कृष्ण कहते हैं-यदि वह निष्क्रिय और आलसी हो जाते, तो सम्पूर्ण मानव जाति भी ऐसा ही करने लगती, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि वे हमेशा सक्रिय और कर्मशील बने रहें। श्रीमद् भागवत गीता, अध्याय-3, श्लोक-23

कर्म : राज्यपाल ने इस श्लोक से समझाया कि नेतृत्व और आदर्शवाद का बहुत बड़ा महत्व है, क्योंकि जब लोग अपने नेताओं का अनुसरण करते हैं, तो वे समाज को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

सम्मेलन में ये पांच संकल्प लिये गए

1. संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धांजलि।
2. संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप सदन का संचालन करने का संकल्प।
3. विधायी संस्थाओं में बाधा रहित एवं व्यवस्थित चर्चा, श्रेष्ठ संवाद का संकल्प।
4. संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर वर्ष भर अभियान व कार्यक्रम चलाने का संकल्प।
5. टेक्नॉलॉजी व एआई के उपयोग से प्रभावी सेवाएं सुनिश्चित करने का संकल्प।

हमारे कार्य संविधान के मूल्यों के अनुरूप हों : नंदकिशोर : विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि यह सम्मेलन निश्चित रूप से पीठासीन अधिकारियों को सदन की कार्यवाही को अधिक सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। हमें सुनिश्चित करना होगा कि हमारे कार्य संविधान के मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप हों।

सम्मेलन का एजेंडा था- 'संविधान की 75वीं वर्षगांठः संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने में संसद और राज्य विधान निकायों का योगदान'। इसमें 23 विधान निकायों के 41 पीठासीन अधिकारियों ने हिस्सा लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधानमंडल में नेवा सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। सम्मेलन में विस उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, विधान परिषद् के उप सभापति प्रो. रामवचन राय भी शामिल थे।

युवाओं और महिलाओं की अभिरुचि राजनीति में बढ़ी है : विजय सिन्हा : डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर आधुनिक काल तक के हमारे ऐतिहासिक कालखंडों की झलक चित्रों के रूप में उत्कीर्ण हैं। वैदिक सभ्यता में प्रजातंत्र, जनतंत्र और लोकतंत्र का उल्लेख मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

बीएयू की छात्रा का एनएएएस के स्कॉलरशिप के लिए चयन

भागलपुर, एजेंसी। बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के प्रथम वर्ष की छात्रा साक्षी कुमारी को नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस (एनएएएस) नई दिल्ली की तरफ से स्कॉलरशिप के लिए चुना गया है। उन्हें प्रतिष्ठित 'श्रीमती कनक अग्रवाल एनएएएस गर्ल्स स्कॉलरशिप के लिए चुना गया है। एनएएस और क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड, नई दिल्ली के सहयोग से स्कॉलरशिप दी जाती है। यह मासिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम कृषि शिक्षा में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम 2024-2025 शैक्षणिक सत्र से शुरू होगा। देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों और संस्थानों में कृषि स्नातक पाठ्यक्रमों में नामांकित मेधावी छात्राओं के लिए इस छात्रवृत्ति का मौका होता है। प्रत्येक बैच में 21 छात्रवृत्ति दी जाती है। यह छात्रवृत्ति महिला छात्रों को वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन प्रदान करती है। जिससे वे कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगी। इस सफलता पर कुलपति प्रो. दुनिया राम सिंह ने साक्षी को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रत्येक छात्रा के लिए उदाहरण पेश करेगी।

हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने पर सख्ती बरतें अधिकारी

दरभंगा, एजेंसी। समाहरणालय सभागार में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करने एवं यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। सांसद ने हेलमेट व सीट बेल्ट को लेकर सख्ती का पालन करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। पथ निर्माण विभाग को शहर की सभी सड़कों के किनारे उजली पट्टी लगाने तथा डिवाइडर को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। बताया गया कि सड़क किनारे साइनेज की संख्या बढ़ाई गई है, ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये हैं। एनएचएआई के अभियंता ने बताया कि दिल्ली लाईन होटल, शोभन चौक, सिमरी चौक, जीवछ घाट आदि जगहों पर अधिक दुर्घटना होती हैं। सांसद ने पदाधिकारियों से शहरी क्षेत्र में शिवधारा, बेला, बाघ मोड़ जैसे भारी ट्रैफिक वाली जगहों पर सतर्कता बरतने का निर्देश देते हुए कहा कि महिंद्रा एजेंसी से एनएच-57 पर बंद पड़े अंडरपास को चालू करने से यात्रा को सुरक्षित रखा जा सकता है। बैठक के बाद सांसद के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने तीन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सांसद ने कहा कि परिवहन विभाग जिले की हर पंचायत में लोगों के बीच जागरूकता संदेश फैलाए। निजी तथा सरकारी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया। शहर से गुजरने वाली सड़कों के जंक्शन पॉइंट पर आवश्यकतानुसार संकेतक, साइनेज लगवाने का निर्देश दिया। नगर विधायक संजय सरावगी ने बताया कि शिवधारा चौक, बाजार समिति के पास दुर्घटना की आशंका रहती है। उन्होंने फ्लाईओवर एवं ट्रैफिक पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति का सुझाव दिया। बैठक में राज्यसभा सांसद डॉ. धर्मशीला गुप्ता, अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था राकेश रंजन, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन सलीम अख्तर, जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीप्रकाश, सदर एसडीओ विकास कुमार, सदर एसडीपीओ अमित कुमार एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ऑटो ने बालक को रौंदा, मौत :पिता के साथ कबाड़ी चुनने जा रहा था, आरा में अस्पताल लाने के दौरान हुई मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा-पटना नेशनल हाईवे पर जिले के गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर गांव स्थित ब्रह्म बाबा के समीप मंगलवार को ऑटो ने पिता के साथ पैदल जा रहे बालक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृत बालक टाउन थाना क्षेत्र के धनपुरा गांव निवासी तिरंगा मुसहर का 10 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार है। इधर मृत बालक के पिता तिरंगा मुसहर ने बताया कि वह अपने बेटे के साथ कायमनगर बाजार में कचरा चुनने के लिए जा रहा था।

45 दिनों का मेगा ब्लॉक, 4 पैसेंजर रद्द, कई ट्रेनें डायवर्ट; पटना-गया रूट के यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

पटना, एजेंसी। दानापुर रेल मंडल का प्रमुख पटना - गया रेलखंड में चलने वाले यात्रियों की परेशानी एक बार फिर बढ़ गई है। गया जंक्शन पर प्लेटफार्म के विस्तारीकरण कार्य को लेकर मंगलवार 21 जनवरी से 6 मार्च तक मेगा ब्लॉक को लेकर पटना - गया रेलखंड में संचालित होने वाली चार मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा मंगलवार से 8 मेमू सवारी गाड़ी पटना से चाकन्द स्टेशन तक ही संचालित हो रही है। इस वजह से गया जाने वाले और गया से मखदुमपुर, टेहटा, जहानाबाद होते पटना जाने वाले लोगों की परेशानी फिर से शुरू हो गई है।

इसके अलावा बुद्ध पूर्णिमा, इंटरसिटी और पटना - सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन रूट बदलकर किया जा रहा है। पटना- गया के बीच चलने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस, पलामू एक्सप्रेस, सिंगरौली एक्सप्रेस, हटिया पटना एक्सप्रेस, सुपर एक्सप्रेस ट्रेन के कोच कम कर दिए गए हैं। इन सभी वजह से रेल खंड में रोजाना तकरीबन 10 हजार की संख्या में सफर करने वाले यात्रियों को बेहद कठिनाई झेलनी पड़ रही है। रेलवे के अनुसार 6 मार्च तक यह परेशानी बरकरार रहेगी।

इन ट्रेनों का परिचालन किया गया है रद्द : रेलवे द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार मेगा ब्लॉक के कारण पटना - गया रेलखंड के अप और डाउन लाइन पर चलने वाली 63242, 63244, 53213 और 53214 पैसेंजर ट्रेनों को पूर्ण रूप से रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा उक्त रेल खंड में अप और डाउन लाइन पर 63243, 63247, 63248, 63249, 63250, 6325, 63254 और 63256 पैसेंजर ट्रेन का परिचालन पटना और चाकन्द स्टेशन के बीच ही होगा। ऐसी स्थिति में गया से पटना की ओर आने वाले यात्रियों को सड़क मार्ग से चाकन्द स्टेशन तक आना होगा या फिर पटना से गया की ओर जाने वाले यात्रियों को चाकन्द स्टेशन से उतरने के बाद अतिरिक्त किराया देकर और परेशानी झेलते हुए गया शहर तक जाना पड़ेगा।

ट्रेनों की बोगियां कम हुई, जान का खतरा बढ़ा : पटना - गया रेलखंड में संचालित हो रही एक्सप्रेस के अलावे पैसेंजर ट्रेनों के कोच कम कर दिए गए हैं। कई ट्रेनों के मार्ग भी बदल दिए गए हैं। कोच कम रहने की वजह से ट्रेनों में भारी भीड़ रह रही है। यात्रियों के संकट बढ़ गए हैं। लोग ट्रेन के पावदान और गेट पर लटक कर सफर करने पर विवश हैं।

2005 के पहले बिहार का बुरा हाल था, अब हिंदू व मुस्लिम में कोई विवाद नहीं है, हमने हालात बदले: सीएम

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में 2005 के पहले अक्सर हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़े की खबरें आती थीं। हमने हालात बदले। अब हिंदू-मुस्लिम के बीच कोई विवाद नहीं है। शांति-सौहार्द्र का माहौल है। अब तक 8 हजार कब्रिस्तानों की घेराबंदी हुई। बाकी की हो रही है। मंदिरों की भी बाउंड्री बनी। और बन रही है। मुख्यमंत्री, मंगलवार को अपनी 'प्रगति यात्रा' के दौरान किशनगंज में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा- हमने 'जीविका' शुरू कराई। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। उनका पहनावा और बोलचाल भी बहुत अच्छा हुआ है। बाद में केंद्र सरकार ने इसे 'आजीविका' नाम से देश भर में लागू किया। नीतीश ने कहा- 2005 से पहले लोग अपने घर से बाहर निकलने में डरते थे। अब कहीं खौफ नहीं है।

अपने कार्यों की चर्चा के क्रम मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क, पुल-पुलिया, साइकिल-पोशाक योजना, नए मेडिकल कॉलेज, हर घर नल का जल, हर घर पक्की गली नाली, शौचालय से लेकर महिलाओं को पंचायत, नगर निकाय, पुलिस, नौकरी में दिए गए आरक्षण आदि की व्यापक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा-अब तक 9 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी गई। 24 लाख लोगों को रोजगार मिला। इस साल तक कुल 12 लाख को नौकरी तथा 34 लाख को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कोचाधामन अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के बच्चों से बातचीत की। समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री विजय कुमार चौधरी, जमां खान, नीरज कुमार सिंह, जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, सचिव कुमार रवि आदि मौजूद थे। मुख्य सचिव व डीजीपी विनय कुमार वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े थे।

प्रस्तावित योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया: मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित योजनाओं का निरीक्षण किया। योजनाओं के लाभुकों को चेक, चाबी, प्रमाणपत्र आदि दिए। ठाकुरगंज में विकास कार्यों को देखा। हालामाला ग्राम पंचायत में आदर्श ग्राम पंचायत के मॉडल को देखा। गोवर्द्धन प्लांट तथा महेशबथना में जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा सह प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया।

प्रमुख घोषणाएं

किशनगंज-ठाकुरगंज रोड में महानंदा नदी पर पुल बनेगा।

किशनगंज एवं पोठिया प्रखंड में प्रखंड-अंचल कार्यालय का नया भवन बनेगा।

ठाकुरगंज बाइपास (कटहलडांगी से धर्मकांटा चौक) बनेगा

रमजान नदी का गाद निकलेगा, इसका सौंदर्यीकरण होगा।

कनकई नदी पर असुरा घाट व निसंद्रा घाट के बीच पुल बनेगा।

लौचा व किशनगंज में पावर सब स्टेशन बनेगा।

किशनगंज-बहादुरगंज के बीच एनएच 27 व 327 ई. 4 लेन से जुड़ेगा। केंद्र ने यह फैसला किया है।

घटिया निर्माण का विरोध करने पर इंजीनियर की हत्या

सीवान, एजेंसी। हरियाणा में सीवान के एक इंजीनियर की हत्या करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार पचरुखी थाना क्षेत्र के भेखपुरवा निवासी अमन कुमार यादव की मौत 17 जनवरी की देर रात संदिग्ध स्थिति में हो गई थी। इसके बाद परिजन शनिवार को हरियाणा पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तार को लेकर स्थानीय थाना में मामला दर्ज कराया। सोमवार को पैतृक गांव भेखपुरवा में अमन का अंतिम संस्कार किया गया।

मंगलवार को परिजनों ने हत्या का आरोपी लगाते हुए हरियाणा समेत सीवान के पुलिस और जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। परिजनों का आरोप है कि अमन ने घटिया निर्माण कार्य करने का विरोध किया था। इसको लेकर ठेकेदार ने उसकी हत्या कर दी। फिलहाल हरियाणा में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। उससे पूछताछ के बाद और जानकारी मिल सकती है।

अमन ने वीडियो कॉल पर जान को खतरा होने की बात बताई थी : अमन के पिता विनोद यादव शिक्षक है। उन्होंने घटना को लेकर कहा कि अमन ने कई बार वीडियो कॉल पर अपनी जान को खतरा होने की बात बताई थी। वह एक महीने पहले ही वहां काम करने गया था। इससे पहले वह भोपाल में रहकर काम करता था। इसी महीने की 7 तारिख को उसने 3 और लोगों को काम पर रखवाया था। उन्होंने आगे कहा कि ठेकेदार लगातार अमन पर घटिया काम करवाने का दबाव बना रहा था। इसका वह विरोध कर रहा था। इसी को लेकर साजिश के तहत ठेकेदार ने पहले अमन को 17 जनवरी की रात में पार्टी के लिए बुलाया। वहां से अन्य सहयोगियों को हटाकर अमन को अकेले में ले गया और उसकी हत्या कर दी। इसके बाद हत्या को दुर्घटना दिखाने के लिए शव को लगभग 8-10 फीट ऊंची छत से नीचे फेंक दिया गया।

पुलिस ने पहले शिकायत लेने से किया मना दबाव बनाने पर आरोपी को पकड़ा :

मामले को लेकर मृतक के छोटे भाई सौरभ कुमार ने कहा कि वह 18 जनवरी की रात करीब 8 बजे हरियाणा पहुंचा। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि उसके भाई की मौत हो चुकी है। इसके बाद वह शिकायत के लिए पुलिस के पास गया। पुलिस ने पहले प्राथमिकी दर्ज करने से मना कर दिया फिर काफी दबाव डालने पर प्राथमिक दर्ज की गई। वहीं पर पैसे लेकर मामले को दबाने के लिए बोला गया। समझौता नहीं करने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

धर्मेंद्र हत्याकांड में एक गिरफ्तार:पकड़े गए आरोपित पर हत्या

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के कोईलवर थाना क्षेत्र अन्तर्गत कुल्हड़िया रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) पर रविवार की सरेशाम घटित पटना के बिहटा थाना क्षेत्र के डुमरी गांव निवासी युवक धर्मेन्द्र कुमार की हत्या के मामले में पुलिस ने एक सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तारी कैमूर के मोहनिया क्षेत्र से हो सकी है। पकड़ा गया प्रकाश महतो उर्फ ओम प्रकाश कुमार आरा टाउन थाना क्षेत्र के इब्राहिमनगर मोहल्ला का निवासी है। पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है।

वर्ष 2018 में उसके विरुद्ध हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स के दो मामले मिले हैं ?जो टाउन थाना से जुड़ा है एसपी राज ने बताया कि अभी तक की जांच में जेल से षड्यंत्र रचे जाने की बात सामने आ रही है। पकड़ा गया आरोपित भी षड्यंत्र में संलिप्त रहा है। गिरफ्तार आरोपित का एक भाई गोरख महतो पहले से मिथलेश पासवान हत्याकांड में आरा जेल में बंद है। दूसरा भाई करिया महतो जेल से जमानत पर छूटा है। अनुसंधान में सभी की संलिप्तता की बात सामने आ रही है। शुरूआती जांच में शोध-प्रतिशोध एवं धमकी दिए जाने के परिणाम स्वरूप हत्या की घटना को अंजाम दिए जाने की बात सामने आ रही है। इब्राहिमनगर निवासी जेल में बंद गोरख महतो का भाई प्रकाश महतो उर्फ ओम प्रकाश कुमार धरहरा मठिया के पास सिमेंट-छड़ की दुकान चलाया करता था। 18 जनवरी 2025 को उसने टाउन थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि बाइक सवार तीन नामजद आरोपितों ने दुकान पर आकर हत्या करने की नीयत से फायरिंग की है।

प्राथमिकी में जिन तीन आरोपितों का नाम दिया गया था,उसमें मारे गए धर्मेन्द्र राय के एक भाई ओमप्रकाश को भी आरोपित किया गया था। उसी बदले के प्रतिशोध में धर्मेन्द्र की हत्या षड्यंत्र के तहत कारित करवाए जाने की बात सामने आ रही है। धर्मेन्द्र का करीबी संबंध पिछले साल मारे गए हिस्ट्रीशीटर मिथलेश पासवान ग्रुप से होने की बात सामने आ रही है। इस कांड में दूसरे ग्रुप के सदस्य जेल में बंद है।

मृतक 22 वर्षीय धर्मेन्द्र राय मूल रूप से पटना जिले के बिहटा थाना के डुमरी गांव निवासी राम अयोध्या राय के पुत्र थे। रविवार की शाम धर्मेन्द्र को कुल्हड़िया रेलवे ओवरब्रिज पर तब गोली मारी गई थी, जब वे कोईलवर के सकड्डी गांव स्थित अपने मामा घर से वापस बिहटा थाना क्षेत्र के डुमरी गांव लौट रहे थे। इसे लेकर पुलिस मृतक के दूसरे भाई राजकुमार के बयान पर प्राथमिकी कर अनुसंधान कर रही है।

विशाखापत्तनम से राजगीर पहुंची भारतीय नौसेना की बाइक रैली

नालंदा विश्वविद्यालय कैंपस में मैरीटाइम अवेयरनेस ड्राइव प्रोग्राम आयोजित, किया गया जागरूक

नालंदा, एजेंसी। बजाज ऑटो और भारतीय सशस्त्र बलों के साथ साझेदारी में विशाखापत्तनम से अयोध्या तक 13 दिवसीय बाइक रैली डेयर-2 मंगलवार को राजगीर नालंदा विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान रैली में शामिल लोग नालंदा विश्वविद्यालय कैंपस में मैरीटाइम अवेयरनेस ड्राइव सह इंटरेक्शन विथ स्टूडेंट प्रोग्राम में शामिल हुए। कार्यक्रम में नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अभय कुमार सिंह, नालंदा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. आर पी सिंह परिहार, कमांडर अरविंद कृष्णनन, लेफ्टिनेंट विशाल प्रताप सिंह, लेफ्टिनेंट मोहित कुमार समेत कई

शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। अवेयरनेस ड्राइव में भारतीय नौसेना में करियर को लेकर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।

रैली में पल्सर एनएस 400 जेड की गतिशीलता से लैस, भारतीय नौसेना के 15 निडर सवार 1649 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। यह रैली विशाखापत्तनम से आईएनएस चिल्का, भुवनेश्वर, जमशेदपुर, रांची, राजगीर और वाराणसी से होकर गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी, 2025 को अयोध्या में डोगरा रेजिमेंट में समाप्त होगी, जो 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एकता को मजबूत करने और 'साहसी' भावना को बनाए रखने में सशस्त्र बल की भूमिका को रेखांकित करेगी।

इससे पूर्व इस रैली (डेयर 2) को वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, एवीएसएम, एनएम, चीफ ऑफ स्टाफ, पूर्वी नौसेना कमान ने विशाखापत्तनम में पूर्वी बेड़े के मुख्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली सशस्त्र बलों को स्थानीय समुदायों से जुड़ने का मौका देती है, ताकि भारतीय नौसेना के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और युवाओं को सर्वोच्च सम्मान के साथ अपने देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया जा सके। इस सहयोग के बारे में बात करते हुए, बजाज ऑटो लिमिटेड के मार्केटिंग अध्यक्ष सुमित नारंग ने कहा, 'हम भारतीय नौसेना के साथ हाथ मिलाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जिसका प्रतिनिधित्व अंतिम विध्वंसक-आईएनएस रणविजय द्वारा किया जाता है, ताकि 'डेयर2' मोटरसाइकिल रैली में भाग लिया जा सके। इस पहल को समय की मांग बताते हुए पूर्वी नौसेना कमान के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना, एवीएसएम, एनएम ने कहा, 'डेयर 2' युवा भारतीयों में सशस्त्र बलों के प्रति जुनून जगाने का एक संयुक्त प्रयास है और हम दोनों सशस्त्र बलों और पल्सर एनएस400जेड की 'साहसिक' भावना का जश्न मनाने के लिए इस 13 दिवसीय रैली में बजाज ऑटो लिमिटेड के साथ भागीदारी करके रोमांचित हैं। हम बजाज ऑटो लिमिटेड को उनकी कुशल भागीदारी और देशभक्ति और एकता के संदेश को फैलाने में मदद करने के लिए धन्यवाद देते हैं।'

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में फरियाद लेकर पहुंचे लोग

एसपी ने घरेलू हिंसा और जमीन विवाद के पीड़ितों की सुनी समस्या

रामगढ़। झारखंड के डीजीपी के निर्देश पर रामगढ़ जिले में तीसरी बार जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बुधवार को छावनी फुटबॉल मैदान में आयोजित इस कैंप में एसपी अजय कुमार ने घरेलू हिंसा के पीड़ितों और जमीन विवाद से परेशान लोगों की समस्या सुनी। उन्होंने तत्काल संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को पहल करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू हिंसा के पीड़ितों को तत्काल राहत मिलेगी। पुलिस उनके घर जाएगी और प्रताड़ित करने वालों पर शिकंजा कसेगी।

सीओ से वार्ता कर निबटेगा भूमि विवाद – इसके अलावा जमीन विवाद का निपटारा अंचल अधिकारियों के साथ वार्ता कर किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि इस कैंप में डालसा के साथ-साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी और अस्पताल की टीम भी मौजूद है। सभी थाना और ओपी प्रभारी को कैंप में शामिल किया गया है। जिस क्षेत्र की समस्या हो तत्काल उस क्षेत्र के पदाधिकारी से ही उसका निपटारा कराया जाना है, ताकि जनता को तत्काल राहत मिल सके।

समस्या समाधान कार्यक्रम में फरियाद लेकर पहुंचे लोग – रामगढ़ जिले में तीन बार जन समस्या समाधान कार्यक्रम का आयोजन हो चुका है। पहली बार 10 सितंबर 2024 को कार्यक्रम हुआ था, जिसमें 193 मामले आए थे। इनमें से 180 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है।

दूसरी बार 18 दिसंबर 2024 को कैंप लगाया गया, जिसमें कुल 106 मामले आए थे। इनमें से 101 मामलों का निष्पादन हो चुका है। तकनीकी कारणों और दूसरे विभागों से जुड़े होने के कारण शेष मामलों का निष्पादन नहीं हो सका।

53 में से 11 मामलों का ऑन द स्पॉट हुआ निष्पादन – बुधवार को कुल 53 मामले दर्ज किए गए। एसपी अजय कुमार ने सभी स्टॉल में घूम कर डीएसपी और थाना प्रभारी को निर्देश दिया। उन्होंने ऑन द स्पॉट 11 मामलों का निष्पादन कर दिया। शेष मामलों का निष्पादन जल्द ही करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही संबंधित पदाधिकारी प्रतिवेदन एसपी को प्रस्तुत करेंगे।

डीटीओ ने चलाया जांच अभियान, 297 लाख का ठोका जुर्माना

रामगढ़। जिले में परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर बुधवार को डीटीओ मनीषा वत्स ने ओवरलोडिंग परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जांच अभियान चलाया। विभिन्न चौक चौराहों पर चलाए गए सघन वाहन जांच अभियान में 297 लाख रुपए का जुमार्ना गाड़ियों पर ठोका गया है।

डीटीओ ने भारी मालवाहक वाहनों व अन्य वाहनों का आरसी बुक, फिटनेस, प्रदूषण एवं ड्राइविंग लाइसेंस, ओवरलोडिंग की जांच की। इस दौरान वाहनों पर लगाए जाने वाले रिफ्लेक्टिव टेप की भी जांच की गई।

14 वाहनों के अधूरे पाए गए कागजात - जांच के दौरान कुल 20 से 25 बड़े वाहनों की जांच की गई। जिसमें 14 वाहनों के कागजात अधूरे पाए गए। उन सभी वाहनों के वाहन चालकों से नियम संगत जुमार्ना की वसूली की गई। जिसमें लगभग कुल 297507 रुपया जुमार्ना वसूल किया गया। उन्होंने बताया की जांच के दौरान 14 बड़ी वाहनों का पेपर फेल, फिटनेस, टैक्स फेल, ओवरलोड, ओवरहाइट एवं रिफ्लेक्टिव टेप नही लगा होने के कारण लगभग 297507 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। चलाया गया सड़क सुरक्षा अभियान - जांच अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा जिले के अलग-अलग क्षेत्र में चार पहिया व दो पहिया वाहनों की भी जांच की गई। जांच के दौरान हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, ट्रिपल लोडिंग आदि की भी जांच की गई। मौके पर उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील भी किया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने ना देन। जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है वह वाहन चलाते समय सेफ्टी रूल का अनुपालन जरूर करें।

रामगढ़ में गणतंत्र दिवस पर 16 विभागों के द्वारा निकाली जाएगी झांकी

कार्यक्षेत्र से हटकर विकास कार्य में शामिल संस्था और व्यक्ति होंगे सम्मानित

रामगढ़। जिले में 76वें गणतंत्र दिवस की तैयारी पूरी कर ली गई है। बुधवार को डीसी चंदन कुमार ने तैयारी के मद्देनजर अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान यह स्पष्ट हो गया कि गणतंत्र दिवस पर सिद्धो कान्हो मैदान में आयोजित कार्यक्रम में 16 विभागों के द्वारा झांकी निकाली जाएगी। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, जिला कल्याण विभाग, वन प्रमंडल रामगढ़, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़, जिला खनन विभाग, टिस्को वेस्ट बोकारो, जेएसएलपीएस, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला पंचायती राज कार्यालय, जिला कृषि कार्यालय, नगर परिषद कार्यालय एवं पर्यटन विभाग द्वारा झांकी निकाली जाएगी।

कार्यक्षेत्र से हटकर विकास कार्य में शामिल लोग होंगे सम्मानित- गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रशासन द्वारा रामगढ़ जिला अंतर्गत वैसे लोगों को सम्मानित किया जाएगा जो कार्य क्षेत्र से हटकर विकास कार्य में शामिल हैं। डीसी ने बताया कि कई ऐसी संस्थाएं हैं जिन्होंने अपने कार्य क्षेत्र से हटकर विकास के लिए अथवा कोई सराहनीय कार्य किया है। उन्हें रामगढ़ गणतंत्र दिवस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

आकर्षक तरीके से सजाया जाएगा कार्यक्रम स्थल - गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम के आयोजन हेतु अंतिम अभ्यास 24 जनवरी को संपन्न होगा। डीसी ने सिविल सर्जन को कार्यक्रम के दौरान मैदान में एंबुलेंस एवं चिकित्सा दल की प्रतिनियुक्ति करते हुए किसी भी स्वास्थ्य इमरजेंसी के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया।गणतंत्र दिवस के अवसर पर मैदान के सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई, जमीन समतलीकरण व अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में उपायुक्त ने नजारत उप समाहर्ता सहित अन्य अधिकारियों को आपस में समन्वय करते हुए कार्य संपन्न कराने का निर्देश दिया।

शराब की दुकान रहेगी बंद - गणतंत्र दिवस के अवसर पर 25 जनवरी रात्रि 10:00 बजे से 26 जनवरी रात्रि 12:00 बजे तक जिले के सभी मधशालाओ एवं बधशालाओं को बंद रखने का निर्देश दिया गया है।

झंडोत्तोलन के लिए निर्धारित हुआ समय - गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह स्थानीय सिदो-कान्हू मैदान में पूर्वाह्न 9:05 बजे से शुरू होगा। डीसी कार्यालय में प्रातः 10:45 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रातः 10:50 बजे, उप विकास आयुक्त कार्यालय में प्रातः 10:55 बजे, अनुमंडल कार्यालय में प्रातः 11:10 बजे , अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में प्रातः 11:15 बजे एवं पुलिस लाईन रामगढ़ में प्रातः 11:30 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा।

हैप डेली अरुण आइसक्रीमस कॉर्नर का शुभारंभ

रामगढ़। शहर के रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ के निकट बुधवार को हैप डेली अरुण आइसक्रीमस कॉर्नर का शुभारंभ किया गया। इसका विधिवत उद्घाटन गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी बाबा गुरजीत सिंह ने अरदास करवा कर किया। इसके उपरांत भाजपा नेत्री इलारानी पाठक, बलजीत कौर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर संचालक हरमीत सिंह कालरा और कीर्ति गौरव ने बताया कि गुणवत्ता के मामले में यह आइसक्रीम अन्य आइसक्रीम से बेहतर है। इस अवसर पर प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मनपाल सिंह, तेजिंदर सिंह सोनी, रविंद्र सिंह, अनिल गोयल, हरजाप सिंह, जितेंद्र पवार, बलविंदर सिंह पवार, राजू कालरा, जसमीत कौर सोनी, रिंकल कालरा सहित कई लोग उपस्थित थे।

श्री अग्रसेन स्कूल में मना राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह

भुरकुंडा। पटेलनगर स्थित श्री अग्रसेन स्कूल में बुधवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विद्यालय परिवार ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का सामुहिक संकल्प लिया। वहीं बच्चों ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पेंटिंग, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भी भाग लिया। बच्चों को सड़क पर सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानियां और दुर्घटना के कारणों की जानकारी दी गई। मौके पर प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण सड़क पर लापरवाही व यातायात नियमों की अवहेलना है। बच्चों में बचपन से जो संस्कार के बीज रोपे जाते हैं, वह जीवन भर काम आते हैं। इसलिए बच्चों में सड़क पर सुरक्षित व्यवहार का संस्कार शुरू से भरने की जरूरत है। बच्चे अगर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक होंगे तो वह अपने अभिभावकों को भी नियमों के प्रति प्रेरित करेंगे। एचके सिंह ने कहा कि हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि सड़क दुर्घटना को नियंत्रित करने के लिए नियमों का पालन करें। नियमों का अनुपालन किसी दण्ड के भय से नहीं, बल्कि स्वयं की सुरक्षा और दायित्व के ख्याल से करना चाहिए।

दो दिवसीय श्री रानी सती दादी मंदिर का 14वां वार्षिक स्थापना महोत्सव आज

रामगढ़। श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री रानी सती दादी मंदिर का 2 दिवसीय 14 वां वार्षिक स्थापना महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर दादी जी का दरबार को रंग बिरंगे विदेशी खुशबूदार फूलों से श्रृंगार और पूरे मंदिर परिसर आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। उक्त बातें की जानकारी बुधवार को ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिन 23 जनवरी गुरुवार को 2 बजे से दादी मंदिर में मेहंदी उत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सभी सदस्य मीठे मीठे भजनों के बीच दादी जी के हाथों में मेहंदी लगाएंगे। वही, 2:30 बजे से गणेश पूजन के साथ दादी जी का मंगल पाठ प्रारंभ होगा। दादी जी का मंगल पाठ श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सदस्यों द्वारा बड़े ही भक्ति भाव से किया जाएगा। वही, 24 जनवरी शुक्रवार को सुबह 10:30 बजे से गणेश पूजन होगा। इसके पश्चात सुंदरकांड पाठ प्रारंभ होगा। सुंदरकांड का पाठ करने के लिए बालाजी महाराज के प्रिय भक्त एवं रांची के प्रसिद्ध पाठ वाचक सुरेश बजाज को आमंत्रित किया गया है, जो अपने मीठे मीठे भजनों के बीच पवनसुत

हनुमान का सुंदरकांड पाठ करेंगे। दादीजी को छप्पन भोग एवं सवामणी प्रसाद का भोग भी लगाया जाएगा। वही, संध्या में महा आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ 14 वां वार्षिक स्थापना महोत्सव का समापन होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट एवं श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सभी सदस्य लगे हुए हैं। श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट ने सभी दादी भक्तों से निवेदन किया है कि महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में सपरिवार शामिल होकर दादी जी का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करें।

रेलवे हम रनिंग स्टाफ के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है:रवि रंजन

बरकाकाना। अलारसा केंद्रीय कमेटी के आह्वान पर बरकाकाना क्रू लॉबी के समक्ष टी ए के सापेक्ष 25 प्रतिशत रनिंग आलउंस में रेलवे द्वारा वृद्धि से इनकार के विरुद्ध एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन बुधवार को किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अलारसा के मंडल संयुक्त सचिव रवि रंजन नें कहा कि रेलवे हम रनिंग स्टाफ के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है जहा 50 प्रतिशत डी ए में वृद्धि के साथ ही दूसरे विभागों के कर्मचारियों का टी ए में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गयी जबकि रनिंग स्टाफ के रनिंग अलाउंस में कोई वृद्धि नहीं की गयी इस कारण समस्त रनिंग स्टाफ में काफी रोष व्याप्त है। 22 जनवरी पुरे भारतीय रेलवे के सभी लॉबी में हजारों हजार की संख्या में रेलवे के इस निर्णय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

जिसमे लोको पायलट, सहायक लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर शामिल रहें हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ऑल इण्डिया गार्ड कौंसिल के शाखा सचिव सुमित कुमार नें कहा कि रेलवे हम रनिंग स्टाफ के साथ अन्याय कर रहा है, अगर हमारा माइलेज रेट नहीं बढ़ा तो हम अलारसा के साथ संयुक्त रूप से आगे भी संघर्ष को तैयार है आज ए आई जी सी नें इस कार्यक्रम का पूर्ण समर्थन किया है मांगे नहीं माने जाने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

जरुरत पड़ी तो हम रेल परिचालन भी बंद करने को बाध्य होंगे। इस विरोध प्रदर्शन को ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लांईज यूनियन नें भी पूर्ण समर्थन दिया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गार्ड कौंसिल के कोषाध्यक्ष मुरलीधर वर्मा के अलावा सूरज कुमार, डी के शर्मा, मनंजय कुमार, हरेंद्र कुमार, प्रभाकर, पी के सिंह, आर आर प्रसाद, प्रभु कुमार, चन्दन कुमार, अरुण कुमार, मिथुन कुमार, के के नायक, पी के दास, विक्रम कुमार, पंकज, डी के पाल, सोनू कुमार, अमन ठाकुर, ओमान बागे मौजूद थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के 10 वर्ष पूर्ण, डीसी ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

रामगढ़। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के 10 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस मौके पर बुधवार को डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में जिला समाहरणालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डीसी द्वारा अधिकारियों एवं कर्मियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। जिसके उपरांत हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। मौके पर डीडीसी रोबिन टोप्पो, अपर समाहर्ता कुमारी गितांजली, सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों एवं कर्मियों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा: आराध्य के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, पहली वर्षगांठ के खास पलों के उत्सव में डूबे

अयोध्या , एजेंसी। रामनगरी अयोध्या में बुधवार को अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का दिन है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने आराध्य के दर्शन करने पहुंचे हैं। इनमें अनेक ऐसे भी हैं, जो बीते वर्ष भी 22 जनवरी को अयोध्या में थे। उसी पल को जीने के लिए वह फिर रामनगरी आए हैं।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पंचांग की तिथि के अनुसार 11 जनवरी को ही त्रिदिवसीय प्रतिष्ठा द्वादशी का आयोजन कर चुका है। फिर भी अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार जीवन की सारी गतिविधियों का लेखा-जोखा करने वाले आज उस 22 जनवरी को जीने और देखने के लिए पुनः अयोध्या में हैं।

प्रातः से ही पुण्यसलिला सरयू में स्नान के बाद श्रीराम लला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की पंक्तियां लग गईं। ट्रस्ट को इसका अनुमान था, इसलिए व्यवस्थाएं भी इसी के अनुसार की गई थी। राम मंदिर के आसपास का सारा क्षेत्र ब्रह्म मुहूर्त से ही जयकारों से गूंजने लगा। हनुमानगढ़ी, दशरथ महल, कनक भवन सहित अयोध्या के सभी मंदिर आज श्रद्धालुओं से भरे हुए हैं। होटल और धर्मशालाएं पहले से ही लोग आरक्षित कराए हुए थे।

महाकुंभ से आकर फिर वही लौट जाने वालों की संख्या भी कम नहीं है। खचाखच भरी सभी पार्किंग इसकी गवाही दे रही हैं। स्थानीय श्रद्धालु भी बहुत आए हैं।

अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार बुधवार को एक वर्ष पूरा हुआ है।इस ऐतिहासिक मौके को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह छाया हुआ है। राम मंदिर ट्रस्ट ने हिंदी कैलेंडर के अनुसार 11 जनवरी 2025 को भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का वार्षिक उत्सव मनाया था।

अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार भी दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु अपने आराध्य के दर्शन करके अभिभूत हैं। वे खुद को भाग्यशाली मान रहे हैं। कड़ाके की ठंड पर आस्था भारी है। सुरक्षा को लेकर के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

रामलला के अंग्रेजी कैलेंडर के वार्षिक उत्सव के मौके पर रामनगरी में श्रद्धालुओं का

सैलाब उमड़ा है। छह जोन और 17 सेक्टर में बांटकर रामनगरी की सुरक्षा व्यवस्था को सख्त किया गया है। जोन में राजपत्रित अधिकारियों और सेक्टर में सीओ स्तर के अधिकारी की तैनाती की गई है। राम मंदिर परिसर में आज कोई भी विशेष कार्यक्रम नहीं हो रहा है। राम मंदिर में प्रतिदिन की दिनचर्या के अनुरूप ही पूजा- पाठ और राग भोग चल रहा है। प्राण प्रतिष्ठा का वार्षिक उत्सव राम मंदिर ट्रस्ट हिंदी तिथि के अनुसार मना चुका है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार आज श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिख रहा है।

संक्षिप्त समाचार

काशी में मौसम का बदला मिजाज, कम हुई हवा की रफ्तार; धूप हुई असरदार

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में बुधवार सुबह हवा की रफ्तार कम रही और दिन में धूप असरदार रही। मौसम में इस बदलाव से लोग तीन दिन से राहत महसूस कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को भी तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 26 के पार पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 13.8 रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने सप्ताह गणतंत्र दिवस तक मौसम साफ रहने की संभावना जताई है।

पिछले सप्ताह बादलों की आवाजाही के साथ ही कोहरे की वजह से लोग ठंड से परेशान थे। इस सप्ताह के शुरुआत से लोगों को ठंड से राहत मिली। सोमवार की तरह मंगलवार को भी मौसम साफ रहा। हवा में नमी न के बराबर रही। कॉलोनियों से लेकर घाट तक लोग धूप में बैठे रहे। दिन की तरह ही शाम को मौसम भी सामान्य रहा। ऐसा लगा जैसे ठंड बिल्कुल गायब सी हो गई है।

मंगलवार को अधिकतम तापमान औसत से 3.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 26.2 पहुंच गया तो न्यूनतम तापमान सोमवार को 9.4 रहा जबकि मंगलवार को 13.8 रिकॉर्ड किया गया जो औसत से 5.1 अधिक रहा। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि इस सप्ताह मौसम साफ रहेगा।

धमाके के साथ ई-रिक्शा की बैटरी फटी, छात्र-चालक झुलसे, दो छात्रों ने कूदकर जान बचाई

मेरठ एजेंसी। मेरठ के देहली गेट क्षेत्र में नगर निगम कार्यालय के पास मंगलवार दोपहर ई-रिक्शा की बैटरी धमाके के साथ फट गई। इससे आग लग गई। हादसे में एक छात्र और रिक्शा चालक गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि दो छात्रों ने कूदकर जान बचाई। आग लगने की घटना से अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। निगम कार्यालय के सामने मंगलवार दोपहर यह हादसा हुआ। ई-रिक्शा में तीन छात्र सवार थे। हादसे के दौरान दो छात्र ई-रिक्शा से कूद गए, जबकि 14 वर्षीय छात्र तालिब निवासी पूर्वा महावीर और ई-रिक्शा चालक झुलस गए। कुछ ही देर में आग फैल गई। इससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। रास्ते से गुजर रहे वाहनों के पहिये थम गए। आसपास के दुकानदारों ने पानी डालकर आग बुझाई। घायल छात्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसे गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। चालक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

सीओ कोतवाली आशुतोष कुमार का कहना है कि रिक्शा चालक और अन्य छात्रों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। तकनीकी जांच के बाद ही आग लगने की वजह सामने आएगी। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

ई-रिक्शा में बड़ी संख्या में स्कूल जाते हैं बच्चे: सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेश सरकार ने ई-रिक्शा में बच्चों के स्कूल आने-जाने पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद जिले के कई स्कूलों में बच्चे ई-रिक्शा में आते-जाते हैं। मंगलवार को देहली गेट क्षेत्र में ई-रिक्शा में अचानक आग लगने का मामला सामने आने से बच्चों की सुरक्षा पर सवार उठने लगे हैं।

यातायात पुलिस और आरटीओ के अधिकारियों ने इसे लेकर पूर्व में अभियान भी चलाया था। स्कूल संचालकों को भी इस बारे में आगाह किया था। कुछ दिन सख्ती का असर दिखाई भी दिया, लेकिन फिर से बच्चे ई-रिक्शा में स्कूल आने-जाने लगे हैं।

परिजन भी अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेपरवाह नजर आते हैं। एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र कुमार मिश्रा का कहना है कि इस संबंध में स्कूल संचालकों से बातचीत की जाएगी। परिजनों को भी जागरूक किया जाएगा।

सीपीएम ऑफिस के बाहर कर्मचारियों का प्रदर्शन, बोले- चीफ पोस्ट मास्टर करते हैं अभद्र भाषा का उपयोग

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के बड़ा चौराहा स्थित चीफ पोस्ट ऑफिस में कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया है। कर्मचारियों ने सीपीएम कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान चीफ पोस्ट मास्टर देवी प्रसाद दास पर कर्मचारियों से अभद्र भाषा का उपयोग करने का आरोप लगाया है।

कारोबारी हरीश अपहरण कांड

आखिरी सांस तक याद रहेंगे यातना के 96 घंटे, पानी की जगह पिलाई शराब; बक्से में सुलाया

बरेली एजेंसी। बांदा निवासी अंडा कारोबारी हरीश कटियार ने यातना के 96 घंटों का दर्द बयां किया तो लोग अवाक रह गए। कहा कि वह जिस भाई की हमेशा मदद करते रहे, उसी ने उनकी जान खतरे में डाल दी। आरोपी उनको पानी की जगह शराब पिलाते थे। बक्से में सुलाया जाता था। फिरौती नहीं मिलने पर उनकी हत्या कर शव को बक्से में रखकर उत्तराखंड सीमा पर फेंकने की साजिश रची गई थी।

हरीश के मुताबिक, जब उन्हें अगवा किया गया तो उन्होंने शोर मचाया। इस पर आरोपियों ने उनके सिर पर तमंचा सटाकर जान से मारने की धमकी दी और कार में बैठा लिया। रास्ते में मौका मिलने पर उन्होंने देखा तो खुद को पिछली सीट पर पाया।

कार अनूप चला रहा था। अनूप के पीछे तमंचा लगाकर एक आदमी बैठा था। उन्हें लगा है कि अनूप और वह दोनों अगवा किए गए हैं। रात में एक बदमाश ने उनकी चेन और अंगूठी छीन ली। उन्हीं की जेब से रुपये निकालकर दोनों कारों में पेट्रोल डलवाया। दिन निकल आया तो वह शाहजहांपुर से हरदोई रोड पर घुमाते रहे। बीच- बीच में वह अनूप को इशारा करते थे कि कार थाने की ओर ले चलो पर अनूप उन्हें चुप करा देता था।

मैं जीना चाहता हूं, मुझे पानी चाहिए

बताया कि जिस अंकित कटियार ने मियांपुर में उदित के घर उन्हें रखवाया, वह अनूप का रिश्तेदार है। उनकी भी मियांपुर में रिश्तेदारी हैं, इसलिए आरोपी उनकी आंखें बंद कर वहां ले गए। यहां उन्हें एक ही टाइम खाना मिलता था। ज्यादातर समय उन्हें एक बक्से में सुलाया जाता था, जो ऊपर से खुला रहता था। बदमाश आपस में बात कर रहे थे कि रुपये नहीं मिलने या खतरा महसूस होने पर उनकी हत्या कर देंगे। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने जब हरीश को छुड़ाया तो वह बोले कि मैं जीना चाहता हूं, मुझे पानी चाहिए। फिर वह करीब दो लीटर पानी एक बार में ही पी गए।

आधार कार्ड बनवाना है...तो छोड़ने पड़ेंगे जरूरी काम, इतनी लंबी कतार; जैसे नोटबंदी में बैंकों के बाहर लगी थी

आगरा, एजेंसी। सरकारी योजना में आवेदन करना हो या पहचान साबित करने के लिए आधार की ही जरूरत पड़ती है। ये आधार बनवाना या अपडेट कराना किसी जंग से कम नहीं। हाल ये है कि आधार बनवाने और अपडेट कराने के लिए आवेदकों को कामकाज छोड़कर सुबह से कतार लगानी पड़ रही है। खंदारी स्थित आधार केंद्र पर अव्यवस्थाएं हावी हैं। जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे।

खंदारी चौराहे के पास जिले का एकमात्र आधार पंजीकरण केंद्र संचालित है। यहां एक हजार आधार प्रतिदिन बनाए जाने की क्षमता है। लेकिन आधार अपडेशन कार्य के चलते नए पंजीकरण की संख्या कम रहती है। इस केंद्र पर फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी समेत अन्य जिलों से भी लोग पहुंचते हैं। सुबह 8 बजे से ही कतार लग जाती है, जबकि केंद्र 10 बजे के बाद ही खुलता है। आधार केंद्र में अव्यवस्थाएं भी लोगों की परेशानी बनती हैं। यहां आधार पंजीकरण के लिए 16 काउंटर हैं, लेकिन 3-4 काउंटर बंद ही रहते हैं। केंद्र के बाहर बने तीन टोकन काउंटर में से एक या दो ही संचालित रहते हैं। कुंडौल से मंगलवार की सुबह ऑटो से परिवार के सात बच्चों के आधार अपडेट कराने पहुंचे शिवम ने बताया कि वह सुबह 10 बजे से बच्चों के साथ कतार में लगे हैं। 12 बजे भी उनका नंबर नहीं आ सका। अन्य लोगों की पीड़ा भी यही थी।

तीन घंटे लाइन में लगा रहा कांस्य पदक विजेता: मथुरा के महरौली निवासी एथलीट रामरतन आधार अपडेट कराने के पंजीकरण केंद्र पहुंचे थे। कतार में 2 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। रामरतन लखनऊ में आयोजित जूनियर नेशनल एथलेटिक्स में 1,500 मीटर में कांस्य पदक जीत चुके हैं। वर्तमान में वह दिल्ली में रहकर तैयारी कर रहे हैं।

ऑनलाइन आवेदन फिर भी लेना होगा टोकन: आधार पंजीकरण या अपडेशन के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से आवेदन किए जाते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद भी यहां पहुंचने पर आवेदक को कतार में लगकर टोकन लेना पड़ता है। इससे परेशानी होती हैं। आवेदक राजेश कुमार का कहना था कि ऑनलाइन आवेदन में सीधे ही टोकन नंबर जारी क्यों नहीं किया जाता है। केंद्र पर प्रतिदिन एक हजार टोकन की व्यवस्था है, जिसमें 600 टोकन ऑनलाइन आवेदकों और 400 ऑफलाइन आवेदकों को दिए जाते हैं।

बंद काउंटर शुरू कराएंगे: ऑपरेशन मैनेजर शिव मिश्रा ने बताया कि लगातार एक हजार से अधिक आधार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सभी काउंटर चालू रखने का प्रयास रहता है। अगर कोई काउंटर बंद था तो उसे भी शुरू कराया जाएगा।

पूर्वांचल वासियों के लिए राहत, आईएमएस में 820 करोड़ खर्च कर बनाई जाएंगी एम्स जैसी सुविधाएं

वाराणसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसी सुविधा के लिए आईएमएस बीएचयू को 820 करोड़ रुपये मिलेंगे। इस पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सहमति बन चुकी है। इसका एलान आम बजट में संभव है। स्वास्थ्य मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की मौजूदगी में सोमवार को नई दिल्ली में बैठक भी हो चुकी है। पहली बार मिलने वाले इतने बड़े बजट से आईएमएस बीएचयू में इलाज, पैथोलॉजी जांच और सर्जरी की व्यवस्थाएं विश्व स्तरीय बनाई जाएंगी।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान, एम्स निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास की मौजूदगी में 22 नवंबर 2024 को नई दिल्ली में नए सिरे से एमओयू हुआ था। एम्स निदेशक ने बीएचयू आकर सुविधाओं का मूल्यांकन भी किया था।

विश्वस्तरीय व्यवस्थाएं बनाने का तैयार किया जा रहा खाका: अब इलाज, जांच, ओपीडी, आईसीयू, दवा सहित अन्य व्यवस्थाएं विश्वस्तरीय बनाने का खाका तैयार

किया जा रहा है। विभाग और संकायवार सुविधाओं की कमी का मूल्यांकन कराया जा रहा है। देखा जा रहा है कि एम्स और आईएमएस बीएचयू की सेवाओं में किस तरह का कितना अंतर है।

आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने बताया कि दिल्ली में सोमवार को बैठक हुई थी। इसमें बीएचयू के कुलसचिव प्रो अरुण भी शामिल हुए थे। बैठक में एम्स जैसी सुविधाओं पर चर्चा की गई। एम्स की तरह ही पहली बार आईएमएस बीएचयू को बड़ा बजट देने का खाका तैयार किया गया। इस बार के आम बजट में बजट की घोषणा हो सकती है।

पैदल जा रहे दो लोगों को चार पहिया वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत

जौनपुर , एजेंसी। जौनपुर जिले के शाहगंज क्षेत्र के बड़ागांव में बुधवार की सुबह शौच के लिए पैदल जा रहे दो लोगों को चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने इलाज के दौरान एक युवक को मृत घोषित कर दिया। घायल युवक को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

यह है पूरा मामला: बरेली जनपद के भमौरा थाना क्षेत्र के लहर बल्लियां निवासी अनिल कुमार (30) पुत्र मोहन लाल क्षेत्र बड़ागांव में अन्य साथियों के साथ किराये के मकान में रहकर ठेले पर मिठाई बेचकर परिवार का भरण पोषण करता था। वहीं उक्त गांव में अपने ननिहाल में रहकर मोटर मेकैनिक का काम करने वाला सरपतहां थाना क्षेत्र के सदरुद्दीनपुर खमपुर गांव निवासी शिवशंकर बिंद (22) पुत्र राम सिजोर भी उनके साथ में रहता था।

बुधवार की सुबह दोनों एक साथ शौच के लिए पैदल सड़क के किनारे जा रहे थे। जैसे ही बडागांव स्थिति युनियन बैंक के समीप दोनों पहुंचे, पीछे से आ रही तेज रफ्तार चार पहिया वाहन की टक्कर लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने इलाज के दौरान अनिल कुमार को मृत घोषित कर दिया।

शिवशंकर की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक लिखा-पढ़ी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। मौत की खबर सुनकर परिजनों मे कोहराम मच गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में महंगी हो सकती है बिजली, घरेलू उपभोक्ताओं पर बढ़ सकता है 20 फीसदी तक भार

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में घरेलु उपभोक्ताओं पर भी टाइम ऑफ डे (टीओडी) टैरिफ लागू करने की तैयारी है। ऐसे में घरेलु उपभोक्ताओं का बिजली खर्च करीब 10 से 20 फीसदी तक बढ़ सकता है। मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 के मसौदे में इस व्यवस्था को लागू करने का प्रस्ताव है। अभी यह व्यवस्था सिर्फ भारी एवं लघु उद्योगों श्रेणी के उपभोक्ताओं पर लागू है।

केंद्र सरकार की ओर से बिजली (ग्राहकों के अधिकार) नियम, 2020 में अवश्यक संशोधन कर टाइम ऑफ डे (टीओडी) टैरिफ की व्यवस्था लागू करने की बात कही गई है। इसमें दिन और रात की बिजली दर अलग-अलग रखने का नियम है। लघु एवं भारी उद्योग श्रेणी के उपभोक्ताओं पर यह व्यवस्था लागू की जा चुकी है। एक अप्रैल 2025 से सभी उपभोक्ताओं पर लागू होनी है। हालांकि इसमें किसानों को अलग रखा गया है। ऐसे में नियामक आयोग की ओर से जारी मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 के मसौदे में टीओडी टैरिफ लागू करने की बात कही गई है। अभी प्रदेश में कुल 3.45 करोड़ उपभोक्ता है, जिसमें 2.85 करोड़ घरेलू और 15 लाख किसान उपभोक्ता हैं।

2023 में हो गया था स्थगित: टीओडी की व्यवस्था को वर्ष 2023 में भी लागू करने का प्रयास किया गया था, लेकिन उपभोक्ता परिषद ने याचिका लगा दी थी। पूरे मामले में कोर्ट जाने की धमकी दी थी। ऐसे में प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया था। मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 के मसौदे के जरिए इसे लागू करने की तैयारी है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि इस व्यवस्था को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

क्या होगा नुकसान: आमतौर पर घरेलु उपभोक्ता रात में ज्यादा बिजली खर्च करते हैं। क्योंकि दिन में वे कार्यालय अथवा अन्य स्थानों पर रहते हैं। रात में पूरा परिवार घर में होता है। ऐसे में लाइट, पंखे, कूलर, एसी सहित अन्य भौतिक संसाधनों का प्रयोग होता है। यही वजह है कि बिजली का पीक ऑवर (सर्वाधिक खर्च) हमेशा रात 10 से 11.30 बजे के बीच होता है। रात में ज्यादा मूल्य वसूले जाने पर घरेलु उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार पड़ेगा।

ऊर्जा विभाग ने दिया बचत का तर्क: ऊर्जा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने टीओडी टैरिफ को उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद बताया। उनका तर्क है कि बिजली की पीक ऑर्वस में उपभोक्ता इलेक्ट्रिक चीजें कम चलाकर बिजली खर्च बचा सकेंगे। इससे कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से बनी बिजली की मांग कम होगी। ग्राहक खपत प्रबंधन करेंगे तो बिल में 20 फीसदी तक की बचत भी हो सकती है।

किसानों को रखा है अलग: टीओडी टैरिफ से कृषि कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को अलग रखा गया है। प्रदेश में करीब 15 लाख से अधिक इस श्रेणी के उपभोक्ता हैं।

क्या है टीओडी टैरिफ: दिन और रात के समय बिजली की दर अलग-अलग रखे जाने को टाइम ऑफ़ डे (टीओडी) टैरिफ़ कहते हैं। इस टैरिफ़ के तहत, दिन के समय बिजली की दर कम और रात के समय बिजली की दर ज़्यादा होती है। उपभोक्ता दिन के अलग-अलग समय के हिसाब से अलग-अलग बिजली बिल चुकाएंगे।

सर्वाधिक बिजली कब खर्च हुई: प्रदेश में 18 जून की रात 10 से 11 बजे के बीच 35 मिनट तक 30618 मेगावाट बिजली आपूर्ति की गई। यह अब तक की सर्वाधिक आपूर्ति है। इस दिन की अधिकतम खपत 65.35 करोड़ यूनिट थी।

संपादकीय

राष्ट्रपति ट्रंप से उम्मीदें

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया के सबसे ताकतवर अमेरिका के राष्ट्रपति का दूसरी बार पद ग्रहण करने के बाद ये कयास लगाए जा रहे हैं कि दूसरी पारी में उनका रवैया विभिन्न मुद्दों पर क्या होगा? खासकर भारत के संदर्भ में। यह इसलिए भी अहम है, क्योंकि डोनाल्ड को बहुत ही 'अनप्रेडिक्टेबल' नेता भी कहा जाता है। वो कब क्या कहे और कर बैठें, इसका ठीक ठीक अनुमान लगाना कठिन है। दूसरे, अमेरिका के राष्ट्रपति की सोच और नीतियां समूची दुनिया पर गहरा असर डालती हैं। ट्रंप ने कार्यभार ग्रहण करने के पहले तक कई ऐसी बातें कहीं हैं, जिनको लेकर आश्वस्त और आशंका दोनो तरह का वातावरण बना है। हालांकि ट्रंप के पहले कार्यकाल की तुलना में वैश्विक परिदृश्य काफी बदला हुआ है। ऐसे में ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट' को ध्यान में रखते हुए अपनी नीतियां लागू करेंगे, लेकिन उन्हें अपने दोस्त और दुश्मन के बीच स्पष्ट भेद करना होगा। क्योंकि बदले वक्त में चुनौतियां भी बदली हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो यह माना जा रहा है कि ट्रंप हमारे लिए शुभ ही साबित होंगे। ट्रंप की कोर टीम में कुछ भारतीय भी शामिल हैं। यह भी उम्मीद की जा रही है कि ट्रंप का चीन के प्रति कड़ा रूख भारत के लिए मददगार हो सकता है। इसी के साथ यह आशंका भी जुड़ी है कि ट्रंप अगर अमेरिकी आयात पर टैरिफ बढ़ा देंगे तो भारत के निर्यात पर विपरीत असर पड़ेगा। इससे हमारी अर्थव्यवस्था की ग्रोथ भी प्रभावित होगी। ट्रंप चीन के खिलाफ ऐसा कदम जरूर उठाएंगे, ऐसा माना जा रहा है। इसी तरह ट्रंप टेस्ला को भारत में कर रियायत के लिए दबाव डाल सकते हैं। यह मुद्दा पेचीदा है, क्योंकि आज भारतीय वायु सेना को पांचवी पीढ़ी के फाइटर विमानों की सख्त जरूरत है। हम अमेरिका से अत्याधुनिक एफ 35 विमान लेने पर विचार कर रहे हैं तथा ऐसे विमानों की प्रौद्योगिकी भी हस्तांतरित करना चाहते हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब ट्रंप का भारत के प्रति रवैया उदार हो। अमेरिकी प्रशासन और ट्रंप यह अच्छी तरह से जानते हैं कि चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका को भारत की जरूरत है। ऐसे में भारत को नाराज करने वाला कोई कदम ट्रंप उठाएंगे, ऐसा लगता नहीं है। इसके अलावा वैश्विक शांति का मुद्दा बहुत बड़ा है। ट्रंप के कार्यभार ग्रहण करने से ठीक पहले मध्य पूर्व में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम एक अच्छी शुरूआत है। ट्रंप ने कहा है कि मैंने तीसरा विश्व युद्ध नहीं होने दूंगा। इसका अर्थ यह है कि वो रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी युद्ध को भी रूकवा सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो दुनिया में शांति और वैश्विक अर्थ व्यवस्था के लिए भी यह सुखकर होगा। इसके अलावा अलग फिलीस्तीन राष्ट्र का भविष्य क्या होगा, यह भी ट्रंप की नीतियों पर निर्भर करता है। क्या इजराइल अलग फिलीस्तीन राष्ट्र को स्वीकार करेगा? क्या अमेरिका इसके लिए इजराइल पर दबाव बना पाएगा? इसी तरह भारत, पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बीच संतुलन बनाना अमेरिकी रणनीति के लिए महत्वपूर्ण है। वैसे ट्रंप क्या क्या करेंगे, यह यकीनी तौर पर कोई नहीं कह सकता। अपना कार्यभार ग्रहण करने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की क्रिप्टोकरेंसी लॉन्च कर दी, जिसका मार्केट कैप तेज़ी से बढ़ते हुए कई बिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस क्रिप्टोकरेंसी का नाम 'डॉलरट्रंप' रखा गया है, जिसे ट्रंप की सहयोगी कंपनी सीआईसी डिजिटल एलएलसी लेकर आई है। इसके लिए ट्रंप की आलोचना भी हो रही है। शपथ ग्रहण से पहले ट्रंप ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डी.सी. में एक बड़ी रैली की, जिसमें उन्होंने वादा किया कि वे बाइडेन प्रशासन के हर 'मूर्खतापूर्ण' आदेश को रद्द कर देंगे।

दिल्ली : एक पूर्व सीएम के सामने दो पूर्व सीएम के बेटे

सियासी दल बेशक परिवारवाद के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। खासकर बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने अभी अपने मंचों पर इस मुद्दे को काफी तूल दिया है। बीजेपी ने दांव चलकर अपने एक समय के कद्दावर नेता रहे दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को चुनाव मैदान में लडाया है। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को नई दिल्ली से और पूर्व मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना के बेटे हरीश खुराना को मोती नगर से प्रत्याशी बनाया है। 1996 से 1998 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे मदनलाल खुराना बीजेपी के दिग्गज नेताओं में माने जाते थे। इसी तरह 1996 से 1998 तक सीएम रहे साहिब सिंह वर्मा का भी दिल्ली की सियासत में अपना प्रभाव रहा। इस बार चुनाव में बीजेपी ने अपने इन दिग्गज नेताओं के बेटों को टिकट देकर आप के सामने चुनौती खड़ी कर दी।

वेद विलास उनियाल

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस और बीजेपी में त्रिकोणीय संघर्ष होने वाला है। लेकिन, दस सीटें ऐसी है जहां नेताओं के परिजन चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें तीन सीटों पर तो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे ताल ठोककर चुनाव मैदान में उतरे हैं। इनमें एक सीट नई दिल्ली की ऐसी हैं जहां एक पूर्व मुख्यमंत्री को उनकी ही सीट पर घेरने के लिए दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को दो अलग-अलग दल ने चुनाव मैदान में उतारा है। एक सीट पर विधायक के मकोका के मामले में जेल होने से उनकी पत्नी को टिकट दिया गया। दिल्ली चुनाव में टिकटों के लिए काफी जोर आजमाइश हुई। अलग-अलग चुनाव लड़ने की स्थिति में 'आप' और कांग्रेस ने सभी सीटों पर प्रत्याशियों को खड़ा किया। उधर बीजेपी में भी सीटों को लेकर जमकर संघर्ष हुआ है। आखिरी क्षणों तक टिकटों को लेकर खींचतान होती रही है। बीजेपी ने 68 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं साथ ही एक-एक सीट लोजपा और जेडीयू को दी है।

सियासी दल बेशक परिवारवाद के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। खासकर बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने अभी अपने मंचों पर इस मुद्दे को काफी तूल दिया है। बीजेपी ने दांव चलकर अपने एक समय के कद्दावर नेता रहे दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को चुनाव मैदान में लडाया है। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को नई दिल्ली से और पूर्व मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना के बेटे हरीश खुराना को मोती नगर से प्रत्याशी बनाया है। 1996 से 1998 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे मदनलाल खुराना बीजेपी के दिग्गज नेताओं में माने जाते थे। इसी तरह 1996 से 1998 तक सीएम रहे साहिब सिंह वर्मा का भी दिल्ली की सियासत में अपना प्रभाव रहा। इस बार चुनाव में बीजेपी ने अपने इन दिग्गज नेताओं के बेटों को टिकट देकर आप के सामने चुनौती खड़ी कर दी।

नई दिल्ली में तो बीजेपी ने दो बार के सांसद रहे प्रवेश वर्मा को पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल के सामने चुनौती खड़ी कर दी। इस तरह कहा जा सकता है कि नई दिल्ली की सीट पर एक नहीं दो दो मास्टर स्ट्रोक चले हैं। गौरतलब है कि इसी सीट पर कांग्रेस ने भी बहुत बड़ा दांव चला है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की दिग्गज नेता रहीं शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को मैदान में उतारकर मामले को त्रिकोणीय बना दिया। शीला दीक्षित 1998 से 2013 तक दिल्ली की तीन बार की मुख्यमंत्री रही हैं। दिल्ली में उनके नाम के प्रभाव को समझा जा सकता है। भारत के चुनावी संघर्षों में ऐसा दृश्य कभी नजर नहीं आया कि एक पूर्व सीएम के सामने दो पूर्व सीएम के बेटे चुनाव लड़ते हुए नजर आएं। इस मायने में यह सीट बहुत जटिल और रोमांचक हो गई है। यहां सियासी दिग्गज और राजनीतिक घरानों का घमासान है।

अपने जनाधार को फिर से पाने की कोशिश में जुटी कांग्रेस ने भी नए चेहरों की तलाश में वक्त नहीं गंवाया। इसके बजाय कांग्रेस में तपे तपाए नेताओं को टिकट थमाए गए। कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेताओं पर भी भरोसा जताया और अपने पूर्व दिग्गज नेताओं के परिजनों को भी चुनावी मैदान में उतारा। कांग्रेस और आप के बीच रिश्तों की बर्फ पिघली नहीं। कांग्रेस में इस बात को लेकर मंथन होता रहा कि आप से समझौता किया जाए या नहीं। लेकिन, जब तय हुआ कि कांग्रेस अपने स्तर पर सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी को पार्टी ने अपनी सूची से सबको चौंकाया। पार्टी ने इसके लिए नई दिल्ली सहित सभी सीटों पर आक्रामक व्यूह रचना तैयार की है। पार्टी ने इसी तरह तेजतर्रार नेता जयप्रकाश अग्रवाल के बेटे मुदित अग्रवाल को चांदनी चौक की सीट पर प्रत्याशी बनाया है। पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल दिल्ली में कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में माने जाते हैं। जयप्रकाश अग्रवाल लोकसभा का चुनाव लड़े थे। हालांकि कांटे के संघर्ष में वह चुनाव हार गए थे। इस बार उनके बेटे मुदित अग्रवाल का मुकाबला लगातार विजयरथ लेकर चलने वाले विधायक शोएब इकबाल के बेटे आले इकबाल से है।

'आप' पार्टी ने पिछले दो चुनाव शानदार तरीके से जीते। आप का उदय होने के बाद इस पार्टी ने लगातार सफलता प्राप्त की। 2013 में आप दूसरे नंबर की पार्टी बनी थी। कांग्रेस के समर्थन से आप की बनी सरकार केवल 49 दिन चली थी। 2015 में पार्टी ने 54 .5 प्रतिशत मत हासिल करके 67 सीट हासिल की थी। 2020 में आप का ग्राफ थोड़ा गिरा, लेकिन 62 सीटों के साथ सरकार आप की ही बनी। इसके बाद यमुना में काफी पानी बह गया है। आज के बदले हालात में कई तरह की विपरीत स्थितियों में चुनाव मैदान में है। दिल्ली की मुख्यमंत्री अब अरविंद केजरीवाल नहीं आतिशी है। आप के खिलाफ कथित शराब घोटाला, शीशमहल और तमाम दूसरे प्रकरणों के चलते छवि पर असर पड़ा उससे लग रहा था कि पार्टी कुछ नए चेहरों के साथ चुनाव मैदान में उतर सकती है।

पार्टी ने माहौल को समझते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली विधानसभा की उपाध्यक्ष राखी बिड़लान की सीटें तो बदली, लेकिन 70 सीटों में पार्टी ने छह स्थानों पर विधायक पूर्व सांसद पूर्व विधायक के परिजनों को ही टिकट थमाए। दिल्ली के चुनाव में जो कशमकश मची है और जिस तरह हर सीट जटिल बनी हुई है, उससे आप के शीर्ष नेतृत्व ने किसी तरह की नाराजगी नहीं उभरने दी। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल खुद नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन, अब अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सीएम आतिशी के अलावा स्टार प्रचारक में अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का नाम दिखाई देता है। जिस तरह आप के बड़े दिग्गज नेता अपनी सीटों पर उलझे हुए हैं उसके बाद सुनीता केजरीवाल और सांसद संजय सिंह जैसे नेता अलग अलग सीटों में प्रचार के लिए निकल पा रहे हैं।

पहले इस बात की सुगबुगाहट थी अरविंद केजरीवाल दो सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। साथ ही उनकी पत्नी भी चुनाव में दांव आजमा सकती है। लेकिन, आखिरकार आप पार्टी ने यह जोखिम उठाना ठीक नहीं समझा। त्रिकोणीय लड़ाई में फंसी आप पार्टी अपने कार्यकर्ताओं और दूसरे नेताओं को किसी भी तरह नाराज नहीं करना चाहती थी। लेकिन, इसके बजाए आप पार्टी ने दिल्ली के बड़े नेताओं के बच्चों या पत्नी को टिकट सौंपा है। आप ने विधायक एसके बग्गा की जगह उनके बेटे विकास बग्गा, विधायक प्रहलाद साहनी की जगह उनके बेटे पूरणदीप साहनी, पूर्व विधायक मतीन अहमद की जगह जुबेर अहमद, पूर्व सांसद महाबल मिश्रा की जगह विनय कुमार मिश्रा और विधायक नरेश बलियान की जगह उनकी पत्नी पूजा बलियान को उम्मीदवार बनाया। स्पष्ट संकेत है कि आप पार्टी ने चुनाव में प्रत्याशियों को बदलने की स्थिति में उनके परिजनों को ही तरजीह दी।

अध्यात्म

समय का मूल्य

एक ऐसी कहानी जो बच्चों को समय के सही उपयोग की शिक्षा देती है, उन्हें मनोरंजन के साथ-साथ जीवन का मूल्यवान पाठ भी सिखाती है।

रोहन और सोहन, दोनों ही अच्छे दोस्त थे लेकिन उनके समय को देखने का नजरिया बिलकुल अलग था। रोहन हमेशा समय की कद्र करता था। वह अपने सभी काम समय पर करता और हमेशा योजना बनाकर चलता था। दूसरी ओर, सोहन था जो अक्सर समय को व्यर्थ में गवां देता और हमेशा चीजों को आखिरी समय तक छोड़ देता था।

एक दिन, उनके गांव में एक बहुत बड़ा मेला लगा। दोनों ने मेले में जाने का निश्चय किया। रोहन ने अपने सभी काम एक दिन पहले ही खत्म कर लिए ताकि वह मेले का पूरा आनंद उठा सके। सोहन ने भी वादा किया कि वह समय पर आएगा।

मेले के दिन, रोहन सुबह जल्दी उठ गया, तैयार होकर मेले के लिए निकल पड़ा। सोहन ने अपनी आदत के अनुसार, आखिरी समय तक सोना जारी रखा और जब वह मेले के लिए निकला, तो काफी देर हो चुकी थी।

मेले में, रोहन ने हर खेल का आनंद लिया, हर स्टॉल को देखा और बहुत सारी मिठाइयां और खिलौने खरीदे। जब सोहन मेले में पहुंचा, तो उसने देखा कि अधिकतर स्टॉल बंद हो चुके थे और खेलों का समय भी खत्म हो गया था। वह बहुत निराश हुआ और उसे अपने समय की बर्बादी का एहसास हुआ।

इस घटना के बाद, सोहन ने रोहन से समय के महत्व को समझने में मदद मांगी। रोहन ने उसे समझाया कि समय एक बार चला जाए तो वापस नहीं आता। उसे यह भी समझ आया कि समय की सही योजना और प्रबंधन से वह अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल कर सकता है।

सोहन ने इसे अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक माना और वादा किया कि वह भविष्य में समय की कद्र करेगा। उसने योजना बनाना और अपने समय का सही उपयोग करना शुरू कर दिया। हमें यह समझना चाहिए कि समय बहुत कीमती है और हमें हर समय का सही उपयोग करना चाहिए। चाहे वह पढ़ाई हो, खेल हो या फिर कोई अन्य काम, समय की सही योजना और प्रबंधन से हम अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। चलिए, हम सभी समय की कद्र करें और इसे बुद्धिमानी से उपयोग करें। समय का सदुपयोग हमारे जीवन को संवार सकता है।

साधु समाज का होता वैश्वीकरण

इस बार का प्रयागराज में लगा कुंभ मेला कुछ विशिष्ट होता दिखाई दे रहा है। 144 साल बाद इस विशेष कुंभ में दो दर्जन से ज्यादा लोग पवित्र गंगा के जल में डुबकी लगा चुके हैं। सबसे ज्यादा लोग अमेरिका और ब्रिटेन से आ रहे हैं। संगम का तट पर विदेशी भाशी अमेरिकी, ब्रिटिश, जर्मन, राषियन, फ्रेंच और स्पेनिश निवासी लोग जय श्रीराम और हर हर गंगे के नारे लगाते देखे गए। अनेक विदेशी पुरुष और महिलाओं की आत्मा को संतुष्टि मिली और अनुभव अविस्मरणीय रहा। सनातन साधुओं की संस्कृति और अनूठी परंपराओं से प्रसिद्ध उद्योगपति स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल तो इतनी प्रभावित हुई कि इन्होंने अपना नाम परिवर्तित करके कमला रख लिया। वह निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरी के आश्रम में रहीं। इस कल्पवास में दुनिया की सबसे अमीर महिला लॉरेन ने साधुओं की संगत में सादगीपूर्ण जीवन बिताया।

प्रमोद भार्गव

साधुओं की इस महिमा के आध्यात्मिक महत्व से सनातन धर्म और साधु-समाज का वैष्वीकरण हो रहा है। इसके व्यापक प्रभाव से भारतीयों के धर्मांतरण पर अंकुश लगेगा। राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक वैभव की दृष्टि से साधु-समाज का यह काम राष्ट्र-बोध जगाने वाला है। शंकराचार्य ने साधु-संन्यासियों के सार्थक उपयोग के लिए ही चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की थी। इन मठों को ज्योतिर्मठ, श्रृंगेरी, गोवर्धन और शारदा मठ के नामों से जाना जाता है। ये मठ धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे है। इतिहास गवाह है आजादी की लड़ाई में अखाड़ों से जुड़े बाबाओं ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ अंग्रेजों से युद्ध भी लड़े थे। मानव शक्ति के रूप में भारत के पास विशाल साधु समाज है। जिसे अब तक आंतरिक चेतना एवं अतीन्द्रीय शक्तियों के नियंत्रण का ही मुख्य कारक एवं प्रतीक माना जाता रहा है। यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण संबंधी विकास कार्यों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं के हल में जुट जाएं तो राष्ट्र का बहुत भला हो सकता है। क्योंकि इस समाज के साथ अपार शारीरिक बल होने के साथ धार्मिक न्यासों की संपत्ती के रूप में अकूत आर्थिक बल भी है। दिवंगत जयगुरुदेव बाबा के पास 1200 करोड़ और सत्य सांई बाबा के पास से अकूत दौलत के भण्डार हुए थे। हालांकि सांई न्यास करीब 500 ग्रामों को अपनी ओर से पेयजल उपलब्ध कराता है और हजारों लोगों को शिक्षा व स्वास्थ्य की मुफ्त सेवा भी करता है। तय है, हमारे मंदिर और धार्मिक न्यासों के पास अरबों की धन-संपदा तो है ही, उनके पास सनातन के वैश्वीकरण की भी अपार क्षमताएं हैं।

भारत के हर परिवर्तनकारी युग में मठ, मंदिरों और साधुओं ने सास्कृतिक चेतना का नवजागरण कर राष्ट्र निर्माण को नया मोड़ देते हुए उदात्त भावनाओं और मंगलकारी सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया है। जिससे धर्म दीर्घकालिक सत्ताधारियों के राजनीतिक लाभ का हितपोषक न बना रहे। यही कारण है कि विश्वमित्र, वशिष्ट चाणक्य, महावीर, बुद्ध, जगतगुरु शंकरचार्य, गुरुनानक देव, चैतन्य महाप्रभु, स्वामी दयानंद सरस्वाती, महार्षि अरविंद, स्वामी विवेकानंद और ज्योतिबा फुले जैसे राष्ट्रप्रेमियों ने देश को आततायी विदेशी आक्रांताओं से लड़ने की शक्ति देने के साथ अज्ञान, भूख, अराजकता और आसमान समाजिक ढ़ांचे से जूझने की भी चुनौती व प्रेरणा आम जनमानस को दी। मध्ययुग के अंधकार से भारतीय जनमानस को कबीर, तुलसी, सूर, रैदास, दादू, मालूकदास और नानकदेव जैसे संत कवियों ने ही उबारकर नवयुग के निर्माण की आधारशीला रखी थी।

स्वतंत्रता पूर्व भारत में करीब 60 लाख साधु थे, वर्तमान में इनकी संख्या एक करोड़ से भी ज्यादा है। साधु समाज की इस गण्ना में रोगी, भिखारी, बाजीगार, सपेरे, नट, मदारी, लावारिस और अपाहिज भी शुमार हैं। इनकी संख्या 80 प्रतिशत है। पहुंचा हुआ साधु इन्हें साधु नहीं मानता। ऐसे ही साधुओं की बदौलत घर्म और नैतिकता का मूल मंत्र खंडित हो रहा है। ये साधु ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से पैठ बनाकर ग्रामीणों को गांजा, भांग, जैसे व्यसनों का आदी बना लेते हैं। यही साधु वेशधारी हत्या, बलात्कार, ठगी और अपहरण जैसे गंभीर मामलों के आरोपी निकालते हैं। दरअसल इन साधुओं को जब अनपेक्षित मान सम्मान मिलने लगता है तो यह बौरा जाते हैं। नतीजतन ज्यादा से ज्यादा धन बटोरने और भौतिक सुविधाएं जुटाने में लग जाते हैं। ऐसे साधुओं की जहां जनता द्वारा उपेक्षा की जाने की जरूरत है, वहीं साधु समाज इन्हें शिक्षित कर समाज के लिए हितकारी साधु भी बना सकता है। जिससे ये साधु समाज को मद्य निषेध एवं सदाचारी के संस्कार तो दें।

हालांकि साधु जीवन पर अब रमता जोगी, बहता पानी की कहावत पूरी तरह चरितार्थ नहीं हो रही है। मोक्ष के प्रचारक ये साधु भौतिकवाद के शिकार होकर वैभव व प्रदर्शन की प्रवृत्तियों के आदी भी हो रहे है। मोह माया भौतिक सुखों और कारों का काफिला इनके ईद गिर्द मंडरा रहा है। सूचना तकनीक के चलते तमाम साधुओं का भू-मण्डलीयकरण तो हुआ ही, बाजारवाद की गिरफ्त में भी ये आ गए। लिहाजा धर्म अरबों-खरबों के उद्योग में परिवर्तित हो गया। देखते-देखते बीते दो दशकों के भीतर इनकी घास-फूस की झोपड़ियां आलाशीन अट्टालिकाओं में तबदील हो गईं। इसी कारण साधु समाज पर सवाल उठाये जाने लगे कि मोह माया और भौतिक सुखों से ऊपर उठने का दावा करने वाले जो सिद्ध पुरुष स्वयं भोग विलास में संलग्न हो गए हैं, वे अध्यात्म का उपदेश देकर क्या समाज को भौतिकवादी बुराइयों से उबार पाएंगे? लेकिन अब कुंभ में देखने में आ रहे है कि जो वास्तविक धर्मनिष्ठ साधु हैं, वे विश्व की महाशक्तियों को प्रभावित कर रहे हैं।

साधु का प्रमुख गुण समष्टिगत होता हैं। इसलिए वह धर्म का प्रतिनिधि है। साधु के सदाचरण, संयमी, अंसचयी और सात्विक होने का प्रभाव जितना समाज पर पड़ता है, उतना जनबल तथा धनबल का नहीं पड़ता। इसलिए इन दिव्य पुरुषों के एक इशारे पर लोग करोड़ों लुटा देते है। साधु समाज भारतीय वेद, उपनिषद और पुरण इतिहास के पुनर्लेखन एवं तार्किक व्याख्या लेखन के सिलसिले में भी उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। क्योंकि हमारे प्राचीन साहित्य को धार्मिक पाखण्ड, कर्मकाण्ड और अंधविश्वास का प्रचारक मानकर खिल्ली उड़ाई जा रही है। यहां तक कि राम और कृष्ण जैसे विराट व्यक्तित्व वाले राष्ट्र नायकों तक को पुरातत्व जैसा जिम्मेदार विभाग मिथक ठहरा कर विवाद का विषय बना देता है। भारत में आर्यों के बाहर से आने की झूठी अवधारणा गढ़ दी गई। प्राचीन संस्कृत साहित्य को कपोल कल्पना करार दे दिया गया। इसे देश के तथाकथित वाम साहित्य और इतिहासकारों ने कृतज्ञ भाव से स्वीकार भी लिया। जबकि वास्तविकता है कि हमारे पौराणिक आख्यानों में प्रणय, राजनीति, दंडनीति, अर्थनीति जल और शिक्षा प्रबंधन की संरचना के सूत्र व सिद्धांत हैं। युद्धशास्त्र, विमान शास्त्र, वास्तु शास्त्र, आयुर्वेद और कामशास्त्र विषयक ये प्राचीन उपलब्धियां चमकृत करने वाली हैं। भाषा, व्याकरण और योग के क्षेत्रों में हम अनुपम हैं। जरूरत है, इनके गूढ़ सूत्रों के रहस्यों को खोलकर मानव उपयोगी बनाना? इस संदर्भ में हम बाबा रामदेव से उत्प्रेरित हो सकते हैं। जिन्होंने पतंजलि योग-सूत्र के रहस्यों को लाइलाज बीमारियों से मुक्ति का साध्य बनाकर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को ही चुनौती दे डाली ?

बहरहाल साधु समाज अपने जनबल और अर्थ बल से बुनियादी समस्याओं के निदान में शिरडी के सांई बाबा न्यास की तरह जुट जाए तो उसका समाज के लिए रचनात्मक क्रियान्वयन से जो वातावरण निर्माण होगा तो जो युवा-शक्ति ईमानदारी से काम करने की इच्छा रखती है, उसका राष्ट्र को अद्वितीय व अपेक्षित योगदान मिलने लग जाएगा ? लाल फीताशही के चलते जो प्रतिभाएं तालमेल न बिठा पाने के कारण पलायन कर दुसरे देशों में अपनी मेधा का परचम फहरा रही हैं, उनकी पलायनवादी प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा।

आज का कार्टून

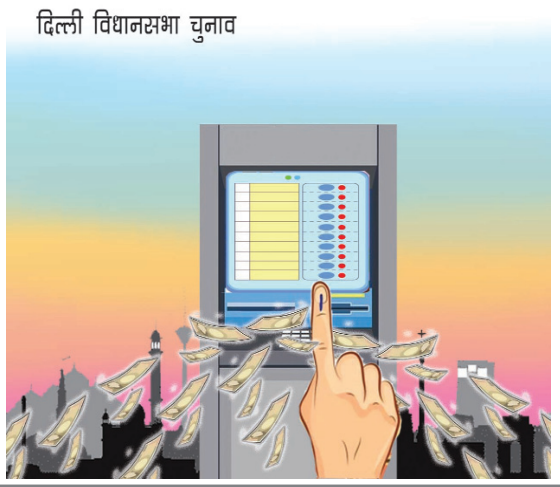

राशिफल

मेष

आपके व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर आज काफी सजग रहेंगे। लोग आपसे काफी कुछ सीखने का प्रयास करेंगे।

वृषभ

आर्थिक लेन-देन के लिये दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। उच्च अधिकारियों से मदद मिलेगी। अधूरे कार्यों को आज दोबारा शुरू करने का प्रयास करेंगे।

मिथुन

आज आपके मन में प्रसन्नता और उत्साह का भाव रहेगा। ऑनलाइन भुगतान के दौरान सावधानी रखें। क्रोध व उत्तेजना पर नियन्त्रण रखें।

कर्क

आपको किसी व्यापारिक यात्रा के लिये जाना पड़ सकता है। परिवार में किसी अनहोनी घटना का भय बना रहेगा। अनावश्यक बहसबाजी से दूर रहें।

सिंह

आज तत्परता के साथ कार्य पूर्ण करने पर आपका फोकस रहेगा। रिटेल व्यापार सम्बन्धित कार्यों में अच्छी प्रगति होगी। लक्ष्यों को प्राप्त करने का दबाव रहेगा।

कन्या

युवाओं के विवाह की चर्चा आगे बढ़ सकती है। बच्चों की सफलता से स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे। धन की कमी के कारण समस्या होगी।

तुला

आपके रुके हुये प्रोजेक्ट्स को काफी तेजी से आगे बढ़ायेंगे। अध्यापन कार्यों से जुड़े लोगों की प्रसिद्धि बढ़ेगी। आप लोगों की मदद करने का प्रयास करेंगे।

वृश्चिक

विदेश में रहने वाले लोगों को कुछ समस्या होगी। बच्चों को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं। कमर दर्द को लेकर समस्या हो सकती है।

धनु

कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी पुरानी बात को लेकर आप सोच-विचार करेंगे। साहसिक और जोखिम भरे निवेश में आप रुचि ले सकते हैं। भविष्य को लेकर बड़ा निर्णय लेंगे।

मकर

व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न हो इसका ध्यान रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। गृह निर्माण सम्बन्धित कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। घरेलू उपयोग के लिये वस्तुओं को खरीद सकते हैं।

कुंभ

घर के लोगों से अपना व्यवहार अच्छा रखें। जरूरत की वस्तु को प्राप्त करने के लिये संघर्ष करना पड़ेगा। काम करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता है।

मीन

आय के स्रोतों में कमी आ सकती है। रक्तचाप के रोगियों को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिये। ज्यादा मसालेदार और गरम भोजन का सेवन न करें।

वास्तु के हिसाब से लगाएं नए साल का कैलेंडर, घर भर जायेगा खुशियों और धनदौलत से !

नए साल के आगमन से पहले लगभग सभी घरों में नया कैलेंडर आ ही जाता है, हालांकि इसे लगाने के सही नियम हर कोई नहीं जानता। अगर आप वास्तु के अनुसार कैलेंडर लगाते हैं तो आपके घर मे खुशियों को आने से कोई नहीं रोक सकता। नए साल का कैलेंडर केवल एक समय का संकेतक नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बन सकता है, इसे सही स्थान पर लगाना आपके जीवन में समृद्धि, शुभता और सकारात्मक ऊर्जा ला सकता है। यहां नकैलेंडर को रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण वास्तु टिप्स दिए गए हैं।

कैलेंडर का सही स्थान चुनें

उत्तर दिशा धन और समृद्धि का प्रतीक है, पूर्व दिशा प्रगति और नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करती है। कैलेंडर को इन दिशाओं में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। ऑफिस या कार्यस्थल पर कैलेंडर को उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं। इससे सफलता और तरक्की के अवसर बढ़ते हैं।

साफ और खुला स्थान चुनें

कैलेंडर ऐसी जगह लगाएं जहां वह स्पष्ट और आसानी से दिखे। दरवाजे के पीछे या छिपी हुई जगह पर कैलेंडर न लगाएं। ध्यान रखें जिस दीवार पर कैलेंडर लगाना है उस पर किसी भी प्रकार की दरारें या गंदगी न हो। यह वास्तु दोष पैदा कर सकता है। कैलेंडर को आंखों के स्तर पर लगाएं ताकि यह आसानी से दिखाई दे।- बहुत ऊंचा या बहुत नीचे कैलेंडर भी वास्तु के हिसाब से सही नहीं माना जाता।

सकारात्मक चित्रों वाले कैलेंडर का चयन करें

प्राकृतिक दृश्यों जैसे सूरज, फूल, नदियां, या हरियाली वाले कैलेंडर का चयन करें। देवी-देवताओं की तस्वीर वाले कैलेंडर भी शुभ माने जाते हैं। हिंसा, सुनसान स्थान या उदासी दिखाने वाले चित्र वास्तु के लिए ठीक नहीं हैं। पुराना कैलेंडर रखने से समय के साथ रुकावटें और नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है। हर महीने कैलेंडर के पन्ने पलटना सुनिश्चित करें। कैलेंडर पर महत्वपूर्ण तिथियां, लक्ष्य और शुभ कार्यों की योजना लिखें। यह आपके जीवन में अनुशासन और समृद्धि लाएगा।

कैलेंडर को मुख्य दरवाजे के सामने न लगाएं

मुख्य दरवाजे के ठीक सामने कैलेंडर लगाने से घर की ऊर्जा बाहर जा सकती है। इसे ऐसी जगह पर लगाएं जहां यह मुख्य द्वार से दूर हो। कैलेंडर के पास सही समय दिखाने वाली घड़ी यह छोटे हरे पौधे रख सकते हैं।

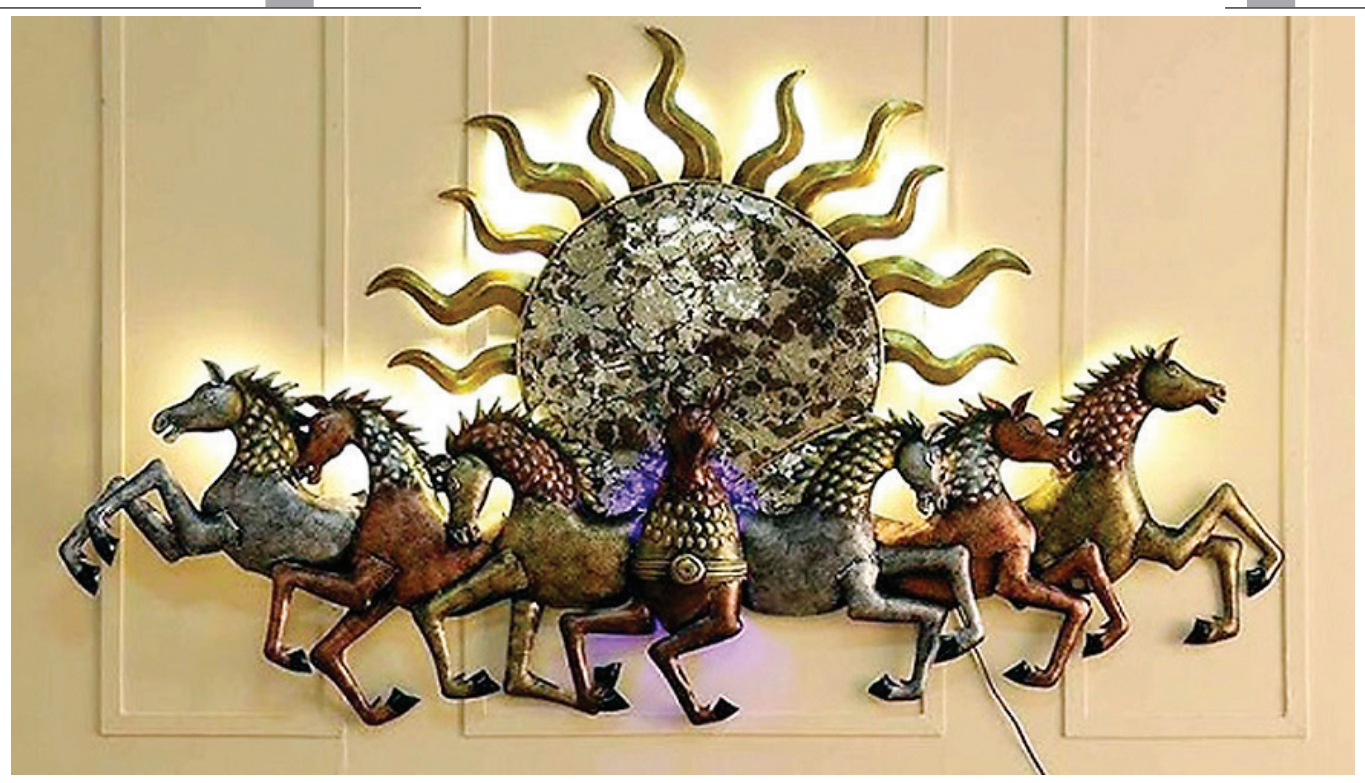

घर में लगाई ये 6 पेंटिंग्स बदल सकती हैं आपकी जिंदगी !

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर या ऑफिस की सजावट में इस्तेमाल की जाने वाली पेंटिंग्स का गहरा असर हमारी लाइफ पर पड़ता है। सही पेंटिंग्स से घर में पॉजिटिव एनर्जी लेकर आती है, जो जीवन में समृद्धि, शांति और सफलता लाने में मदद कर सकती है। आइए जानते हैं उन 6 पेंटिंग्स के बारे में जिनके बारे में कहा जाता है कि वे आपकी जिंदगी को बदल सकती हैं

मोर की पेंटिंग

मोर को शुभ और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसकी पंखों में पॉजिटिव एनर्जी होती है। मोर की पेंटिंग घर में प्रेम, शांति और समृद्धि को आकर्षित करती है। इसे उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना अच्छा होता है, जिससे घर में शांति और खुशी बनी रहती है। यह पेंटिंग रिश्तों को भी मजबूत बनाती है।

7 दौड़ते घोड़े की पेंटिंग

वास्तु शास्त्र के अनुसार, 7 दौड़ते घोड़े की पेंटिंग घर या ऑफिस में पॉजिटिव एनर्जी को बढ़ाती है। घोड़े को शक्ति और तेजी का प्रतीक माना जाता है। यह पेंटिंग सफलता, समृद्धि, और मानसिक शांति को आकर्षित करने में मदद करती है। इसे मुख्य द्वार के पास या उत्तर दिशा में लगाना अच्छा माना जाता है।यह जीवन के हर पहलू में तरक्की को बढ़ावा देती है

वाटरफॉल की पेंटिंग

वॉटरफॉल की पेंटिंग घर में धन और संपत्ति को आकर्षित करती है। पानी को समृद्ध और जीवन के राह का प्रतीक माना जाता है। वाटरफॉल की तस्वीर घर में पॉजिटिव एनर्जी का आना बढ़ाती है और जीवन में खुशहाली लाती है। इसे मुख्य द्वार के पास या दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना शुभ होता है।

कमल की पेंटिंग

कमल का फूल तरक्की और शांति का प्रतीक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कमल की पेंटिंग घर में पॉजिटिविटी लाती है और मन को शांति भी देती है। इसे घर के पूजा स्थान या दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना सही होता है। यह पेंटिंग मानसिक शांति और सफलता के रास्ते को खोलती है।

बुद्ध की पेंटिंग

बुद्ध की पेंटिंग घर में शांति और संतुलन को बढ़ावा देती है। यह पेंटिंग मानसिक शांति, ध्यान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है। इसे घर के पूजा स्थान या दिमागी शांति के लिए बेडरूम में लगाया जा सकता है। बुद्ध की पेंटिंग नेगेटिव विचारों को खत्म करने और पॉज़िटिव एनर्जी को बढ़ाने में मदद करती है। सही दिशा और सही पेंटिंग्स से आप अपने घर और ऑफिस में पॉजिटिव एनर्जी को बढ़ा सकती हैं, जो आपकी लाइफ को बेहतर बना सकता है।

पहाड़ की पेंटिंग

पहाड़ की पेंटिंग को मजबूत, स्थिर और आत्मविश्वास का निशान माना जाता है। यह पेंटिंग जीवन में मुश्किलों का सामना करने की शक्ति देती है और हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। इसे घर के उत्तर दिशा में लगाना अच्छा होता है, क्योंकि यह जीवन में सफलता और मानसिक संतुलन को बढ़ावा देती है।

पैसों की कमी नहीं होने देता पीकॉक प्लांट , घर में इसे लगाते ही बदल जाता है पूरा वातावरण

पीकॉक यानी कि मोर के बारे में तो हमने बहुत कुछ सुना है लेकिन आज हम आपको पीकॉक प्लांट के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी जानकारी हर किसी को नहीं है। पीकॉक प्लांट जिसे कलेथेआ भी कहा जाता है एक सुंदर इनडोर पौधा है जो अपनी अनोखी पत्तियों की वजह से आकर्षण का केंद्र बनता है। इसकी पत्तियां मोर के पंखों की तरह दिखती हैं, इसलिए इसे पीकॉक प्लांट कहा जाता है। यह पौधा न केवल आपके घर की शोभा बढ़ाता है, बल्कि इसे घर में लगाने के कई फायदे भी हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

पीकॉक प्लांट की खासियत

इसकी पत्तियों के अनोखे डिजाइन और रंगों की वजह से यह पौधा बेहद खूबसूरत दिखता है। पत्तियों पर गहरे हरे, हल्के हरे, सफेद और कभी-कभी बैंगनी रंग के पैटर्न होते हैं। यह पौधा हवा को शुद्ध करने में मदद करता है और आपके घर में ताजी और साफ हवा बनाए रखता है। यह हानिकारक रसायनों को अवशोषित करने में सक्षम है। पीकॉक प्लांट को कम रोशनी वाले स्थानों में भी उगाया जा सकता है, जिससे यह इनडोर पौधों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह पौधा नमी पसंद करता है, जिससे यह आपके घर की हवा में नमी बनाए रखने में मदद करता है, खासकर सूखे मौसम में। यह पौधा दिन में पत्तियों को फैलाता है और रात में उन्हें बंद कर लेता है, जिसे देखकर आपको एक जिंदा पौधे का अनुभव होता है।

पीकॉक प्लांट को घर में कैसे लगाएं

यह पौधा हल्की और अच्छी ड्रेनेज वाली मिट्टी में अच्छे से बढ़ता है। मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए मिश्रण में कोको पीट और वर्मीकुलाइट मिलाएं। पीकॉक प्लांट को नियमित पानी की जरूरत होती है, लेकिन मिट्टी को बहुत अधिक गीला न रखें। मिट्टी की ऊपरी सतह सूखने पर ही पानी दें। इसे अप्रत्यक्ष रोशनी में रखें। सीधी धूप से बचाएं क्योंकि इससे पत्तियां जल सकती हैं। पौधे को नमी की जरूरत होती है, इसलिए इसे नियमित रूप से स्प्रे करें या पास में पानी से भरी कटोरी रखें। यह पौधा 18-24 डिग्री सेल्सियस तापमान में अच्छा उगता है। इसे ठंडी हवा या गर्म हवा से बचाएं।

पीकॉक प्लांट क्यों लगाना जरूरी है

यह पौधा आपके घर के वातावरण को शुद्ध करता है, जिससे आप ताजी और स्वस्थ हवा में सांस ले सकते हैं। अपने अनोखे पत्तों के डिजाइन और रंगों की वजह से यह घर की सजावट को बढ़ाने में मदद करता है। पौधों के संपर्क में रहने से मानसिक शांति मिलती है और तनाव कम होता है। हवा को शुद्ध करने के कारण यह आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

पीकॉक प्लांट के रंग

पीकॉक प्लांट की पत्तियां कई रंगों में होती हैं, जैसे-
- गहरा हरा और हल्का हरा
- बैंगनी (पत्तियों के नीचे)
- सफेद या क्रीम रंग की धारियां
- कुछ किस्मों में गुलाबी रंग की धारियां भी होती हैं

घर में पीकॉक प्लांट लगाना शुभ क्यों माना जाता है

पीकॉक प्लांट को वास्तु शास्त्र में शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इसे लगाने से मां लाक्ष्मी खुश होती हैं, और इससे धन की कभी कमी नहीं होती। फेंगशुई के अनुसार, यह पौधा घर में शांति और समृद्धि लाता है। अपने अनोखे रंगों और पत्तियों की वजह से यह पौधा घर में सौंदर्य और शांति का माहौल बनाता है। पीकॉक प्लांट न केवल आपके घर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि यह स्वास्थ्य और वास्तु शास्त्र के दृष्टिकोण से भी फायदेमंद है। इसे सही तरीके से लगाकर और देखभाल करके आप अपने घर में एक सुंदर और शांत वातावरण बना सकते हैं।

झाड़ू और पोछे को रखें वास्तु के हिसाब से, घर में आएगी खुशहाली !

वास्तु शास्त्र में घर में रखी जाने वाली सभी चीजों को रखने की सही दिशा और उसके असर के बारे में बताया गया है। यदि घर का वास्तु सही हो तो घर में सदैव खुशहाली और समृद्धि रहती है, लेकिन घर का वास्तु बिगड़ने पर व्यक्ति को तरह-तरह की मुसीबतों का सामना भी करना पड़ सकता है। घर के वास्तु में घर के अंदर रखी गई सभी चीजें आती हैं, खासकर सफाई के सामान जैसे झाड़ू और पोछा, इनका सही स्थान रखने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और नेगेटिव एनर्जी दूर रहती है। आइए जानें, झाड़ू और पोछा को कहां रखना चाहिए, ताकि आपके घर में समृद्धि और सुख-शांति बनी रहे।

घर में झाड़ू और पोछा कहां नहीं रखना चाहिए?

वास्तु की मानें तो हमें घर की कुछ खास दिशाओं में भूलकर भी झाड़ू और पोछा नहीं रखना चाहिए। इन जगहों में घर का पूजा रूम, किचन, बेडरूम, बाथरूम शामिल है। झाड़ू या पोछे को इन जगहों में से कहीं पर भी रखना अशुभ माना गया है।बाथरूम को गंदगी और नेगेटिव एनर्जी का स्थान माना जाता है।किचन में भी इन चीजों को न रखें। किचन में रखने से घर में खुशहाली और समृद्धि की कमी हो सकती है।बेडरूम में इन वस्तुओं को न रखें, खासकर अगर आप कमरे में सो रहे हों तो। यह शांति और आराम में दिक्कत डाल सकता है। आपको इनमें से किसी भी जगह पर झाड़ू या पोछा नहीं रखना चाहिए।

कहां रख सकते हैं झाड़ू या पोछा

झाड़ू और पोछे को घर के मुख्य स्थान पर रखना अशुभ माना जाता है।एक्सपर्ट्स के अनुसार, झाड़ू और पोछे को दक्षिण-पश्चिम दिशा या उत्तर-पूर्व दिशा में रखना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा घर में ताजगी और पॉजिटिव एनर्जी को बढ़ावा देती है।झाड़ू को माता लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता है लेकिन कुछ विशेष अवसरों पर ही इसकी पूजा की जाती है। आम दिनों में झाड़ू को पूजा स्थान पर रखने में नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

झाड़ू और पोछे को साफ रखें

वास्तु के अनुसार, सफाई के सामान जैसे झाड़ू और पोछा हमेशा साफ और अच्छे स्थिति में होने चाहिए। गंदे या टूटे हुए झाड़ू और पोछे घर में नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करते हैं। इसलिए, इन्हें नियमित रूप से साफ करना जरूरी है।

आपको झाड़ू और पोछा क्यों छुपाना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, झाड़ू और पोछा को छुपाकर रखना चाहिए, क्योंकि ये सफाई के उपकरण होते हैं और इन्हें खुले स्थान पर रखने से घर में नेगेटिव एनर्जी का प्रवेश हो सकता है। जब इन वस्तुओं को नजरों से छुपा कर रखा जाता है, तो यह घर में पॉजिटिव एनर्जी को आकर्षित करता है और नेगेटिव प्रभावों को दूर करता है। यदि झाड़ू और पोछा खुले स्थान पर रखे जाएं, तो यह अशुद्धता और अव्यवस्था का प्रतीक बन सकते हैं, जो घर के माहौल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इन्हें एक बंद और सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए, ताकि घर की सकारात्मकता और शांति बनी रहे।

आराध्या की परवरिश को लेकर बोले अभिषेक बच्चन

बेटी की परवरिश और अपने निजी जीवन को लेकर अभिषेक बच्चन ने बात की है। उन्होंने कहा कि माता पिता हमेशा सबसे अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने पैरेंटिंग को लेकर अपना दृष्टिकोण पर विचार साझा किया। साथ ही उन्होंने युवा पीढ़ी की बदलती मानसिकता पर भी अपने विचार बताए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि माता-पिता सबसे अच्छे शिक्षक हैं या नहीं। मैं इस पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मुझे लगता है कि हमारी भावनाएं आड़े आती हैं। हमारे बच्चों की यह इच्छा कि वे सब कुछ सही करें और सफल हों और खुद को चोट न पहुंचाएं ऐसा नहीं हो सकता। हम अपने बच्चों के लिए जो सोचते हैं, उससे उन्हें भी नुकसान पहुंच सकता है।

माता-पिता से सीख मिली

अभिषेक बच्चन ने कहा कि मैंने अपने माता-पिता से जो कुछ भी सीखा उसे समझा। वह उनके व्यवहार को देखकर है, जरूरी नहीं कि उन्होंने मुझे जो बताया है, उससे ही सीखा है।卐 अभिषेक बच्चन ने कहा कि मेरे माता पिता ने हमेशा मुझे अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता दी। मैं खुद ये सोचता हूं, कि अगर परिस्थिति में मेरे पापा होते तो क्या करते। उसी हिसाब से मैं भी चीजें करता हूं।

परवरिश के लेकर बोले अभिषेक

आराध्या की परवरिश को लेकर अभिषेक ने कहा, मुझे लगता है कि आज की जनरेशन वाकई बहुत अलग है। उन्हें किसी भी तरह की पहले से चली आ रही चीजों को जरूरी समझने की जरूरत नहीं है, जैसे हम करते आ रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे ये काम बस इसलिए नहीं कर सकते कि उनके माता पिता ने ये काम नहीं किया या मना किया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि अगर माता पिता हैं, या कोई उम्र में बड़ा है तो जरूरी नहीं कि वह सही सलाह दे या हर बात का सही जवाब ही दें।

इस फिल्म में नजर आए अभिषेक बच्चन

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन को हाल ही में आई फिल्म आई वांट टू टॉक में देखा गया। हालांकि, यह फिल्म फैंस पर अपना कुछ खास जादू नहीं चला सकी थी। आई वांट टू टॉक अब ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। इसकी घोषणा खुद सुजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की।

फिल्म धूम धाम में प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं यामी गौतम

प्यार, हंसी और शादी की रस्मों से सजी फिल्म धूम धाम ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में यामी गौतम प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन ऋषभ सेठ ने किया है। फिल्म का प्रोडक्शन आदित्य धर और लोकेश धर ने किया है। फिल्म 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाली है।

ऐसी है फिल्म की कहानी

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की जोड़ी को फिल्म में देखा जाने वाला है। ये कहानी है कोयल और वीर की। वीर एक मम्मा बॉय है जो कि एक एनिमल डॉक्टर भी है। वहीं, यामी गौतम के किरदार कोयल चुलबुली सी लड़की है। फिल्म का टीजर आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ है। इसमें कोयल और वीर की लव स्टोरी में ड्रामा और कॉमेडी की मिली जुली झलक दिखाई दे रही है। फिल्म को लेकर आदित्य धर ने कहा कि वह कुछ अलग और मनोरंजक बनाना चाहते थे। जहां हंसी, एक्शन और रोमांस शामिल हो। फिल्म में फैंस को यामी और प्रतीक की जोड़ी देखने को मिलने वाली है।

इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की फिल्म धूम धाम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। ओरिजन फिल्म की निर्देशक रुचिका कपूर शेख ने कहा, धूम धाम एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जो शादी के दिन कुछ अलग सी ही चीजें लेकर आता है। इस फिल्म के जरिए हम अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकेंगे।

बॉलीवुड में करियर बनाना चाहते हैं यशवर्धन

बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राशा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहूजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी अनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं।

पिता के नक्शेकदम पर यशवर्धन

दरअसल, कथित तौर पर फिल्म निर्माता अपनी रोमांटिक फिल्म के लिए नए चेहरा चाहते हैं, जिसके चलते बाबिल खान और यशवर्धन आहूजा को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है। अल्लू अरविंद और एसकेएन फिल्म्स के सहयोग से मधु मंटेना द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन साई राजेश करेंगे, जो कलर फोटो, हृदय कलेयम और बेबी जैसी बेहतरीन तमिल फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

धूम 4 की स्टार कास्ट फाइनल? अभिषेक बच्चन को विक्की कौशल ने किया रिप्लेस

बॉलीवुड की एक्शन ड्रामा फिल्म धूम 4 को लेकर अटकलें लगाई जा रही है कि इस फिल्म में नई स्टार कास्ट को फाइल कर लिया है। अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा के रोल में कथित तौर पर इस बार बॉलीवुड के ये स्टार्स नजर आएंगे। धूम 4 में विक्की कौशल इस फ्रैंचाइजी में शामिल हो सकते हैं और अभिषेक की जगह ले सकते हैं। धूम 4 में रणबीर कपूर मुख्य खलनायक की भूमिका में होंगे। हालांकि जूनियर बच्चन की जगह कोई और ले सकता है, लेकिन उदय चोपड़ा की जगह कौन ले सकता है? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल ने वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा से मुलाकात की, जिन्होंने अभिनेता को दो प्रोजेक्ट्स में कास्ट करने के लिए कहा है, जिनमें से एक धूम 4 है। विक्की को अभिषेक बच्चन (एसीपी जय दीक्षित) की पुलिस वाले की भूमिका मिलेगी। धूम 4 के अलावा, विक्की को आलिया भट्ट की अल्फा में भी देखा जा सकता है। बहरहाल, अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

हॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्रियों के बराबर हैं बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश अदाकारा मौनी रॉय

मौनी रॉय को भारत की सबसे स्टाइलिश स्टार्स में से एक के रूप में तेज़ी से उभरना सरप्राइज से कम नहीं है। प्रेस इवेंट में चमकदार उपस्थिति से लेकर लंदन फैशन वीक में धूम मचाने और यहां तक कि इबीसा में आकर्षक हॉलिडे लुक पेश करने तक, मौनी की फैशन यात्रा ग्लोबल ट्रेंड और व्यक्तिगत आकर्षण का एक बेहतरीन मिश्रण दर्शाती है। जो चीज़ उन्हें अपने कई समकालीनों से अलग करती है, वह अपने विशिष्ट, फैशन-फ़ॉरवर्ड सौंदर्य के प्रति सच्चे रहते हुए सहजता से हॉलीवुड-स्तर के ग्लैमर को प्रसारित करने की उनकी क्षमता है। चाहे वह बोल्ड मोनोक्रोम सूट, रॉकिंग स्ट्रक्चर्ड कॉउचर गाउन, या जीवंत वेकेशन वियर को अपनाना हो, मौनी की पोशाक पसंद हमेशा सही केंद्र पर होती है। विस्तार पर उनकी पैनी नज़र, त्रुटिहीन एक्सेसरीज़ का चयन, और क्या काम करता है इसकी सहज समझ उन्हें हर जगह महिलाओं के लिए स्टाइल प्रेरणा बनाती है।

सहज फैशन - मौनी रॉय की फैशन पसंद सोफेस्टिकेशन, टाइमलेस और कॉन्टेंप्रोरी स्वभाव के बीच एक आदर्श संतुलन दर्शाती है। चाहे वह रेड कार्पेट इवेंट हो या इबीसा में छुट्टी पर एक आकस्मिक दिन, उनका लुक शानदार, ठाठदार और हमेशा अंतरराष्ट्रीय रुझानों के साथ तालमेल में होता है, जो उन्हें अपने साथियों के बीच अलग बनाता है।

हॉलीवुड आइकॉन के बराबर रेड कार्पेट ग्लैमर - कान्स के ग्लैमर को उजागर करने वाले शानदार गाउन से लेकर हॉलीवुड के सर्वश्रेष्ठ संरचित एलबीडी तक, मौनी की रेड कार्पेट उपस्थिति अनुग्रह और शिष्टता में एक मास्टरक्लास होते है। वह सुनिश्चित करती हैं कि उनका लुक विश्व स्तर पर प्रासंगिक और इंस्टाग्राम-योग्य हो।

रुझानों के प्रति एक साहसी दृष्टिकोण - हॉलीवुड के ट्रेंडसेटरों की तरह, मौनी प्रेस मीट, मूवी स्क्रीनिंग और डेट नाइट्स में फैशन-फ़ॉरवर्ड शैलियों के साथ प्रयोग करने में निडर हैं। उन्होंने विविध सौंदर्यशास्त्र को अपनाने में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए, बोल्ड मोनोक्रोमैटिक पावर सूट से लेकर अलौकिक लहंगे तक सब कुछ सफलतापूर्वक किया है।

बेदाग स्टाइल और बारीकियों पर ध्यान - मौनी अपने लुक को सटीकता के साथ तैयार करती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर चीज़- बाल और मेकअप से लेकर पोशाक समन्वय तक - सहजता से फिट बैठता है और एक कहानी कहता है। विस्तार पर उनका बहुत ध्यान और उच्च गुणवत्ता वाली टेलरिंग के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें हॉलीवुड के अभिजात वर्ग की तुलना में एक शानदार बढ़त देती है।

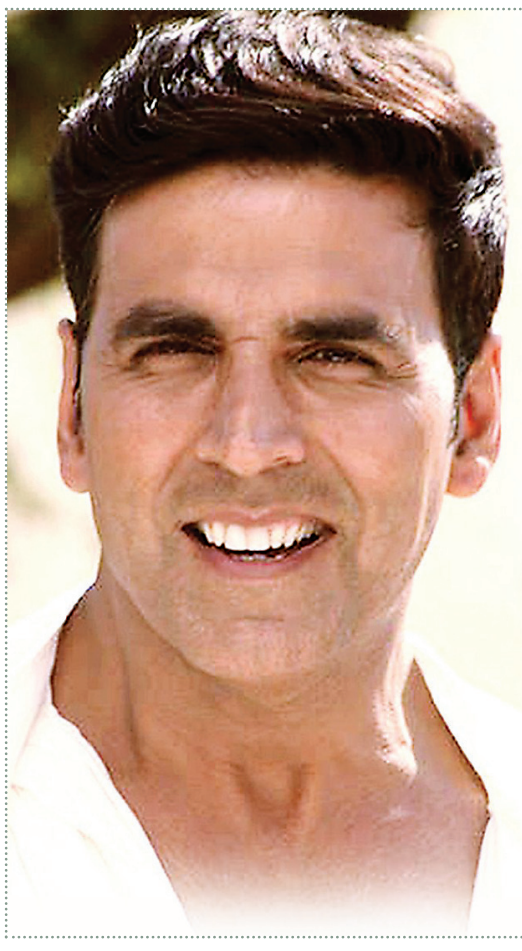

साउथ फिल्म कन्नप्पा में महादेव के किरदार में नजर आएंगे अक्षय कुमार

साउथ फिल्म कन्नप्पा का एलान पिछले साल हुआ था। फिल्म से लगातार हर एक अभिनेता का लुक सामने आ चुका है। विष्णु मांचू से लेकर माता पार्वती के किरदार में काजल अग्रवाल का लुक भी सामने आ चुका है। वहीं आज कुछ ही देर पहले अक्षय कुमार का महादेव के रुद्र अवतार में लुक जारी किया गया है। इस लुक के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। इन दिनों अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज फिल्म निर्माताओं ने साउथ फिल्म कन्नप्पा से अक्षय कुमार के लुक का एक पोस्टर जारी किया है, जिससे साफ हो गया है कि अक्षय कुमार फिल्म में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। कन्नप्पा मूवी से अक्षय कुमार का फुल लुक सामने आ चुका है। वह कन्नप्पा में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में खिलाड़ी कुमार एक हाथ में त्रिशूल और एक हाथ में डमरू लिए हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही उनके माथे पर भस्म लगी हुई है। भगवान शिव के अवतार में उन्हें एक बार फिर से देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। इस फिल्म से पहले अक्षय फिल्म ओ माय गॉड में भगवान शिव की भूमिका निभा चुके हैं। अक्षय कुमार ने कन्नप्पा से अपना लुक शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, कन्नप्पा के लिए महादेव की पवित्र आभा में कदम रखते हुए। इस महाकाव्य कथा को जीवंत करने का गौरव प्राप्त हुआ है। भगवान शिव इस दिव्य सफर में हमारा मार्गदर्शन करें। ओम नमः शिवाय।

मोहन बाबू निर्मित कन्नप्पा में लीड रोल में विष्णु मांचू निभा रहे हैं। भगवान शिव पर आधारित पौराणिक फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथकुमार, मधु, मोहन बाबू, काजल अग्रवाल और ब्रह्मनंदन जैसे सितारे अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दलपति 69 के बाद एक और फिल्म करेंगे विजय? आधिकारिक घोषणा का इंतजार

दलपति विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दलपति 69 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, पहले यह जानकारी सामने आई थी कि इस फिल्म को पूरी करने के बाद वह फिल्मों से संन्यास ले लेंगे, लेकिन अब जानकारी के अनुसार दलपति 70 भी आ सकती है, जिसने प्रशंसकों की उत्सुक्ता को और अधिक बढ़ा दिया है।

विजय की अगली फिल्म का नाम दलपति 70 हो सकता है?

कथित तौर पर पिछले साल विजय ने अपने प्रशंसकों से कहा था कि दलपति69 के सिनेमाघरों में आने के बाद वह फिल्में छोड़ देंगे और सक्रिय राजनीति में अधिक समय बिताएंगे। लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दलपति 69 के बाद दलपति70 में भी नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह विजय के प्रशंसकों के लिए बहुत बड़ी सौगात होगी। पिछले कुछ दिनों से, अटकलें लगाई जा रही हैं कि विजय अपनी 70वीं फिल्म में अभिनय करने पर विचार कर रहे हैं। जाहिर है, अभिनेता ने अपने द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम निर्देशक वेंकट प्रभु से अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए स्क्रिप्ट लिखने के लिए कहा है। तमिल प्रोडक्शन हाउस 7 स्क्रीन स्टूडियो, जिसने विजय की मास्टर और लियो को बनाया था, दलपति 70 को बनाएगा। कहने की जरूरत नहीं है कि विजय के प्रशंसक चल रही चर्चा से बहुत खुश हैं, और वे इस आगामी परियोजना के बारे में आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिस बैंक में सरकार बेचेगी हिस्सेदारी उसे 31 प्रतिशत का हुआ प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट 31 प्रतिशत बढ़कर 1,908 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी कंट्रोल्ड बैंक का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में नेट प्रॉफिट 1,458 करोड़ रुपये रहा था। आईडीबीआई बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 8,565 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 7,514 करोड़ रुपये थी। इस बीच, बैंक के शेयर आज इंट्रा डे में 4 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 87.51 रुपये पर पहुंच गए थे। बता दें कि आईडीबीआई बैंक में सरकार अपनी हिस्सेदारी बेचने जा रही है और खबर है कि इसे बेचने से जुड़ी प्रक्रिया आखिरकार फाइनल स्टेज में पहुंच गई है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 6,541 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,816 करोड़ रुपये हो गई। समीक्षाधीन अवधि में शुद्ध ब्याज आय भी सालाना आधार पर 3,435 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,228 करोड़ रुपये हो गई। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 31 दिसंबर, 2024 को सुधरकर 3.57 प्रतिशत हो गया, जो 31 दिसंबर, 2023 को 4.69 प्रतिशत था। परिणामस्वरूप, प्रावधान और आकस्मिक मद में खर्च अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में घटकर 166 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में 320 करोड़ रुपये था। बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात दिसंबर, 2024 के अंत में बढ़कर 21.98 प्रतिशत हो गया। निदेशक मंडल ने आईडीबीआई बैंक की 100 रुपये प्रति शेयर फेस वैल्यू वाली 8,54,000 की पूरी हिस्सेदारी की ह्रास को भी मंजूरी दे दी। यह बैंक की सहयोगी कंपनी पांडिचेरी औद्योगिक संवर्धन विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड (पीआईपीडीआईसी) में 21.14 प्रतिशत शेयरधारिता के बराबर है। सरकार के पास आईडीबीआई बैंक में 45 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है और वह अपनी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। यह प्रक्रिया अगले वित्त वर्ष 2025-26 में गति पकड़ सकती है। इस बीच, जीवन बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी रणनीतिक हिस्सेदारी रखने की इच्छुक है।

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने चौथे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया, 220 डिग्रियां प्रदान की

नई दिल्ली, एजेंसी। रचनात्मक क्षेत्र में शिक्षा के लिए समर्पित भारत की प्रथम युनिवर्सिटी- वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) ने हरियाणा में सोनीपत कैंपस में अपने चौथे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) के वाइस चेयरमैन श्री समीप शास्त्री इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे जहां 220 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। यह दीक्षांत के उपरांत डिजाइन के विविध क्षेत्रों से विद्यार्थी इन डिग्रियों के साथ पेशेवर जीवन में उतरेंगे। उन्हें डिजाइन के संबंध में शपथ दिलाई गई और इस तरह से वे अपनी पेशेवर यात्रा पर निकले। ज्ञान और वैश्विक परिदृय के साथ ये स्नातक डिजाइन उद्योग के भविष्य को आकार देने को तैयार हैं। वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने रचनात्मक क्षेत्र की तीन हस्तियों को मानद डाक्टरेट उपाधि से भी सम्मानित किया जो उनकी उत्कृष्टता को रेखांकित करता है। इनमें आधुनिक शिल्पकार के.एस. राधाकृष्णन, एक एंथ्रोपॉलिजकल फिल्म निर्माता बप्पा रे और एक दूरदृष्टा आर्किटेक्ट और शिक्षक अशोक बी. लाल शामिल हैं। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) के वाइस चेयरमैन श्री संदीप शास्त्री ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा।

एपीएफबीसी को फ्लिपकार्ट 'समर्थ' पार्टनर के रूप में जोड़ा जाएगा

गुवाहाटी एजेंसी। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने असम प्रोजेक्ट ऑन फॉरेस्ट्स एंड बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन (एपीएफबीसी) के साथ मिलकर एक ओरिएंटेशन एवं ऑनबोर्डिंग वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप का लक्ष्य एपीएफबीसी द्वारा बनाए गए क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) एवं स्वयं सहायता समूहों को फ्लिपकार्ट 'समर्थ' प्रोग्राम के बारे में महत्वपूर्ण इनसाइट्स एवं जानकारियां प्रदान करते हुए सशक्त करना, इस प्रोग्राम से उद्यमियों को मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करना, उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का लाभ उठाने में सक्षम बनाना और देशव्यापी बाजार तक पहुंच प्रदान करना है। एपीएफबीसी को समर्थ पार्टनर के रूप में जोड़ा जाएगा, जिससे उत्पादों की बिक्री करते हुए इससे संबद्ध स्वयं सहायता समूहों और सीएलएफ के लिए आजीविका के अवसर सृजित होंगे। वर्कशॉप का आयोजन गुवाहाटी, असम के अरण्य भवन में 20 जनवरी को किया गया। इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से आर्थिक सशक्तीकरण पर फोकस किया गया। इस वर्कशॉप के दौरान असम प्रोजेक्ट ऑन बायोडायवर्सिटी एंड फॉरेस्ट्स कंजर्वेशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री अनुराग सिंह, असम प्रोजेक्ट ऑन डायवर्सिटी एंड फॉरेस्ट्स कंजर्वेशन के एक्टिविटी डायरेक्टर श्री सनी देव चौधरी, फ्लिपकार्ट के अधिकारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा असम प्रोजेक्ट ऑन फॉरेस्ट्स एंड बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन के साथ हमारी साझेदारी देशभर में डिजिटल समावेश को बढ़ावा देने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस साझेदारी के माध्यम से हमारा लक्ष्य कारीगरों एवं उद्यमियों के लिए सार्थक आर्थिक अवसर सृजित करना और उन्हें ई-कॉमर्स की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम बनाना है। फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्राम के माध्यम से हम डिजिटल इकोनॉमी और वंचित समुदायों के बीच की दूरी को कम करने और इसके माध्यम से उन्हें सतत आजीविका सृजन एवं विकास में सक्षम बनाने के लिए काम कर रहे हैं। सही टूल्स, गाइडेंस और सपोर्ट के माध्यम से फ्लिपकार्ट लघु एवं मध्यम उद्यमों को समावेशी विकास के भारत के सफर का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने में सक्षम बना रहा है। डिजिटल सशक्तीकरण पर केंद्रित वर्कशॉप के दौरान गुवाहाटी के कारीगरों, बांस व लकड़ी के उत्पाद निर्माताओं और बुनकरों समेत विभिन्न उपस्थित लोगों से संवाद किया गया। प्रतिभागियों को फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्राम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं और प्रोडक्ट लिस्टिंग से लेकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रभावी तरीके से कारोबार करने के तरीकों समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

टाटा पावर ईज़ी चार्ज ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अपने व्यापक ईवी चार्जिंग समाधान प्रदर्शित किए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ईवी चार्जिंग समाधान प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी टाटा पावर ईज़ी चार्ज ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अपने विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क और विभिन्न ग्राहक सेगमेंट में अपनी विभिन्न उत्पाद सेवाओं-सुविधाओं का प्रदर्शन करते हुए सभी का ध्यान आकर्षित किया।

भारत में ज़्यादा से ज़्यादा लोग ईवी को बहुत ही आसानी से अपना सकें इसके लिए तकनीकी नवाचार, हरित ऊर्जा एकीकरण और रणनीतिक नेटवर्क विस्तार के बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ प्रयास करने के लिए टाटा पावर ईज़ी चार्ज प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में, उन्होंने अपनी इस अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कंपनी के ईवी चार्जिंग समाधान शहरों में कई प्रमुख स्थानों, आवासीय सोसाइटियों, राजमार्गों, वाणिज्यिक केंद्रों और भी कई स्थानों पर उपलब्ध कराए गए हैं। विशाल चार्जिंग नेटवर्क ईवी यूज़र्स की रेंज की चिंता को दूर करता है।

पैसेंजर कार, बसें, ट्रकों, फ्लीट और कई अलग-अलग सेगमेंट के लिए उपयुक्त उत्पाद सेवा-सुविधाएं कंपनी ने यहां प्रदर्शित की हैं।

इस कार्यक्रम में मुख्य फोकस में है कंपनी का ईज़ी चार्ज मोबाइल ऐप, जिसमें यूज़र्स को रियल टाइम अपडेट मिलते हैं, वे चार्जर को लोकेट कर सकते हैं, उपलब्धता जांच सकते हैं और चार्जिंग सेशन को बहुत ही आसानी से मैनेज कर सकते हैं। यूज़र्स को सशक्त बनाने वाला यह ऐप ईवी मालिकों के लिए रेंज की चिंता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टाटा पावर के विशाल ईवी चार्जिंग नेटवर्क में अब 550 शहरों और कस्बों में 5,500 से ज़्यादा सार्वजनिक चार्जर हैं, साथ ही 120,000 से ज़्यादा होम चार्जर और 1,100 बस चार्जिंग पॉइंट भी हैं।

भारत के 550 से ज़्यादा राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख महानगरों, व्यावसायिक केंद्रों, पर्यटन और धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों पर, प्रमुख स्थानों पर अपनी बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराकर यह कंपनी ईवी मालिकों के लिए लंबी दूरी की निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करती है।

भारत में पहली बार 'मेड इन इंडिया' पहली बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉंग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक की पेशकश

मुंबई, एजेंसी। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने ऑटो एक्सपो 2025 में पहली बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉंग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक लॉन्च की है। बीएमडब्ल्यू एक्स1 लॉंग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक बीएमडब्ल्यू द्वारा निर्मित पहली इलेक्ट्रिक वाहन बन गई है जो 'मेड इन इंडिया' है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप प्लांट चेन्नई में स्थानीय रूप से निर्मित बीएमडब्ल्यू एक्स1लॉंग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक विशेष रूप से ड्राइव 20 एल ड्राइवट्रेन में उपलब्ध है।

विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट और सीईओ, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा, आज, बीएमडब्ल्यू इंडिया ने पहली बीएमडब्ल्यू एक्स1लॉंग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक के साथ भारतीय प्रीमियम ऑटोमोटिव सेगमेंट में हलचल मचा दी है। यह बड़ी है, यह एसयूवी है, यह ईवी है और यह बीएमडब्ल्यू है। बीएमडब्ल्यू एक्स1लॉंग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक हर दिन आपके मनचाहे तरीके से छा जाने के लिए तैयार है। एक ही पैकेज में व्यावहारिकता और सस्टेनेबिलिटी मुहैया करने वाली यह शानदार पेशकश आपकी पहली बीएमडब्ल्यू के रूप में स्पष्ट पसंद होगी। पहली बीएमडब्ल्यू एक्स1लॉंग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक जगह, आराम और बहुआयामी होने के मामले में सबसे आगे है और रोजमर्रा की जरूरतों के साथ, यह नए भारत की बढ़ती आकांक्षाओं के लिए एकदम सही जवाब है।

बीएमडब्ल्यू की पहली 'मेड इन इंडिया' ईवी, एक्स1लॉंग व्हीलबेस नवाचार और उत्कृष्टता के एक नए युग की शुरुआत है। पावाह ने आगे कहा कि, 'पहली एक्स1लॉंग व्हीलबेस जीवन में आगे रहने और समझौता नहीं करने वाले आधुनिक जीवनशैली वाले लोगों के लिए उपयुक्त है। एक संपूर्ण अनुभव प्रदान करने के लिए बीएमडब्ल्यू इंडिया बढ़िया वित्तीय समाधान के साथ ही एक व्यापक ईवी परितंत्र भी स्थापित कर रहा है जिसमे डेस्टिनेशन चार्जिंग, स्मार्ट ई- रूटिंग, चार्जिंग कॉनसियर्ज जैसी कई सुविधाएं शामिल हैं।

भारत के लगभग 10 में से 9 सीईओ आर्थिक विकास के प्रति आश्वस्त

उन्होंने बनाई कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि और एआई का इस्तेमाल जारी रखने की योजना, भारत के संदर्भ में पीडब्ल्यूसी का वार्षिक वैश्विक सीईओ सर्वेक्षण जारी

दावोस, एजेंसी। एक तरफ ग्लोबल लीडर्स दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में 'कोलाब्रेशन इन द इंटेलिजेंट एज' विषय पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पीडब्ल्यूसी ने आज यहां 28वां वार्षिक ग्लोबल सीईओ सर्वेक्षण जारी किया। खास तौर पर भारत के संदर्भ में जारी इस सर्वे में ग्लोबल इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और रीइन्वेंशन के भविष्य को आकार देने में देश द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया है। इस सर्वेक्षण में 109 देशों के 4,700 से अधिक सीईओ शामिल थे, जिनमें से 75 से अधिक भारत से थे। सर्वेक्षण के अनुसार भारत के 87 प्रतिशत सीईओ देश की आर्थिक वृद्धि को लेकर उत्साहित नजर आते हैं, जो वैश्विक औसत 57 प्रतिशत से अधिक है, जबकि 74 प्रतिशत सीईओ अगले तीन वर्षों में अपनी-अपनी कंपनियों की राजस्व वृद्धि को लेकर बहुत आश्वस्त हैं। वृहद परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, व्यापार करने में बेहतर आसानी (ईओडीबी), इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित विकास और इसका युवा और कुशल कार्यबल निवेशकों को लगातार आकर्षित कर रहे हैं। हालांकि कुछ चुनौतियों के कारण यह आत्मविश्वास कम हो गया है। इनमें से, भारत के सीईओ के लिए तकनीकी बदलाव सबसे ऊपर है, इसके बाद मैक्रोइकोनॉमिक अस्थिरता और मुद्रास्फीति, और कुशल श्रम की कम उपलब्धता जैसी चुनौतियां हैं। भारत के सीईओ ने अपनी कंपनी का आर्थिक स्तर कम होने के पीछे तेजी से बदलती टैक्नोलॉजी को भी शीर्ष दो कारणों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया।

एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने 31 दिसंबर को समाप्त नौ महीनों के लिए 2,007 करोड़ रुपये का प्रॉफिटआफ्टरटैक्स दर्ज किया

जो 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त नौ महीनों की तुलना में 14 फीसदी की वृद्धि है

31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही के लिए समेकित पैट 626 करोड़ रुपये रहा

मुंबई, एजेंसी। देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक एलएंडटी फाइनेंस लि. (एलटीएफ) का समेकित पैट चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीने में बढ़कर 2,007 करोड़ रुपये पहुंच गया। यह एक साल पहले की तुलना में 14 फीसदी अधिक है। वहीं, दिसंबर, 2024 तिमाही में कंपनी का समेकित पैट626 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही के लिए 15,210 करोड़ रुपये का तिमाही रिटेलडिसबर्समेंट दर्ज किया है, जो पिछले साल की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। तिमाही के दौरान रिटेलबुक का आकार 92,224 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 23 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा, कंपनी के ग्राहक केंद्रित प्लानेट एप ने 31 दिसंबर, 2024 तक 1.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड को पार कर लिया है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों से 13.8 लाख से अधिक डाउनलोड शामिल हैं। आज तक, इस चैनल ने 3,100 करोड़ रुपये से अधिक का संग्रह किया है और 10,500 करोड़ रुपये (वेब सहित) से अधिक की सोर्सिंग की है। यह एप ग्राहकों के लिए एक शक्तिशाली डिजिटल चैनल के रूप में उभरा है। वित्तीय नतीजों पर टिप्पणी करते हुए एलटीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री सुदीप्ता रॉय ने कहा, माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में कुछ मैक्रो (वृहद) चुनौतियों के बावजूद हमने स्थिति को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया है। हमें उम्मीद है कि अगली कुछ तिमाहियों में माहौल काफी बेहतर होगा। विश्वस्तरीय क्रेडिट अंडरराइटिंग और मॉनिटरिंगइंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की दिशा में हमारे निवेश एवं प्रयास निरंतर जारी हैं। इसी के अनुरूप हमारी नेक्स्ट जेनरेशन के थ्री डायमेंशनल क्रेडिट अंडरराइटिंग इंजन प्रोजेक्ट साइक्लॉप्स को टू-व्हीलर फाइनेंस में 100 फीसदी डीलरशिप तक बढ़ाया गया और फार्म इक्विपमेंट फाइनेंस व्यवसाय के लिए भी इसे चालू किया गया। कर्ज परिदृश्य में नवाचार की हमारी खोज में एलटीएफ ने अत्याधुनिक क्रेडिट समाधान विकसित कर पेश करने के लिए अमेजन पे के साथ एक रणनीतिक साझेदारी शुरू की। हमने अपने उपभोक्ताओं को सहज डिजिटल ऋण अनुभव प्रदान करते हुए पर्सनल लोन के लिए भी फोनपे के साथ साझेदारी का विस्तार किया।

एनएचसी फूड्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ में 384 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। विभिन्न कृषि उत्पादों, वस्तुओं और मसालों के अग्रणी निर्यातक एनएचसी फूड्स लिमिटेड ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही और नौ महीने के वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में कंपनी का पीएटी 384 प्रतिशत बढ़कर 208.33 लाख रुपए दर्ज किया गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 43.03 लाख रुपए था। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन से आय 58 प्रतिशत बढ़कर 7352.97 लाख रुपए हुई, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के में 4649.69 लाख रुपए थी। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, कंपनी का पीएटी 384 प्रतिशत बढ़कर 614.30 लाख रुपए हुआ है, जो पिछले वर्ष इसी समयावधि में 126.88 लाख रुपए था। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए परिचालन से आय 64 प्रतिशत बढ़कर 21,420 लाख रुपए हुई है, जो पिछले वर्ष 13,062 लाख रुपए थी। पिछली तीन तिमाहियों में, अस्थिर माहौल के बावजूद, एनएचसी फूड्स के प्रदर्शन ने कंपनी की टॉपलाइन और बॉटमलाइन दोनों पर मजबूत वृद्धि हासिल करने की उल्लेखनीय क्षमता दिखाई है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कंपनी 200.88 लाख, दूसरी तिमाही में 205.08 लाख और तीसरी तिमाही में 208.33 लाख रुपए का लाभ हुआ, जो पूरे वित्तीय वर्ष 2024 के लिए 234.74 लाख रुपए का मुनाफा पार कर गया है।

इन परिणामों पर बोलते हुए कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक सत्यम जोशी ने कहा कि तिमाही और नौ महीने की अवधि के दौरान एनएचसी फूड्स का प्रदर्शन चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद मजबूत टॉपलाइन और बॉटमलाइन विकास हासिल करने की असाधारण क्षमता को दर्शाता है। उत्पाद और बाजार विस्तार पर कंपनी का ध्यान वास्तव में उत्पादन, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान एवं विकास में रणनीतिक निवेश की ओर केंद्रित है, जो एक उज्ज्वल और टिकाऊ भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

महाकुंभ का उत्सव: कोका-कोला इंडिया की ताजगी, उद्देश्य और सामाजिक प्रभाव का संगम

लखनऊ, एजेंसी। कोका-कोला इंडिया और इसके बॉटलिंग पार्टनर एसएलएमजी बेवरेजेज महा कुंभ 2025 के अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। यह विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है, और कंपनी इसे हाइड्रेशन, उपभोक्ता सुविधा, और स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसरों के माध्यम से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखती है। कोका-कोला इंडिया का उद्देश्य करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए इस आयोजन को यादगार बनाना है, साथ ही सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव भी उत्पन्न करना। महा कुंभ क्षेत्र में मजबूत रिटेल और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के माध्यम से, कोका-कोला इंडिया और एसएलएमजी बेवरेजेज यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनके विविध पेय पोर्टफोलियो तक उपभोक्ताओं की पहुंच आसानी से हो। स्थानीय विक्रेताओं द्वारा संचालित हाइड्रेशन कार्ट, रणनीतिक रूप से लगाए गए कूलर्स, और फूड कोर्ट और रिटेल आउटलेट्स के साथ साझेदारी स्थानीय विक्रेताओं, अपशिष्ट प्रबंधन कार्यकर्ताओं, छोटे व्यवसायों और आजीविका का समर्थन करती है। इससे क्षेत्रीय विकास और रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। लबन्येंदु मिश्रा, ज़ोनल वाइस प्रेसिडेंट, साउथ यूपी ज़ोन, एसएलएमजी बेवरेजेज ने कहा, एसएलएमजी बेवरेजेज में, हमें उत्तर प्रदेश के इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक उत्सव के दौरान लाखों लोगों को ताजगी प्रदान करने में अहम भूमिका निभाने पर गर्व है।

पीएनसी-केकेआर 9,000 करोड़ रुपये का सौदा: एनएचएआई से 8 संपत्तियों की मंजूरी

मुंबई, एजेंसी। इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी पीएनसी इंफ्राटेक को एनएचएआई से बुंदेलखंड और खजुराहो सड़क परियोजनाओं के लिए दो सहायक कंपनियों (एसपीवी) में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी को केकेआर समर्थित हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट को ट्रांसफर करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इसके साथ, पीएनसी-केकेआर सौदा 31 मार्च 2025 तक पूरा होने की राह पर है क्योंकि पीएनसी इंफ्राटेक लेनदेन के लिए शर्तों (सीपी) को पूरा करने की प्रक्रिया में है। सौदे के तहत प्रमुख सीपी में से एक में हाइवे प्राधिकरणों से नियंत्रण अनुमोदन में बदलाव और परियोजनाओं के लिए ऋणदाताओं से अनापत्ति प्रमाण पत्र शामिल थे। पीएनसी ने अब 8 परिसंपत्तियों के लिए एनएचएआई से नियंत्रण में बदलाव की मंजूरी प्राप्त कर ली है, और 2 और परिसंपत्तियों के लिए मंजूरी जनवरी 2025 तक मिलने की उम्मीद है। लगभग सभी ऋणदाताओं से एनओसी भी प्राप्त कर ली गई है।

कंपनी इस वित्त वर्ष के अंत तक 12 संपत्तियों में से 10 के लिए सौदा पूरा करने में सक्षम होगी, जिसमें कुल सौदा मूल्य का 85 प्रतिशत शामिल होगा। बाकी 2 संपत्तियों का सौदा वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही तक पूरा हो जाएगा।

यह विनिवेश भारत सरकार द्वारा इस क्षेत्र के लिए उल्लिखित महत्वाकांक्षी विकास दृष्टिकोण का लाभ उठाने के लिए परिचालन सड़क परिसंपत्तियों में निवेश की गई पूंजी को रिसाइक्लिंग करने के कंपनी के रणनीतिक उद्देश्य के साथ जुड़ा हुआ है।

क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं डिविलियर्स, कहा- मैं अब भी खेल सकता हूं

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स थोड़ी मौज-मस्ती करने और अपने बच्चों को खुश करने के लिए इस तरह की क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं जहां आईपीएल जैसा दबाव नहीं हो और वह सहज होकर खेल सकें। डिविलियर्स ने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए नवंबर 2021 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था।

दक्षिण अफ्रीका के 40 वर्षीय पूर्व कप्तान अब चैरिटी और प्रसारण से संबंधित कार्यों से जुड़े हुए हैं। वह मौजूदा एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। लेकिन अपने यूट्यूब चैनल पर मेलिंडा फैरेल के साथ बातचीत में डिविलियर्स ने कहा कि वह फिर से क्रिकेट खेलना चाहते हैं। डिविलियर्स ने अपने तीन बच्चों का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं अब भी क्रिकेट खेल सकता हूं। इसकी कोई पुष्टि नहीं है। मेरे बच्चे मुझ पर थोड़ा दबाव डाल रहे हैं और मुझे लगता है कि मैं उनके साथ नेट्स पर जा सकता हूं। शायद मैं ऐसी क्रिकेट खेलूंगा जिसमें मैं सहज होकर खेल सकूं।

डिविलियर्स ने आईपीएल जैसी पेशेवर लीग के दायरे से बाहर की क्रिकेट में खेलने के संकेत दिए। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल या एसए20 जैसी लीग में खेलने की बात नहीं कर रहा हूं बल्कि ऐसी क्रिकेट की बात कर रहा हूं जिसमें सहज होकर खेला जा सके। मैं ऐसा अपने बच्चों की खुशी के लिए करना चाहता हूं। इससे मैं फिर से क्रिकेट का आनंद ले सकता हूं। डिविलियर्स ने 114 टेस्ट, 228 वनडे और 78 टी20 में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया। उनके नाम वनडे प्रारूप में सबसे तेज 50 (16 गेंद), 100 (31 गेंद) और 150 (64 गेंद) रन बनाने का रिकॉर्ड है।

नोवाक जोकोविच ने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर बढ़ाए कदम

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज को हराकर रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। सेमीफाइनल में जोकोविच के सामने शुक्रवार को अलेक्जेंडर ज्वेरेव की चुनौती होगी।

महिला वर्ग में पाउला बाडोसा ने कोको गाफ को बाहर का रास्ता दिखाया। गुरुवार को उनके सामने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका की चुनौती होगी। सबालेंका ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर लगातार तीसरा खिताब जीतने की तरफ कदम बढ़ाए।

पुरुष एकल में मैच का पहला सेट गंवाने वाले सैंतीस साल के जोकोविच के सामने उनसे 16 साल कम उम्र के युवा खिलाड़ी की चुनौती थी। इसके साथ ही वह बाएं पैर में खिंचाव के कारण मैच के बीच कई बार दर्द में दिखे लेकिन वह हर तरह की चुनौती से पार पाते हुए 4-6, 6-4, 6-3, 6-4 की जीत के साथ 12वीं बार मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। साढ़े तीन घंटे चले मुकाबले को जीतने के बाद कहा कि मैं बस यही चाहता हूं कि आज का यह मैच फाइनल हो।

महिला अंडर-19 विश्व कप

इंग्लैंड ने अमेरिका को 8 विकेट से हराया

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। डेविना पेरिन (74) और ट्रुडी जॉनसन (नाबाद 44) की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने बुधवार को अंडर-19 महिला टी-20 मुकाबले में अमेरिका को आठ विकेट से हरा दिया है। अमेरिका के 119 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर एरिन थॉमस (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी ट्रुडी जॉनसन ने डेविना पेरिन के साथ पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 117 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में पूजा शाह ने डेविना पेरिन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डेविना पेरिन ने 45 गेंदों में नौ

चौके और तीन छक्के लगाते हुये (74) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। ट्रुडी जॉनसन (44) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड ने 14.2 ओवर में दो विकेट पर 120 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। अमेरिका की ओर से माही माधवन और पूजा शाह को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिए थे। चेतना पग्यद्यला (10), इसानी वाघेल (10) और दिशा ढींगरा (छह) रन बनाकर आउट हुई। ऐसे समय मे कप्तान अनिका कोलन ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। रितू सिंह (20) रन बनाकर आउट हुई।

अनिका कोलन (46) और पूजा गणेश (10) रन बनाकर नाबाद रही। अमेरिका की महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 119 रन का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से प्रिशा थानावाला, ट्रुडी जॉनसन ने दो-दो विकेट लिये। टिली कॉर्टीन-कोलमैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

न्यूजीलैंड ने समोआ को 67 रनों से हराया

कुचिंग (मलेशिया) (एजेंसी)। ईव वोलैंड (48) रन की पारी के बाद ताश वेकलिन और ऋषिका जसवाल (तीन-तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को अंडर-19 महिला टी-20 मुकाबलों में समोआ को 67 रनों से शिकस्त दी।

107 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी समोआ की टीम का कोई भी बल्लेबाज न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे नही टिक सका। समाओ की पूरी टीम 14.2 ओवर में 40 के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। समाओ का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। न्यूजीलैंड की ओर से ताश वेकलिन और ऋषिका जसवाल ने तीन-तीन विकेट लिए। सोफी कोर्ट को दो विकेट मिले। हन्ना ओ'कॉनर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां समोआ महिला अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 12 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिए। इसके बाद अनिका टोड और ईव वोलैंड ने पारी को संभला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी हुई। 10वें ओवर में ए मापु ने अनिका टोड 19 गेंदों में (27) रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद समोआ के गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके।

रोहित को क्या करना है यह किसी को बताने की जरूरत नहीं : अजिंक्य रहाणे

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को कहा कि रोहित शर्मा को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना है और 'जब वह लय हासिल कर लेंगे तो उन्हें बड़ी पारी खेलने में कोई परेशानी नहीं आएगी । भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित लगभग एक दशक के अंतराल के बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी करेंगे।

मुंबई की टीम बृहस्पतिवार से यहां बीकेसी मैदान पर जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगी तो सभी की निगाहें रोहित और उनके भारत के सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल पर होंगी। रहाणे ने मुंबई के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, 'देखिए, रोहित, रोहित है। हम सभी यह जानते हैं। आपको भी पता है कि रोहित का व्यक्तित्व क्या है। मैं उन दोनों (रोहित और जायसवाल) को मुंबई के ड्रेसिंग रूम में वापस पाकर बहुत खुश हूं।

रहाणे ने कहा, 'रोहित कभी तनाव लेना पसंद नहीं करते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए भी उनका चरित्र वैसा ही है। उनका रवैया काफी सहज है। वह अपने खेल को अच्छी तरह से जानते हैं, इसलिए किसी को उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना है। वह एक बार क्रीज पर थोड़ा समय बिताने के बाद अच्छा करेंगे। उन्होंने खुद में कोई बदलाव नहीं किया है जो काफी अच्छी बात है।

पिछले कुछ महीनों से 37 वर्षीय रोहित बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं। वह घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली करारी शिकस्त के बाद आलोचना का सामना कर रहे हैं। रहाणे ने कहा कि हर खिलाड़ी करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है लेकिन रोहित 'वास्तव में आश्वस्त' हैं। रोहित के साथ लंबे समय तक भारतीय ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'इस में अहम बात यह है कि रोहित में अच्छा प्रदर्शन करने का जज्बा बरकरार है। वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ है। मुझे यकीन है कि एक बार जब वह मैदान पर उतरेंगे तो ऐसा करने में सफल रहेंगे।

राहणे ने कहा, 'रोहित ने कल अभ्यास के कुछ सत्रों में अच्छी बल्लेबाजी की। मैं रोहित के अच्छे प्रदर्शन को लेकर वास्तव में आश्वस्त हूं। रहाणे ने कहा कि जम्मू कश्मीर के खिलाफ यह मैच इस सत्र में रोहित के लिए एकमात्र मुकाबला हो सकता है। रोहित इंग्लैंड के खिलाफ छह फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला और उसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की कप्तानी करेंगे। रहाणे ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह सिर्फ इस मुकाबले को खेलेंगे। अगले मैच में उनकी उपलब्धता के बारे में मुझे पता नहीं है। अगले चार दिनों तक उनके सुझाव हमारे लिए काफी अहम होंगे।

फुटबॉल स्टार डेवर्सन की पत्नी ने शेयर किया 'ईलू ईलू कैलेंडर', फैंस हो गए हैरान

ब्राजील (एजेंसी)। फुटबॉल स्टार डेवर्सन की पत्नी करीना एलेक्जेंडर ने अपना शरारती मूड दिखाया है जिसकी हर तरफ

चर्चा हो रही है। स्टार जोड़ा अपनी ग्लैमरस लाइफ के लिए मशहूर है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी हॉट फोटोज भी अपलोड करता रहता है। इसी बीच करीना ने इंस्टाग्राम पर एक कैलेंडर की फोटोज शेयर कर धमाल मचा दी है। 33 साल की करीना ने पति के साथ बेडरूम रूटीन का विवरण अपने फैंस के साथ साझा कर दिया है। उक्त कैलेंडर में महीने की खास तरीकों पर दिल के निशान बनाए गए है जिसका मतलब फैंस ईलू ईलू नाइट से लगा रहे हैं।

33 वर्षीय डेवर्सन ला लीगा में अपने फुटबॉल करियर के दौरान लेवांटे, डेपोर्टिवो अलावेस और गेटाफे जैसे क्लबों के लिए खेले हैं। ब्राजीलियाई क्लब पाल्मेरास के साथ उनका 2017 और 2022 का दौर सर्वश्रेष्ठ रहा था। उन्होंने क्लब के लिए 144 लीग मैच खेले और 31 गोल किए। लेकिन उन्होंने करीना के साथ अपने रिश्ते के साथ मैदान के बाहर भी जीवन का आनंद लिया है।

इसी बीच करीना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने अंतरंग जीवन की झलक प्रशंसकों को दी है। उन्होंने अपने सेक्स कैलेंडर की एक तस्वीर साझा की, जिसमें प्रत्येक दिन प्यार भरे दिल बने हुए थे, जिस दिन वे एक-दूसरे के साथ अंतरंग थे। करीना ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा- मेरे जीवन का लक्ष्य प्यार को बढ़ाना है। डेवर्सन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट साझा की और इसके साथ 3 प्यार भरे दिल वाले इमोजी जोड़े।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था: एरिका वीब

विजयनगर (कर्नाटक) (एजेंसी)। पूर्व ओलंपिक चैंपियन पहलवान एरिका वीब ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती को बाहर करने को बेहद निराशानजक करार दिया लेकिन साथ ही उम्मीद जताई कि अगले सत्र में खेल की वापसी होगी। कनाडा की एरिका ने 2016 रियो ओलंपिक की महिला 75 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में कजाखस्तान की गुजेल मेन्युरोवा को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता था।

यूनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और आईएसएस के सहयोग से यहां चल रहे अंतरराष्ट्रीय महिला कुश्ती शिविर और 'रेस्लिंग मास्टरक्लास' कार्यक्रम के लिए यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट आई एरिका ने वकालत की कि 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था। एरिका ने इंटरव्यू में कहा, 'ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का फैसला बहुत निराशाजनक था। उन्होंने खेलों के लिए एक बहुत ही अलग मॉडल अपनाया। उनके पास केवल 10 खेल हैं। यह बेहद निराशाजनक बात है। मैं वास्तव में चाहती थी कि वे मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल करते।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस खेल

(कुश्ती) की लोगों तक अधिक पहुंच है। मुझे लगता है कि महासंघ बेहतर स्थिति में है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रमंडल में भारत और नाइजीरिया की मौजूदगी में कुश्ती के खेल में शानदार खिलाड़ियों के रूप में अपनी विविधतापूर्ण ताकत दिखाने का एक अवसर है। कनाडा की इस पहलवान ने कहा, 'और इसलिए, हां, यह निराशाजनक है। मुझे लगता है कि चीजें बदलेंगी। हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है और इसलिए मुझे उम्मीद है कि शायद 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हम कुश्ती की वापसी देखेंगे।

बुडापेस्ट 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता एरिका ने ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया की प्रशंसा की और कहा कि भारत में महिला कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत से भारतीय खिलाड़ियों, खासकर पहलवानों की सराहना करती हूं। मैंने बजरंग के लिए मैट पर और मैट के बाहर सम्मान के बारे में बहुत बात की है, वह एक शानदार पहलवान, अविश्वसनीय सहयोगी है। भारत में महिला फ्रीस्टाइल कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं।

बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप 2018 की कांस्य पदक विजेता एरिका ने कहा, 'मैं फोगाट बहनों, साक्षी मलिक और विनेश के बारे में सोचती हूं, जो ना केवल मैट पर चैंपियन रही हैं, बल्कि जिस तरह से वे खुद को संभालती हैं और मैट के बाहर जिस तरह चीजों के लिए खड़ी होती हैं, वह मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक है।

यूट्यूब पर बोले पूर्व क्रिकेटर

चैंपियंस ट्रॉफी में आपको रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरूरत है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने दिग्गज भारतीय बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'महान व्हाइट-बॉल क्रिकेटर' कहा। कैफ अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में यह भी उल्लेख किया कि आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम इंडिया को रोहित और विराट की आवश्यकता होगी। कोहली ने 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे प्रारूप में पदार्पण किया था। उसके बाद उन्होंने 50 ओवर के 295 मैचों में 93.54 की स्ट्राइक रेट से 13906 रन बनाए हैं। उनका औसत भी 58.18 है। इस बीच रोहित ने अपना पहला वनडे मैच 2007 में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। 265 वनडे में कप्तान ने 92.43 की स्ट्राइक रेट और 49.16 की औसत से 10866 रन बनाए हैं।

कैफ ने कहा कि रोहित और विराट दोनों ही लंबे समय तक नहीं खेलेंगे क्योंकि वे 30 के दशक के अंत में हैं। उन्होंने कहा कि दो अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान मेन इन ब्लू टीम में बहुत योगदान देंगे। उन्होंने कहा, आपको रोहित शर्मा

और विराट कोहली की जरूरत है। रोहित 37 साल के हैं और कोहली 36 साल के हैं। वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। उनके लिए प्रार्थना करें, उनका समर्थन करें। वे दो बेहतरीन सफेद गेंद के खिलाड़ी हैं। वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि वे अच्छा खेलेंगे। वे आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में बहुत योगदान देंगे। अगर वे अच्छा खेलते हैं, तो आप दुबई में मैच जीतेंगे। रोहित शर्मा तेज शुरुआत देते हैं। विराट कोहली उस शुरुआत का फायदा उठाते हैं।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगी। इसकी मेजबानी पाकिस्तान और यूएई करेंगे, जिसमें भारत हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने मैच यूएई में खेलेगा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे। दो कट्टर प्रतिद्वंद्वियों भारत और पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच 23 फरवरी को खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत का आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी

पाकिस्तान नाम वाली जर्सी पहनने के खिलाफ बीसीसीआई, यह कहता है नियम

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कथित तौर पर आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम की जर्सी और कप्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा की भागीदारी के बारे में कड़ा रुख अपनाया है। बीसीसीआई द्वारा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर अपने खेलों को पाकिस्तान से हटाकर यूएई में स्थानांतरित करने के लिए दबाव डालने के बाद चिंता का एक नया विषय सामने आया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई नहीं चाहता है कि टीम इंडिया के खिलाड़ी मेजबान के रूप में पाकिस्तान के नाम वाली जर्सी पहनें। पीसीबी अब दो प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच चल रही तनातनी के बीच इस समाधान को हल करने में आईसीसी की मदद की उम्मीद कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि बीसीसीआई भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पारंपरिक कप्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस और फोटो शूट के लिए पाकिस्तान नहीं भेजेगा। इसके बजाय भारतीय क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि दोनों आयोजन यूएई में स्थानांतरित कर दिए जाएं।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, आईसीसी ने पहले ही भारत के अनुरोध को

स्वीकार कर लिया है कि वह अपने सीटी मैच पाकिस्तान में न खेले, इसलिए ये मामूली मुद्दे हैं। पीसीबी इस स्थिति से परेशान है और आईसीसी से समाधान की उम्मीद करेगा। पीसीबी के एक सूत्र ने कथित तौर पर सुझाव दिया है कि बीसीसीआई भी खेल में राजनीति ला रहा है। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई क्रिकेट में राजनीति ला रहा है, जो खेल के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया। वे उद्घाटन समारोह के लिए अपने कप्तान को (पाकिस्तान) नहीं भेजना चाहते हैं; अब ऐसी खबरें हैं कि वे मेजबान देश (पाकिस्तान) का नाम अपनी जर्सी पर नहीं छपवाना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि विश्व शासी निकाय (आईसीसी) ऐसा नहीं होने देगा और पाकिस्तान का समर्थन करेगा।

क्या कहता है नियम

आईसीसी के नियमों के अनुसार अगर भारत टूर्नामेंट के आधिकारिक लोगो के साथ-साथ नामित मेजबानों के नाम वाली जर्सी नहीं पहनता है, तो यह आईसीसी के कपड़ों के संबंध में आधिकारिक कोड का उल्लंघन होगा। इस तरह के टूर्नामेंट में यह परंपरा रही है, जैसे कि जब भारत ने 2021 टी20 विश्व कप या 2023 वनडे विश्व कप की मेजबानी की थी, तो पाकिस्तान ने भारत का झंडा लगाया था। यह देखना बाकी है कि आईसीसी किस तरह का समाधान निकालता है, क्योंकि टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू होने वाला है जिसमें 15 मैच क्रमशः कराची, लाहौर, रावलपिंडी और दुबई के चार मैदानों पर खेले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन जंग पर ट्रम्प की पुतिन को चेतावनी : कहा- बातचीत को तैयार नहीं हुए तो रूस पर प्रतिबंध लगाएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन जंग के मुद्दे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को चेतावनी दी है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा अगर पुतिन जंग पर बातचीत के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो अमेरिका रूस पर प्रतिबंध लगाएगा। उन्होंने कहा कि वे हर समय पुतिन से बातचीत और व्यक्तिगत तौर पर मिलने के लिए तैयार हैं। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन में जंग कभी शुरू ही नहीं होनी चाहिए थी, यहां भयंकर स्थिति है, लाखों लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा- अगर अमेरिका में एक सक्षम राष्ट्रपति होता, तो यह जंग कभी नहीं होती। अगर मैं राष्ट्रपति होता, तो ऐसा नहीं होता। ट्रम्प ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में रूस ने यूक्रेन पर हमला करने की हिम्मत नहीं की थी। यूक्रेन को हथियार सप्लाई की समीक्षा करेंगे यूक्रेन को अमेरिका से होने वाली हथियारों की सप्लाई पर ट्रम्प ने कहा कि वो इसकी समीक्षा कर रहे हैं। ट्रम्प ने बताया कि वो यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं। ट्रम्प जल्द ही पुतिन से भी बात करेंगे। दूसरी तरफ ट्रम्प ने यूरोपीय यूनियन पर अमेरिका की तुलना में यूक्रेन को कम वित्तीय सहायता देने का आरोप लगाया। ट्रम्प ने कहा कि हम यूक्रेन के लिए 200 अरब डॉलर दे रहे हैं। यूरोप को हमसे ज्यादा खतरा है, फिर वे कम मदद दे रहे हैं। ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जेलेंस्की शांति चाहते हैं। इसके लिए रूस और यूक्रेन, दोनों पक्षों को बातचीत करनी होगी। दोनों में सहमति होना जरूरी है। यूक्रेन जंग पर पुतिन ने जिनपिंग से बात की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को यूक्रेन जंग को खत्म करने और नए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संबंधों को लेकर बातचीत की। जिनपिंग और पुतिन ने वीडियो कॉल के जरिए एक घंटे 35 मिनट तक बातचीत की। दोनों ने रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का प्रस्ताव भी रखा। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि रूस अमेरिका के साथ सम्मानजनक रिश्ते रखना चाहता है।

मेम्फिस में डिप्टी ने चोरी की कार में बैठे व्यक्ति को गोली मारी

मेम्फिस, एजेंसी। मेम्फिस में मंगलवार को एक डिप्टी ने चोरी की कार चलाने के संदेह में एक व्यक्ति को गोली मार दी। टेनेसी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (टीबीआई) की प्रवक्ता किम व्हीलर ने बताया कि शेल्बी काउंटी शेरिफ कार्यालय के डिप्टी ने चोरी की कार में सवार एक व्यक्ति को देखा और उसे पूर्वी मेम्फिस में व्यापारिक प्रतिष्ठानों के पास हिरासत में लेने की कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ गई और डिप्टी ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हालांकि, कोई डिप्टी घायल नहीं हुआ। व्हीलर ने कहा कि अभी यह पता नहीं चला है कि स्थिति कैसे बिगड़ी या मारे गए व्यक्ति और डिप्टी के बारे में कोई अन्य जानकारी जैसे नाम, उम्र, लिंग और नस्ल क्या है। व्हीलर ने कहा कि जांच एजेंट साक्ष्य इकट्ठा कर रहे हैं और यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि गोलीबारी के पीछे क्या घटनाएं थीं। बता दें कि टीबीआई राज्य की पुलिस एजेंसी है। यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों से जुड़ी गोलीबारी की घटनाओं की जांच करती है और अपनी रिपोर्ट स्थानीय जिला अटॉर्नी को देती है, जो यह तय करता है कि क्या आरोप लगाए जाएं या नहीं।

तेल अवीव में चाकू से हमले में चार लोग घायल, संदिग्ध मारा गया

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली पुलिस ने बताया कि मंगलवार शाम को मध्य तेल अवीव में चाकू से हुए हमले में चार लोग घायल हो गए और संदिग्ध हमलावर मारा गया। यह घटना गाजा में हमास के साथ चल रहे संघर्ष विराम के तीसरे दिन हुई। पुलिस ने हमलावर की पहचान नहीं की, लेकिन इसे आतंकवादी कृत्य माना जा रहा है। इससे पहले मंगलवार को, इस्राइल ने कब्जे वाले पश्चिमी तट पर एक बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें कम से कम नौ फलस्तीनी मारे गए और 40 अन्य घायल हुए। इस बारे में फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी दी। बता दें कि गाजा में लागू संघर्ष विराम पश्चिमी तट पर लागू नहीं होता, जहां इस्राइली सैनिक अक्सर छापे मारते हैं, जिससे गोलीबारी होती रहती है।

भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल के पिता का निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने मंगलवार को कहा कि उनके पिता एमपी जयपाल का निधन हो गया है और वह अपनी मां और बहन से मिलने के लिए भारत आ रही हैं। जयपाल ने एक बयान में कहा, मेरे प्यारे पिता एमपी जयपाल का कल रात शांतिपूर्ण तरीके से निधन हो गया। मैं अपनी मां और बहन से मिलने के लिए भारत आ रही हूं, क्योंकि हम उस व्यक्ति के लिए शोक और जश्न मना रहे हैं, जिसने हमें इतने अवसर दिए हैं।

अनुचित कारोबारी व्यवहार के लिए गूगल पर इंडोनेशिया ने लगाया 103 करोड़ जुर्माना

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की एंटीट्रस्ट एजेंसी ने मंगलवार को गूगल पर अनुचित कारोबारी व्यवहार के लिए करीब 1.2 करोड़ डॉलर (103 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया है। एजेंसी ने 2022 में गूगल के खिलाफ एक जांच शुरू की थी। आरोप है कि गूगल ने अपने प्ले स्टोर से इंडोनेशियाई एप डेवलपर्स के एप को गलत तरीके से हटा दिया था। पैनल ने सुनवाई में कहा कि गूगल ने एप डेवलपर्स की कमाई को कम कर दिया, क्योंकि इससे उपयोगकर्ताओं की संख्या में कमी आई, साथ ही कहा कि गूगल ने एकाधिकार बनाए रखने के इंडोनेशियाई कानून का उल्लंघन किया।

यूएस में जन्म के आधार पर नागरिकता खत्म करने का विरोध, भारतीय मूल के सांसदों ने उठाई आवाज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को लेकर राजनीति गर्माहट तेज हो चुकी है। राष्ट्रपति पद संभालने के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मसिद्ध नागरिकता में बदलाव के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी किया। इसको लेकर भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने असंतुष्टि जताई और ट्रंप के इस आदेश का जमकर विरोध किया। बता दें कि ट्रंप के आदेश के तहत जन्मसिद्ध नागरिकता को लेकर भविष्य में बिना दस्तावेज वाले अप्रवासियों के बच्चों को नागरिकता नहीं मिलेगी। यह आदेश उन माता-पिताओं के बच्चों पर भी लागू होगा जो कानूनी रूप से लेकिन अस्थायी रूप से अमेरिका में रह रहे हैं, जैसे विदेशी छात्र या फिर पर्यटक। सीधे शब्दों में कहे तो आदेश में ये कहा गया है कि 19 फरवरी, 2025 के बाद जिन बच्चों के माता-पिता अमेरिकी नागरिक या वैध स्थायी निवासी नहीं होंगे, उन्हें नागरिकता नहीं मिलेगी।

भारतीय-अमेरिकी सांसद ने जताई नाराजगी : ट्रंप के इस आदेश के बाद भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने इसका जमकर विरोध किया। वहीं इस मामले में भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने कहा कि इस आदेश से न केवल अवैध अप्रवासियों के बच्चों पर असर पड़ेगा, बल्कि उन लोगों पर भी प्रभाव होगा जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में वैध रूप से रह रहे हैं। साथ ही खन्ना ने कहा कि ट्रंप का

आदेश जन्मजात नागरिकता को खत्म करता है न सिर्फ अवैध अप्रवासियों के बच्चों के लिए, बल्कि उन वैध अप्रवासियों के लिए भी जो अस्थायी रूप से अमेरिका में हैं। गौरतलब है कि एच-1बी वीजा उन विदेशी कर्मचारियों को दिया जाता है जो तकनीकी या विशेष पेशेवर काम के लिए अमेरिका आते हैं और हर साल भारत जैसे देशों से बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठाते हैं।

भारतीय सांसदों ने बताया असंवैधानिक : इस मामले में भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा कि जन्मसिद्ध नागरिकता अमेरिका का कानून है और वह इसे हर हालत में बचाने के लिए संघर्ष करेंगे। वहीं प्रमिला जयपाल ने इसे असंवैधानिक बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति इसे एक आदेश से बदल नहीं सकते। इसके साथ ही आव्रजन अधिकार समूहों ने इसे अदालत में चुनौती देने की बात की है, क्योंकि उनका कहना है कि यह आदेश असंवैधानिक है।

ट्रंप के फैसले को न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल की चुनौती : वहीं इस मामले में 22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर किया है। इन राज्यों का कहना है कि 14वें संशोधन के तहत जन्मसिद्ध नागरिकता स्वचालित है और इसे बदलने का अधिकार न तो राष्ट्रपति के पास है न ही कांग्रेस के पास।

यह आदेश संविधान का उल्लंघन- अटॉर्नी जनरल : साथ ही मामले में न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू प्लैटकिन और कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोन्टा ने कहा कि यह आदेश संविधान का उल्लंघन है। डेमोक्रेटिक पार्टी के अजय भुटोरिया ने भी कहा कि यह आदेश असंवैधानिक है और यह अमेरिका के मूल मूल्यों को कमजोर करता है।

क्या है जन्मसिद्ध नागरिक कानून : इससे पहले अमेरिकी धरती पर जन्मे किसी भी बच्चे के पास जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिकता का अधिकार होता था। यह अधिकार अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन कानून के तहत दिया जाता है। इसके उल्लंघन पर कार्यकारी आदेश को न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से इस आदेश के 30 दिन बाद से अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को उनके माता-पिता के देश में रहने के कानूनी अधिकार से जोड़कर ही नागरिकता दी जाएगी।

न्यूयॉर्क के स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर लगेगी रोक? छात्रों के हित में गवर्नर होचुल का प्रस्ताव

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने मंगलवार को राज्य भर के स्कूलों में छात्रों के मोबाइल फोन इस्तमाल पर रोक लगाने को लेकर प्रस्ताव रखा। इसके तहत अगले शैक्षणिक वर्ष से न्यूयॉर्क राज्य के सभी स्कूलों में छात्रों को अपने सेलफोन छोड़ने होंगे। बता दें कि गवर्नर होचुल की इस योजना के लिए विधायकों की स्वीकृति की आवश्यकता होगी और यह योजना स्कूलों में छात्रों को कक्षा, दोपहर के भोजन, और हॉलवे में अपने फोन और अन्य उपकरणों को इस्तेमाल करने से रोकने के लिए है। गवर्नर होचुल ने प्रस्ताव को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि इस कदम से छात्रों को कक्षा में ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी और उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने फोन से बहुत अधिक व्यस्त होते हैं, जिससे वे पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाते। साथ ही होचुल का यह भी मानना है कि जब बच्चे अपने दोस्तों के साथ वायरल डांस और संदेशों पर ध्यान दे रहे होते हैं तो उन्हें पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है। गवर्नर द्वारा दिए गए प्रस्ताव में आगे की बात करें तो इस प्रस्ताव के तहत, कुछ छात्रों को छूट भी दी जाने की बात कही जा रही है, जैसे कि जिनके पास मेडिकल कारण हैं या जिन्हें शिक्षा में मदद की आवश्यकता है। साथ ही न्यूयॉर्क राज्य ने स्कूलों को इस प्रतिबंध को लागू करने में मदद के लिए 13.5 मिलियन डॉलर देने का भी प्रस्ताव रखा है।

जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई

टोक्यो, एजेंसी। जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। रोगियों की संख्या

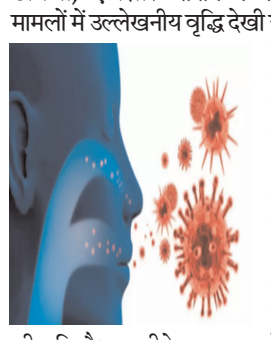

पिछले दशक की तुलना में इस समय उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के अनुसार, 12 जनवरी तक माइकोप्लाज्मा निमोनिया रोगियों की साप्ताहिक औसत संख्या 1.11 तक पहुंच गई जो इससे पहले के सप्ताह की तुलना में 0.34 की वृद्धि है। यह बीते एक दशक में सबसे अधिक औसत है। माइकोप्लाज्मा निमोनिया बच्चों में होने वाला एक आम संक्रमण है। इसमें बुखार, थकान, सिरदर्द और लगातार खांसी जैसे लक्षण होते हैं। गंभीर मामलों में यह निमोनिया का कारण बन सकता है और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। किसी व्यक्ति के बैक्टीरिया के संपर्क में आने के बाद लक्षण सामने आने में एक से चार सप्ताह लग सकते हैं। लक्षण कई हफ्तों तक रह सकते हैं। वहीं, एरिथेमा इंफेक्टियोसम बीमारी भी बढ़ रही है। यह सर्दी-जुकाम जैसे लक्षणों से शुरू होती है और फिर गालों पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में लगभग 3,000 चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त रिपोर्टों में बताया गया है कि एक सप्ताह पहले के 0.78 मामले प्रति अस्पताल की तुलना में 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में औसतन 0.94 मामले सामने आए। विशेषज्ञों ने मास्क पहनने सहित संक्रमण की रोकथाम के उपायों के महत्व पर बल दिया, क्योंकि इन्फ्लूएंजा भी व्यापक रूप से फैल रहा है। एम न्यूमोनिया सांसों में मौजूद वाष्प की छोटी बूंदों के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। यह संक्रमण आमतौर पर सर्दियों के महीनों के दौरान होता है, लेकिन साल भर भी हो सकता है। अनुमान बताते हैं कि अमेरिका की लगभग एक प्रतिशत आबादी हर साल संक्रमित होती है। संक्रमण के वास्तविक मामले दर्ज मामलों से बहुत अधिक हो सकते हैं क्योंकि संक्रमण से हल्की बीमारी होती है जिसके लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं होती है। माइकोप्लाज्मा संक्रमण का प्रकोप सेना, अस्पतालों, नर्सिंग होम आदि में भी देखने को मिलता है।

नामित रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की बढ़ी मुश्किलें, भाभी ने हलफनामे में पत्नी के साथ मारपीट का लगाया आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में रक्षा मंत्री के लिए नामित पीट हेगसेथ की मुश्किलें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जहां उनके नामांकन में गड़बड़ी की जांच कर रही सीनेट को हेगसेथ के खिलाफ एक और हमफनामा मिला, जिसमें उनकी भाभी ने उनपर अपनी दूसरी पत्नी सामंथा के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। हलफनामे में उनकी भाभी डैनियल हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) को इस बारे में दिसंबर में बताया था, लेकिन यह जानकारी कांग्रेस से साझा नहीं की गई क्योंकि सांसद हेगसेथ के नामांकन पर विचार कर रहे थे। रक्षा मंत्री के लिए नामित पीट हेगसेथ को लेकर उनकी भाभी डैनियल ने बताया कि सामंथा की बातों से हमेशा लगता था कि वो किसी खतरे में हैं। डैनियल ने ये भी बताया कि सामंथा अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा एक सुरक्षित शब्द का इस्तेमाल करती थीं, जिससे वो अपने लोगों को अपने आप के खतरे में होने का एहसास करा सकें और मदद मांग सकें। इसको लेकर डैनियल ने दावा किया कि 2015 या 2016 में सामंथा ने उस शब्द का उपयोग किया उन्हें ये बताने के लिए किया था कि वो खतरे में है, जिसके बाद डैनियल को मदद के लिए तीसरे पक्ष से संपर्क करना पड़ा।

नाजी सैल्यूट विवाद के बीच एलन मस्क को मिला चरमपंथियों का समर्थन, नागरिक संगठनों ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क के डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में सीधे हाथ के इशारे पर विवाद बढ़ता जा रहा है। कई लोगों ने मस्क की आलोचना की है। दरअसल सीधे हाथ के इशारे को नाजी सैल्यूट होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि कट्टर दक्षिणपंथी लोग एलन मस्क के समर्थन में उतर गए हैं। चरमपंथी लोग इसका जश्न मना रहे हैं। गौरतलब है कि एलन मस्क ने सोमवार को कैपिटल वन एरेना में एक भाषण के दौरान एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर खुशी जताई थी और इसी दौरान उन्होंने सीधा हाथ उठाकर वह इशारा किया था, जिसे नाजी सैल्यूट कहा जा रहा है।

दक्षिणपंथी समूहों ने किया मस्क का समर्थन : इस पूरे विवाद को हवा इस बात से भी मिली है क्योंकि मस्क ने उनके इशारे को नाजी सैल्यूट होने के दावों का न तो खंडन किया है और न ही स्वीकारा है। हालांकि उन्होंने इस मामले पर हो रही आलोचना पर तीखी नाराजगी जाहिर की। एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हर कोई हिटलर है। ये हमले बहुत थका देने वाले हैं। श्वेत राष्ट्रवादी समूह व्हाइट लाइव्स मैटर ने टेलीग्राम पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि, श्वेत ज्वाला फिर से उठेगी। श्वेत राष्ट्रवादी कीथ वुड्स ने एक्स पर साझा पोस्ट में मस्क का जोरदार समर्थन किया। एक अन्य दक्षिणपंथी ने लिखा

कि हम वापस आ गए हैं।

नागरिक संगठनों ने जताई नाराजगी : हालांकि यहूदी विरोध और मानवाधिकारों पर निगरानी रखने वाली संस्था एंटी-डिफेमेशन लीग ने मस्क के इशारे की आलोचना की। अन्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क ट्रम्प समर्थकों की भीड़ को अपना हाथ आगे बढ़ाकर क्या संदेश देना चाह रहे थे। ऑनलाइन नफरत पर नजर रखने वाले इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक डायलॉग के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जेरेड होल्ट ने कहा, मुझे संदेह है कि यह जानबूझकर किया गया था। यह लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने का एक प्रकार का संकेत हो सकता है। अमेरिकी विश्वविद्यालय में संचार के प्रोफेसर कर्ट ब्रैडॉक ने कहा कि यह इशारा एक फासीवादी सलामी थी और लोगों को इस पर संदेह नहीं करना चाहिए। कर्ट ब्रैडॉक चरमपंथ, कट्टरपंथ और आतंकवाद का अध्ययन करते हैं। ब्रैडॉक ने मस्क के बारे में कहा, वह अभी भी इसे ऐसे टाल रहे हैं जैसे कि यह कोई गंभीर बात नहीं थी। मुझे पता है कि मैंने क्या देखा, मुझे पता है कि नव-नाजियों सहित चरम दक्षिणपंथी तत्वों के बीच इस पर क्या प्रतिक्रिया थी, और मैं देख सकता हूं कि अब क्या प्रतिक्रिया है। और इसमें से कोई भी हंसी की बात नहीं है।

यूरोप में नाजी सैल्यूट को द्वितीय विश्व युद्ध की घृणा, मृत्यु और विनाश से जोड़ा जाता है। इटली के एक कम्युनिस्ट युवा संगठन ने मंगलवार को मिलान के पियाजेल लोरेटो में मस्क का पुतला उल्टा लटका दिया, उसी जगह द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में मुसोलिनी को फांसी दिए जाने के बाद उनके शरीर को उल्टा लटका दिया गया था।

तंजानिया में मारबर्ग वायरस की पुष्टि के बाद केन्या सतर्क

नैरोबी, एजेंसी। तंजानिया में फैले मारबर्ग वायरस के फैलने से पड़ोसी देश केन्या भी सतर्क हो गया है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि पड़ोसी देश तंजानिया द्वारा उत्तर-पश्चिमी कागेरा क्षेत्र में मारबर्ग वायरस रोग (एमवीडी) के प्रकोप की पुष्टि होने के बाद केन्या हाई अलर्ट पर है। केन्या की राजधानी नैरोबी में मंगलवार को जारी एक बयान में स्वास्थ्य मंत्रालय में सार्वजनिक स्वास्थ्य और व्यावसायिक मानकों की प्रमुख सचिव मैरी मुथोनी ने कहा कि हालांकि केन्या में कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन तंजानिया और अन्य पड़ोसी देशों से सीमा पार बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही के कारण देश में इसका खतरा बढ़ गया है।

उन्होंने कहा, ÷स्वास्थ्य मंत्रालय सभी केन्यावासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। परिणामस्वरूप, मारबर्ग वायरस रोग की तैयारी और रिस्पॉन्स प्लान के विकास के माध्यम से देश में तैयारियों को बढ़ाया जा रहा है।÷ समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह बयान सोमवार को तंजानिया के कागेरा क्षेत्र में मारबर्ग वायरस के प्रकोप की पुष्टि के बाद जारी किया गया, जहां संदिग्ध संक्रमण की जांच के दौरान एक पॉजिटिव मामला सामने आया।

तंजानिया ने बताया कि सोमवार तक

कुल 25 संदिग्ध मामलों की पहचान की गई है। सभी की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है और फिलहाल उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, तंजानिया ने इससे पहले मार्च 2023 में कागेरा क्षेत्र में एमवीडी प्रकोप की सूचना दी थी, जो देश का पहला मामला था, इस दौरान कुल नौ मामले और छह मौतें दर्ज की गई थीं।

मुथोनी ने कहा कि इस गंभीर बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए देश भर में सभी काउंटियों और प्रवेश के सभी बिंदुओं पर निगरानी बढ़ा दी गई है, क्योंकि इस बीमारी के कारण मौत भी हो जाती है। मुथोनी ने कहा, ÷हम आम जनता को सलाह देते हैं कि वे सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का पालन करें और यदि आपको मारबर्ग वायरस रोग जैसे कोई लक्षण महसूस होते हैं तो निकटतम सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा में चिकित्सा सहायता लें।÷

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मारबर्ग वायरस फल खाने वाले चमगादड़ों से लोगों में फैलता है और संक्रमित लोगों के शारीरिक तरल पदार्थ, सतहों और सामग्रियों के सीधे संपर्क के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है। अफ्रीका में, अंगोला, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, घाना, केन्या, रवांडा, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में पहले भी इसके प्रकोप और छिटपुट मामले सामने आ चुके हैं।

यमन के तट पर नाव पलटने से 20 इथियोपियाई प्रवासियों की मौत : आईओएम

अदन, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने बताया कि सप्ताहांत में दक्षिणी यमनी तट के पास एक नाव के पलट जाने से कुल 20 इथियोपियाई प्रवासियों की मौत हो गई, जिनमें नौ महिलाएं और 11 पुरुष शामिल थे। आईओएम ने एक बयान में कहा कि यह नाव, जिसमें 35 इथियोपियाई प्रवासी, एक यमन कप्तान और उसका सहायक सवार थे, कथित तौर पर जिबूती के हम्मारता क्षेत्र से रवाना हुआ था और शनिवार रात को तेज प्रांत के दुबाब जिले के अल-हज्जाजाह के पास तेज मौसमी हवाओं के बीच पलट गई। बयान में कहा गया कि जीवित बचे लोग सफलतापूर्वक तट पर पहुंच गए हैं। बयान में यमन में आईओएम के मिशन प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव के हवाले से कहा गया है, ÷यह त्रासदी उन खतरनाक परिस्थितियों की याद दिलाती है, जिनसे प्रवासी सुरक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में गुजरते हैं।÷ एसोव ने कहा, ÷अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अनियमित प्रवास के मूल कारणों को दूर करने तथा प्रवासियों की सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता देने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए। यमन के तटीय जल दुनिया के सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों में से हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आईओएम के आंकड़ों के अनुसार, अकेले 2024 में यमन में 60,000 से अधिक प्रवासियों के आगमन का दस्तावेजीकरण किया

गया है। 2014 से अब तक पूर्वी मार्ग पर 3,435 मौतें और लापता होने की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें डूबने से 1,416 लोगों की मौत शामिल है। मंगलवार को नाम न बताने की शर्त पर एक यमन सरकार के अधिकारी ने सिन्हुआ से बात करते हुए पुष्टि की कि यह घटना कई दिन पहले हुई थी और कहा कि दर्जनों लोग मारे गए हैं। हालांकि उन्होंने हताहतों की कोई विशिष्ट संख्या नहीं बताई। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में आईओएम ने 15 जनवरी को समझौता ज्ञापन (एमओयू) और डेटा साझाकरण प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करने के लिए इथियोपियाई सांख्यिकी सेवा (ईएसएस) और प्रवासन डेटा सृजन में शामिल 13 सरकारी संस्थानों की सराहना की। इथियोपियाई सांख्यिकी सेवा, इथियोपियाई आपदा जोखिम प्रबंधन आयोग, इथियोपियाई राष्ट्रीय आईडी कार्यक्रम, आव्रजन और नागरिकता सेवा, और रिफ्यूजी एंड रिटर्निंग सर्विस उन प्रमुख संस्थानों में से थे।

ट्रंप सरकार का बड़ा फैसला, समानता और समावेशी स्टाफ को छुट्टी पर भेजा, नौकरी से निकालने की तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ ग्रहण के बाद से ही लगातार बड़े फैसले ले रहे हैं। अब एक और बड़े फैसले के तहत ट्रंप ने विविधता, समानता और समावेशी विभाग के पूरे स्टाफ को छुट्टी पर भेजने का निर्देश दे दिया है। इतना ही नहीं इन लोगों को नौकरी से निकालने की तैयारी है। ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति काल के पहले दिन कई कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, इन्हीं में से एक अमेरिकी संघीय सरकार के डीईआई विभाग के कर्मचारियों को सवेतन छुट्टी पर भेजने का भी आदेश शामिल है।

आदेश के बाद डीईआई के सारे वेबपेज बंद : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे ऐसी योजना पर काम करें ताकि डीईआई विभाग के कर्मचारियों को नौकरी से हटाया जा सके। ट्रंप सरकार के इस कदम से भेदभाव रोधी प्रशिक्षण की फंडिंग और अल्पसंख्यक किसानों को फंडिंग प्रभावित होगी। ट्रंप के कार्यकारी आदेश के तुरंत बाद डीईआई विभाग के सारे वेबपेज बंद कर दिए गए हैं। साथ ही ये निर्देश दिया गया है कि अगर आदेश के बाद भी डीईआई संबंधी कोई कार्यक्रम जारी रहता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान ही इसे बंद करने का किया था वादा : डीईआई के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को यह अधिकार मिलता है कि वे निजी कंपनियों की जांच कर सकते हैं। जिसमें कंपनियों की प्रशिक्षण व्यवस्था, नौकरी पर कर्मचारियों को रखने की प्रक्रिया की जांच की जाती है और यह पता लगाने की कोशिश की जाती है कि इसमें भेदभाव तो नहीं हो रहा है। हालांकि कई लोगों

का मानना है कि इससे गैर अल्पसंख्यकों खासकर श्वेत लोगों के साथ भेदभाव होता है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान ही डीईआई को बंद करने का वादा किया था।

विविधता प्रशिक्षण और जवाबदेही कार्यालय क्या है : ट्रंप का यह आदेश संघीय कर्मचारियों में विविधता और समावेशी प्रथाओं को शामिल करने के बाइडन सरकार की कोशिशों को समाप्त कर देगा। बाइडन सरकार में सभी संघीय एजेंसियों को विविधता योजना विकसित करने, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट जारी करने और भर्ती और पदोन्नति में जनसांख्यिकीय रुझानों को ट्रैक करने का आदेश दिया था। प्रशासन ने डीईआई योजना के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए एक मुख्य विविधता अधिकारी परिषद भी स्थापित की। सरकार ने 2022 में अपनी पहली डीईआई प्रगति रिपोर्ट जारी की थी, जिसके अनुसार, अमेरिका के संघीय कर्मचारियों का जनसांख्यिकीय डेटा शामिल था, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 60प्रतिशत श्वेत और 55प्रतिशत पुरुष है, और वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर 75प्रतिशत से अधिक श्वेत और 60प्रतिशत से अधिक पुरुष हैं।

ट्रंप के सत्ता संभालते ही न्याय विभाग में बड़े फेरबदल : डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालते ही अमेरिकी न्याय विभाग में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। ट्रंप ने पाम बॉन्डी को नया अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया है। बॉन्डी की नियुक्ति की पुष्टि होने से पहले ही न्याय विभाग के कई अधिकारियों के पद बदले गए हैं। जिन लोगों को पुराने पद से हटाकर नई नियुक्ति दी गई है, उनमें ब्रूस स्वार्ट्ज भी शामिल हैं, जो न्याय विभाग के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के लंबे समय तक प्रमुख रहे। यह कार्यालय प्रत्यर्पण मामलों को संभालता है। कुल मिलाकर 20 से अधिक अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

कर्नाटक: उत्तर कन्नड़ जिले में सड़क दुर्घटना में 8 लोगों की मौत, 17 घायल

उत्तर कन्नड़, एजेंसी। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में फलों और सब्जियों से भरा एक ट्रक पलट गया। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और 17 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा बुधवार तड़के जिले के येल्लापुर में अरेबेल और गुलापुरा के बीच नेशनल हाईवे-63 पर हुआ। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहीं, पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एम नारायण के अनुसार, सब्जियां बेचने जा रहे लोगों का ट्रक सावनूर से कुमता बाजार जा रहा था। सुबह करीब 5.30 बजे, ट्रक चालक दूसरे वाहन को साइड देने के प्रयास में बाईं ओर चला गया और करीब 50 मीटर गहरी घाटी में जा गिरा। आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों में कई लोगों की हालत गंभीर है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार सुबह एक अन्य घटना में रायचूर जिले में एक दुर्घटना में तीन छात्रों और एक ड्राइवर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना में 10 अन्य लोग भी घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पतला पहुंचाया गया है। मृतकों की पहचान मंत्रालयम संस्कृत स्कूल के तीन छात्र अयवंदन (18), सुजेंद्र (22), अभिलाष (20) और चालक शिवा (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना सिंधनूर के अरागिनमारा कैंप के पास हुई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शवों को अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वक्फ संशोधन अधिनियम पर बोले जगदंबिका पाल

अयोध्या, एजेंसी। रामनगरी अयोध्या पहुंचे जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम को गरीबों के लिए अहम बताया। दावा ये भी किया कि ये कानून ऐतिहासिक होगा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने एक बड़ी जिम्मेदारी दी है। हमारी कोशिश एक अच्छा कानून बनाने की है, जिससे वक्फ का लाभ गरीब आदमी को मिल सके। लखनऊ में हमने बैठक की है। इस बैठक में जेपीसी के सदस्यों के साथ और इससे जुड़े तमाम अधिकारी मौजूद रहे। हमें विश्वास है कि एक अच्छी रिपोर्ट पेश होगी, जो देश के लिए और वक्फ के लिए ऐतिहासिक कानून होगा और वक्फ के उद्देश्य को पूरा करेगा। उन्होंने आगे कहा कि लखनऊ में यह हमारी आखिरी बैठक थी। इसके पहले हम पूरे देश का भ्रमण कर चुके हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, चेन्नई, कर्नाटक, असम, ओडिशा, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं। हमारी रिपोर्ट तैयार हो चुकी है। बोर्ड के सदस्यों से सुझाव मांगे गए हैं, जिसके बाद 24-25 को बैठक होगी। उसके बाद इस रिपोर्ट को पेश करेंगे। मुझे लगता है कि एक अच्छे कानून के लिए और संशोधन के लिए सभी सहमति व्यक्त करेंगे और परस्पर सहमति से यह कानून बनेगा। अयोध्या का दर्शन-पूजन करने को लेकर पाल ने कहा कि मैं पिछले 50 वर्षों से अनवरत यहां आता रहा हूं। मुझे यहां आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। मैं सबके लिए ईश्वर से मंगलकामना करता हूं। वक्फ संशोधन अधिनियम के लिए संसद द्वारा गठित कमेटी की बैठक मंगलवार को लखनऊ में हुई। इस बैठक में यूपी सरकार के मंत्री और अधिकारी भी शामिल हुए। इससे पहले बिहार की राजधानी पटना में जेपीसी ने हितधारकों के साथ बैठक की थी। माना जा रहा है कि जेपीसी 31 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

आरएसएस ने 52 साल नहीं लहराया तिरंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने आजादी की लड़ाई में कोई हिस्सा नहीं लिया और वह उन्हें चुनौती देते हैं कि वे इतिहास में ढूंढकर बताएं कि आंदोलन में उनकी भागीदारी कितनी रही। खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा,बाबासाहेब डॉ अंबेडकर जी को सम्मान देने के लिए कांग्रेस ने जो किया ऐसा शायद दूसरा कोई नहीं कर सकता था। मुंबई से संविधान सभा में लाने के लिए कांग्रेस ने अपने सदस्य एम आर जयकार का इस्तीफा कराया। गांधी जी ने ही संविधान सभा के ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के लिए बाबासाहेब डॉ आंबेडकर जी के नाम का सुझाव दिया था।

हरियाणा में बदलेगा भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष? बड़ौली के रिपीट होने में बाधा बना गैंगरेप वाला आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के कुछ महीने पहले नतीजे आए तो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली को भी क्रेडिट दिया गया। हरियाणा के इतिहास में पहली बार भाजपा को लगातार तीन बार सरकार में आने का मौका मिला। कुछ महीने पहले ही सीएम बने नायब सिंह सैनी को इसका क्रेडिट मिला तो ब्राह्मण समाज से आने वाले बड़ौली भी चर्चा में आए। इसके बाद उन्हें उम्मीद थी कि हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष वह फिर से बन जाएंगे, लेकिन इसमें बाधा आती दिख रही है। इसकी वजह है, उन पर लगा गैंगरेप का आरोप। दिल्ली की रहने वाली एक महिला ने बड़ौली और सिंगर रॉकी मित्तल के खिलाफ गैंगरेप का आरोप लगाया है। इसके चलते माना जा रहा है कि भाजपा बड़ौली के स्थान पर किसी और नेता को राज्य में पार्टी की कमान सौंप सकती है।

अब तक राज्य में भाजपा ने सैनी के नाम पर ओबीसी नेता और बड़ौली के नाम पर ब्राह्मण समाज को साधते हुए समीकरण साधा है। बड़ौली ने जीटी रोड बेल्ट कहे जाने वाले इलाके में बड़ी सफलता भी पार्टी को दिलाई, लेकिन अब वह खुद मुश्किल में फंसते घिर रहे हैं। बड़ौली ने खुद पर लगे आरोपों को आधारहीन बताया है, लेकिन पार्टी शायद ही

किसी विवाद में पड़ना चाहेगी। इसकी वजह यह है कि कुछ समय बाद ही हरियाणा में निकाय चुनाव होने हैं और दिल्ली में भी असेंबली इलेक्शन हैं। ऐसे में पार्टी नहीं चाहेगी कि वह किसी तरह के नैरेटिव में फंसे। बड़ौली को कुछ समय के लिए बैकसीट पर किया जा सकता है और उनके स्थान पर किसी अन्य नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

भाजपा ने हरियाणा में 43 लाख मेंबर बनाए हैं। राज्य में भाजपा ने संगठन को मजबूत करने के लिए काफी मेहनत की है। फिलहाल जिला और मंडल स्तर पर चुनाव कराए जा रहे हैं। इसके बाद जल्दी ही भाजपा के जिलाध्यक्षों के भी चुनाव होंगे। इनके बाद प्रदेश अध्यक्ष की बारी आएगी, लेकिन बड़ौली का नंबर फंस सकता है। बता दें कि बड़ौली का प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भले ही लंबा कार्यकाल नहीं रहा है, लेकिन उन्होंने तीसरे कार्यकाल में सत्ता दिलाने में अहम रोल प्ले किया। खासतौर पर सैनी और बड़ौली की जोड़ी को ही इसका क्रेडिट दिया गया है।

राजनीतिक रूप से भी बड़ौली विवादों से बचे ही रहे हैं, लेकिन उन पर लगा यह निजी आरोप भारी पड़ सकता है। अब बड़ौली पर लगे आरोपों के बीच प्रदेश अध्यक्ष की रेस में कुछ और नेता भी सामने आए हैं। इन नेताओं में पूर्व सांसद संजय भाटिया, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और अजय गौर शामिल हैं। इनके अलावा कृष्ण बेदी, अर्चना गुप्ता और सुरिंदर पूनिया के भी नाम चर्चा में हैं। बता दें कि प्रदेश अध्यक्ष बनने से पहले बड़ौली प्रदेश महासचिव थे। संगठन का उनका पुराना अनुभव है। ऐसे में उन्हें हटाने से पार्टी को कुछ वक्त के लिए चुनौती आ सकती है। फिर भी शायद दो चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा उन्हें मौका न दे। अब तक किसी ने इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने दिल्ली के मतदाताओं से आप को यमुना पार खदेड़ देने का आग्रह किया

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए प्रचार करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) पर अपने चुनावी वादों को पूरा करने में ''विफल'' रहने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप को यमुना पार खदेड़ देने का आग्रह किया। सैनी ने मध्य दिल्ली के राजिंदर नगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से यह अपील की। पिछले साल एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले तीन अभ्यर्थियों की मौत हो गई थी, जिसके बाद यह क्षेत्र काफी चर्चा में रहा था। जनसभा में आप नीत सरकार पर हमला करते हुए सैनी ने आरोप लगाया कि वह अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। सैनी ने कहा, ''उन्होंने स्वच्छ पानी का वादा किया था, लेकिन लोग गंदे पानी से जूझ रहे हैं...केजरीवाल ने दिल्ली को पेरिस जैसा बनाने का वादा किया था, लेकिन शहर की सड़कें खस्ता हालत में हैं। वह पिछले 10 वर्षों में अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं।'' पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए सैनी ने कहा कि आप सुप्रीमो तिहाड़ से ''छुट्टी'' पर बाहर आए हैं और चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद जेल लौट आएंगे। केजरीवाल दिल्ली शराब नीति से जुड़े मामले में जमानत पर बाहर हैं। सैनी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी ने एक बयान में कहा, ''दिल्ली के लोग इस तरह की घृणित बयानबाजी को खारिज करते हैं। वे एक ईमानदार सरकार के साथ खड़े हैं।'' दिल्ली में विधानसभा चुनाव पांच फरवरी को होंगे और मतगणना आठ फरवरी को होगी।

केरल में कोरोना महामारी के दौरान पीपीई किट खरीदने में करोड़ों का घोटाला : सीएजी की रिपोर्ट

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। कोरोना महामारी के दौरान वैक्सीन के साथ पीपीई किट ने भी लोगों की जान बचाने के अहम भूमिका निभाई थी। अब केरल में पीपीई किट को लेकर हंगामा छिड़ गया है। दरअसल भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजीने मंगलवार को केरल में पीपीई किट खरीदने में हुए घोटाले को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य में महामारी के दौरान मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार ने पीपीई की खरीदने में अनियमितता बरती और करोड़ों का घोटाला भी हुआ। इसकी बाद विपक्षी पार्टियों ने जमकर निशाना साधा है। सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक पीपीई किट खरीदने में अतिरिक्त 10.23 करोड़ खर्च किए गए। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि सैन फार्मा नाम को कंपनी को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई। आरोप है कि यह कंपनी सबसे ऊंची दरों पर किट बेच रही थी फिर भी कंपनी को यह अनुबंध दिया गया और फर्म को पहले ही 100 प्रतिशत राशि चुका दी गई। गौरतलब है कि मार्च 2020 में सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान पीपीई किट, एन95 मास्क और इसी तरह की अन्य चीजों की खरीद के लिए केरल मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (केएमएससीएल) को विशेष मंजूरी दी थी। रिपोर्ट सामने आने पर विपक्ष ने एलडीएफ सरकार को घेरा है। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने एलडीएफ सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार ने कोविड-19 महामारी में लोगों की जान बचाने से ज्यादा अपनी जेब भरने की चिंता थी। उन्होंने कहा, सीएजी की गई रिपोर्ट कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रष्टाचार के बारे में विपक्ष के आरोपों की पुष्टि करती है।

एजिलस डायग्नॉस्टिक्स ने माइलॉयड मैलिग्नेंसी

जीनोमिक टेस्टिंग का तेजी से विस्तार किया

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े डायग्नॉस्टिक नेटवर्क एजिलस डायग्नॉस्टिक्स ने माइलॉयड मैलिग्नेंसी की जांच के नतीजे 3-दिन के टर्नअराउंड टाइम (टीएटी) के साथ उपलब्ध कराते हुए जीनोमिक टेस्टिंग के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल की है। भारत में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रगति, बढ़ती जागरुकता और पर्सनलाइज्ड मेडिसिन की बढ़ती मांग के मद्देनज़र जीनोमिक टेस्टिंग मार्केट में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। फिलहाल यह बाजार करीब 150 मिलियन डॉलर मूल्य का है और अगले पांच वर्षों में इसके 15 प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर की दर से बढ़ने की संभावना है। डॉ आनंद के, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, एगिलस डायग्नॉस्टिक्स ने कहा, माइलॉयड मैलग्नेंसी के लिए हमारी तीन दिन की जीनोमिक टेस्टिंग सुविधा ने प्रेसिजन ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में पेश आने वाली सबसे बड़ी समस्या यानी समय को पीछे छोड़ दिया है। इस शानदार उपलब्धि की बदौलत, एजिलस डायग्नॉस्टिक्स ने न सिर्फ इंडस्ट्री में मानक रचे हैं बल्कि यह त्वरित डायग्नॉस्टिक्स तथा उपचार सुविधाओं को मुहैया कराते हुए मरीजों की देखभाल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव कर रही है।

ईडी नागरिकों को परेशान करना बंद कर दे, हद में रहेः बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी। बंबई उच्च न्यायालय ने एक रियल एस्टेट कारोबारी के खिलाफ बिना सोचे समझे धन शोधन की जांच शुरू करने के लिए ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय पर मंगलवार को एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि केंद्रीय एजेंसियों को कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए। ईडी पर जुर्माना लगाते हुए जस्टिस मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने कहा कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों को एक कड़ा संदेश जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नागरिकों को परेशान न किया जाए। उच्च न्यायालय ने अगस्त 2014 में मुंबई के एक रियल एस्टेट डेवलपर राकेश जैन को धन शोधन एजेंसी द्वारा दायर अभियोजन शिकायत के आधार पर एक विशेष अदालत द्वारा जारी की गई प्रक्रिया (समन/नोटिस) को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति जाधव ने कहा, अब समय आ गया है कि ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां ??कानून को

अपने हाथ में लेना बंद करें और नागरिकों को परेशान करना बंद करें। ईडी ने जैन के खिलाफ उपनगरीय विले पार्ले थाने में एक संपत्ति खरीदार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर धन शोधन की जांच शुरू की थी, जिसमें जैन पर समझौते के उल्लंघन और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति जाधव ने अपने फैसले में कहा कि जैन के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है, इसलिए धन शोधन के आरोप भी टिकते नहीं हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि जैन के खिलाफ शिकायतकर्ता का कदम और ईडी की कार्रवाई स्पष्ट रूप से दुर्भावनापूर्ण है और इसके लिए जुर्माना लगाने की आवश्यकता है। अदालत ने ईडी को चार सप्ताह के भीतर उच्च न्यायालय पुस्तकालय को एक लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। पीठ ने मामले में मूल शिकायतकर्ता (खरीदार) पर भी एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इस जुर्माने का भुगतान मुंबई स्थित कीर्तिकर लॉ लाइब्रेरी को किया जाएगा। न्यायाधीश ने आदेश में कहा, यह देखा गया है कि धन शोधन की साजिश गुप्त रूप से रची जाती है और अंजाम दी जाती है। मेरे सामने वर्तमान मामला पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) के कार्यान्वयन की आड़ में उत्पीड़न का एक नायाब मामला है। ईडी के अधिवक्ता श्रीराम शिरसाट के अनुरोध पर उच्च न्यायालय ने अपने फैसले पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी ताकि एजेंसी उच्चतम न्यायालय में अपील दायर कर सके।

अब एकनाथ शिंदे के घर प्रदर्शन, फडणवीस सरकार के फैसले पर बढ़ा शिवसैनिकों का गुस्सा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में नासिक और रायगड़ के प्रभारी मंत्रियों को लेकर छिड़ा विवाद बढ़ता ही जा रहा है। शिवसेना के विरोध के बाद देवेंद्र फडणवीस सरकार ने नासिक में गिरीश महाजन और रायगड़ में एनसीपी की अदिति तटकरे को प्रभारी मंत्री बनाए जाने के आदेश पर रोक लगा दी गई है। इसके बाद अब शिवसैनिक दबाव बनाने में जुटे हैं कि किसी भी तरह से उनके ही नेताओं को मौका दिया जाए। यही नहीं सरकार से नाराज बताए जा रहे एकनाथ शिंदे के घर पर भी प्रदर्शन होने लगे हैं। शिवसेना नेता और रोजगार

गारंटी मिनिस्टर भारत गोगावाले के समर्थकों ने एकनाथ शिंदे के घर का घेराव किया। मंगलवार की शाम को साउथ मुंबई में स्थित एकनाथ शिंदे के बंगले मुक्तागिरी पहुंचे गोगावाले समर्थकों ने नारेबाजी भी की। इन लोगों की मांग है कि रायगड़ जिले का प्रभारी मंत्री गोगावाले को ही बनाया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि वे वहां जनाधार रखते हैं। इस मामले में गोगावाले के समर्थक दो विधायक महेंद्र थोर्वे और महेंद्र डलवी सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी मिलने वाले हैं। बीते सप्ताह गार्जियन मिनिस्टर की लिस्ट जारी होने के बाद से ही शिवसैनिकों में गुस्सा है। नासिक में भाजपा नेता गिरीश महाजन को प्रभारी बनाए जाने से भी असहमति है, लेकिन उतना गुस्सा नहीं है। लेकिन एनसीपी की नेता अदिति तटकरे को रायगड़ का प्रभारी मंत्री बनाए जाने से ज्यादा गुस्सा है। इसके अलावा दादा भुसे और उनके समर्थक नासिक का प्रभारी मंत्री बनाए जाने की इच्छा रखते हैं। वह पहले भी इस जिले की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इससे पहले शनिवार को तो गोगावाले समर्थकों ने मुंबई और गोवा हाईवे को भी जाम कर दिया था। एकनाथ शिंदे गुट के दबाव के बाद प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति पर रोक लगा दी गई है, लेकिन इसके बाद भी 26 जनवरी को होने वाले आयोजन में जिलों में महाजन और तटकरे ही झंडा फहराएंगे। इसी को लेकर चिंता बढ़ गई है। उन्हें लगता है कि ऐसा न हो जाए कि बाद में फिर से वही फैसला रिपीट हो जाए। दरअसल रायगड़ में लंबे समय से गोगावाले और तटकरे के बीच मतभेद रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के खिलाफ ही सियासी जमीन तैयार करते रहे हैं। ऐसे में अब एक ही सरकार का हिस्सा होने के बाद भी खाई खत्म नहीं हो पाई है। यहां तक कि जब एकनाथ शिंदे खुद सीएम थे और अदिति तटकरे को मंत्री पद दिया गया, तब भी प्रदर्शन हुए थे।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के संबंध में पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने चिंता व्यक्त की

नईदिल्ली, एजेंसी। दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2025 में आजतक से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे अनुसार ट्रंप की तारीफ बढ़ोतरी की धमकी अनिश्चितता की ओर एक बड़ा कदम है। ये बाकी दुनिया के लिए बड़ी बाधाएं उत्पन्न कर सकता है। हालांकि ये अमेरिका के लिए उतने फायदेमंद साबित न हो, ऐसा हो सकता है। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे शपथ ली है, उसके बाद से ही उनके तेवर बदले हुए नजर आ रहे है। डोनाल्ड ट्रंप तारीफ बढ़ाने की धमकी भी दे चुके है। इन धमकियों को लेकर दिग्गजों ने गहरी चिंता जाहिर की है। डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी चिंता व्यक्त की है। रघुराम राजन ने टैरिफ बढ़ोतरी की योजना को अनिश्चितता का सोर्स बताया। इससे गोलबाल इकोनॉमिक स्टेबिलिटी को नुकसान हो सकता है। दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2025 में आजतक से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे अनुसार ट्रंप की तारीफ बढ़ोतरी की धमकी अनिश्चितता की ओर एक बड़ा कदम है। ये बाकी दुनिया के लिए बड़ी बाधाएं उत्पन्न कर सकता है। हालांकि ये अमेरिका के लिए उतने फायदेमंद साबित न हो, ऐसा हो सकता है। अमेरिका में ये प्रणाली काम नहीं करती हुई की तारीफ लगाया है।

बेंगलुरु गैंगरेप केस में सीएम सिद्धारमैया का विवादित बयान

कहा- क्या भाजपा राज में बलात्कार नहीं हुए?

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में महिला से गैंगरेप और पिछले हफ्ते 6 साल की बच्ची से रेप और हत्या मामले में भाजपा ने राज्य की कांग्रेस सरकार की तीखी आलोचना की। इसके जवाब में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने विवादित बयान दे दिया। मंगलवार को बेलगावी में पार्टी के कार्यक्रम के दौरान सिद्धारमैया ने कहा, क्या भाजपा के कार्यकाल में रेप नहीं हुए? समाज में हमेशा बुरे तत्व होते हैं। हम आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। दरअसल, भाजपा ने बेंगलुरु गैंगरेप केस और पिछले हफ्ते ही राजधानी के होयसला नगर में एक 6 साल की बच्ची की नृशंस हत्या मामले में कांग्रेस राज में महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाए। भाजपा ने गृह मंत्री जी. परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की है। कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा एवं पार्टी नेताओं ने राज्य की कानून व्यवस्था की तीखी आलोचना की है। इसके जवाब में सिद्धारमैया विवादित बयान दे गए।

सिद्दारमैया ने बेंगलुरु में एक सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर संवाददाताओं से कहा, क्या भाजपा के कार्यकाल में दुष्कर्म नहीं हुए। दुष्कर्म कभी नहीं होने चाहिए और महिलाओं की सुरक्षा की जानी चाहिए। समाज में हमेशा बुरे तत्व होतहैं। हम उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। सिद्धारमैया यह बात बेलगावी में जय बापू, जय भीम रैली के दौरान कह रहे थे। यह रैली महात्मा गांधी और डॉ. बीआर अंबेडकर के सम्मान में आयोजित की गई थी। उनके इस बयान की भाजपा ने तीखी आलोचना की है।

भाजपा के आरोप

कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा, कर्नाटक जो कभी अपनी संस्कृति, मूल्यों और सुरक्षा के लिए प्रसिद्ध था, अब डकैती और अत्याचारों के लिए एक हॉटस्पॉट के रूप में कुख्यात हो रहा है। बेंगलुरु में के.आर. मार्केट के पास बस का इंतजार कर रही अकेली महिला के साथ हाल ही में सामूहिक दुष्कर्म और लूट एक जघन्य और अमानवीय कृत्य है जो राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था को रेखांकित करता है। यह महिलाओं की सुरक्षा में विफलता को दर्शाता है।

हम संविधान के लिए मर मिटने को तैयार, बेलगावी में बोलीं प्रियंका गांधी- राहुल से डरती है सरकार

बेलगावी, एजेंसी। एआईसीसी महासचिव और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि वह, उनके भाई लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता भाजपा से नहीं डरते हैं और संविधान की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाते रहेंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में कई पार्टियों की सरकार रही, लेकिन कोई ऐसी सरकार नहीं आई, जिसका गृह मंत्री संसद में खड़े होकर बाबा साहेब का अपमान कर सके। कोई ऐसी सरकार नहीं आई, जिसके नेताओं ने कहा कि हम संविधान बदल देंगे। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि कोई ऐसा नहीं कह सकता कि हमें आजादी 1947 में नहीं मिली। किसी ने नहीं सोचा था कि सत्ता में बैठे लोग संविधान को कमजोर करने की बात करेंगे और बाबा साहेब अंबेडकर जी जैसे मसीहा का संसद में अपमान होगा। बाबा साहेब का अपमान कर गृह मंत्री ने लोकतंत्र और तमाम स्वतंत्रता सेनानियों-

शहीदों का अपमान किया है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी को देश की सारी संपत्ति सौंप दी गई है। जब हम संसद में कहते हैं कि अडानी के खिलाफ अमेरिका में केस दर्ज है, जांच की जाए, तो हमारी आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है।

गांधी ने कहा कि अडानी ने सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी, जिससे बिजली के बिल बढ़ाए जा सकें। आज देश का किसान संकटों से घिरा हुआ है, उसे हर चीज में जीएसटी भरनी पड़ती है। वो 1-1 लाख रुपए के कर्ज के कारण आत्महत्या करने को मजबूर है। दूसरी तरफ मोदी सरकार उद्योगपतियों का 17 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर देती है। ये संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार हर ओर निजीकरण कर सारी संपत्ति चंद उद्योगपतियों को सौंप रही है। निजीकरण से आरक्षण खत्म हो जाता है। भाजपा ने लेटरल एंट्री के जरिए भी आरक्षण को खत्म करने की कोशिश की है। यही संविधान विरोधी नीतियां कही जाती हैं। इसीलिए जब हम कहते हैं कि भाजपा संविधान को कमजोर कर रही है, तो उसका मतलब होता है, ये लोग आपको कमजोर कर रहे हैं और आपके जीवन में संघर्ष को बढ़ा रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार की हर नीति संविधान के खिलाफ है, जिसका असर आपके जीवन पर पड़ता है। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार 200 यूनिट बिजली मुफ्त देती है। लेकिन अगर आप भाजपा शासित प्रदेशों में जाएंगे तो वहां किसान बिजली बिल देखकर रोते हैं। उन्होंने कहा कि देश में लोगों के जीवन में संविधान से बड़ी कोई चीज नहीं है। संविधान आपको अन्याय से बचाता है। संविधान न्याय, शिक्षा, भोजन और आवाज उठाने का अधिकार देता है। संविधान ही सरकार के खिलाफ आंदोलन करने का अधिकार देता है। हमारे पुलिसकर्मियों और सेना की रक्षा संविधान करता है, लेकिन आज ये लोग अपनी पुरानी पेंशन के लिए परेशान हैं, क्योंकि सरकार हर रोज संविधान पर हमला कर रही है।

उन्होंने कहा कि ये समझ लीजिए कि- संविधान ही आपको सुरक्षित रखेगा, इसलिए जो भी संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें पहचानिए। तय कर लीजिए कि हम संविधान, बाबा साहेब अंबेडकर जी और अपना अपमान नहीं सहेंगे। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बाबासाहेब डॉ अंबेडकर जी को सम्मान देने के लिये कांग्रेस ने जो किया ऐसा शायद दूसरा कोई नहीं कर सकता था। मुंबई से संविधान सभा में लाने के लिए कांग्रेस ने अपने सदस्य एमआर जयकर का इस्तीफा कराया। खड़गे ने कहा कि गाँधी जी ने ही संविधान सभा के ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के लिए बाबासाहेब डॉ अंबेडकर जी के नाम का सुझाव दिया था।

भारत सरकार में बाबासाहेब को देश का पहला कानून मंत्री बनाने में भी गांधीजी ने अपना समर्थन दिया था। राज्य सभा में बाबासाहेब को दो बार बंबई से चुना गया। पहली बार 3 अप्रैल 1952 से 2 अप्रैल 1956 के बीच। दोबारा 3 अप्रैल 1956 को सदस्य बने, पर 6 दिसंबर 1956 को उनका निधन हो गया। कांग्रेस पार्टी चाहती थी कि बाबासाहेब सम्मान सहित राज्य सभा पहुंचे, इसीलिए वो दो-बार निर्विरोध राज्य सभा का चुनाव जीते।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।